3 राजधानी
तिहाड़ में अलग सेल में रहेंगे केजरीवाल

6 अभिमत
नैनो-उर्वरकों से टिकाऊ खेती

11 विदेश
तुर्किए में स्थानीय चुनाव में एर्दोआन को झटका

12 स्पोर्ट्स
राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियन्स को हराया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 145
नई दिल्ली, मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

रक्षा निर्यात पहली बार अभूतपूर्व बुलंदी पर पहुंचा
राष्ट्रीय-10

केजरीवाल ने आबकारी नीति केस में दो आप मंत्रियों का लिया नामः ईडी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

फाइल फोटो/रंजन डिमरी

दिल्ली की मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया है कि आबकारी नीति मामले में आप सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कथित तौर पर दोनों का नाम लिया है। केजरीवाल को सोमवार को अदालत ने 15 दिन के लिए 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में अरविंद केजरीवाल मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को बताया, केजरीवाल ने बताया है कि विवादास्पद बिचौलिए विजय नायर ने आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट की थी, उन्हें नहीं।

एएसजी राजू ने अदालत में कहा, अरविंद केजरीवाल का आचरण पूरी तरह से असहयोगात्मक रहा है और उन्होंने पूछताछ को गुमराह करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि विजय नायर मुझे नहीं बल्कि आतिशी को रिपोर्ट करते थे। केजरीवाल अपने फोन का पासवर्ड साझा नहीं कर रहे हैं। अदालत ने पूछा, ये तर्क न्यायिक हिरासत के आवेदन के लिए कहां तक ??प्रासंगिक हैं। एएसजी ने जवाब दिया, हम बाद के चरण में उनकी ईडी हिरासत की मांग करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। सोमवार को केजरीवाल की पत्नी सुनीता और पार्टी सहयोगियों और आप विधायक आतिशी, सौरभ भारद्वाज और गोपाल राय कोर्ट रूम के अंदर थे।न्यायाधीश कावेरी बावेजा की विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने कथित अनियमितताओं से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में 55 वर्षीय केजरीवाल, जो आप के राष्ट्रीय संयोजक भी हैं, को 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

ईडी ने अपने रिमांड आवेदन में कहा कि केजरीवाल से हिरासत में पूछताछ के दौरान उन्होंने गोलमोल जवाब दिए और जानकारी छिपाई। इसमें कहा गया है कि नौ दिनों की अवधि में मुख्यमंत्री के बयान लिए गए और उनका विभिन्न गवाहों, अनुमोदकों और अन्य सह-अभियुक्तों के बयानों से सामना कराया गया। याचिका में केजरीवाल द्वारा दिए गए गोलमोल और भ्रामक उत्तरों के कुछ स्पष्ट उदाहरण सूचीबद्ध किए गए हैं। इसमें कहा गया, उन्होंने (केजरीवाल) कहा कि विजय नायर उन्हें नहीं बल्कि आतिशी मार्लेना और सौरव भारद्वाज को रिपोर्ट करते थे और नायर के साथ उनकी बातचीत सीमित थी। विजय नायर मुंबई स्थित मनोरंजन और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ओनली मच लाउडर (ओएमएल) के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थे। उन्होंने 2020 के दिल्ली राज्य विधान सभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के अंशकालिक स्वयंसेवक के रूप में काम किया। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने पार्टी कार्यक्रम आयोजित करने और सोशल मीडिया हैंडल प्रबंधित करने में मदद की थी। रिमांड आवेदन में कहा गया है कि हालांकि, नायर के बयानों से पता चला है कि वह एक कैबिनेट मंत्री के बंगले में रहता था और मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय से काम करता था। गिरफ्तार व्यक्ति को यह समझाने के लिए भी कहा गया था कि जो व्यक्ति आप के अन्य नेताओं को रिपोर्ट करता था, वह आपके कैंप कार्यालय से काम क्यों करेगा, (शेष पेज 9)

कर मामले में कांग्रेस को बड़ी राहत

पीटीआई। नई दिल्ली

आयकर विभाग ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि वह करीब 3,500 करोड़ रुपए के कर मांग नोटिस के संबंध में लोकसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगा। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने आयकर विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का यह बयान दर्ज किया कि मामले पर अंतिम फैसला आने तक मौजूदा परिस्थितियों में तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। पीठ ने कहा, इस आवेदन पर सुनवाई की शुरुआत में, प्रतिवादी विभाग की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि मार्च 2024 के महीने में कई तारीखों पर अपीलकर्ता के खिलाफ लगभग 3,500 करोड़ रुपए की मांग की गई है।

उसने कहा, आगे (एसजी तुषार मेहता द्वारा) दलील दी गई कि इन अपीलों में जो मुद्दे सामने आए हैं, उन पर अभी फैसला सुनाया जाना बाकी है, लेकिन अब की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, विभाग इस मामले को तूल नहीं देना चाहता है क्योंकि प्रतिवादी विभाग द्वारा लगभग 3500 करोड़ रुपए की उपरोक्त मांग के संबंध में कोई भी कठोर कदम नहीं उठाया जाएगा। पीठ ने अलग-अलग कर मांग नोटिस पर कांग्रेस की याचिका पर सुनवाई को 24 जुलाई के लिए स्थगित कर दिया। कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने इस रुख की सराहना करते हुए कहा कि अलग-अलग वर्ष के लिए सारे मांग नोटिस फरवरी और मार्च में जारी किए गए जो कुल 3500 करोड़ रुपए के थे। उन्होंने कहा, मैं बहुत कम ही निशब्द रहता हूं। लेकिन मेरे जानकारी मित्र के हस्तक्षेप से मैं निशब्द रह गया हूं। कृपया इसे जुलाई में लें। शुरुआत में, मेहता ने कहा, याचिकाकर्ता एक राजनीतिक दल है। 2016 के फैसले के आधार पर, जिसे चुनौती दी गई है, हमने 1700 करोड़ रुपए की मांग उठाई है। चूंकि चुनाव चल रहा है, हम नहीं चाहेंगे कि किसी भी पार्टी के लिए कोई समस्या पैदा हो, इसलिए चुनाव के बाद मामले की सुनवाई होने तक हम 1700 करोड़ रुपए की वसूली के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय का यह फैसला 23 मार्च 2016 का है और उसके द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर 2021 में पार्टी के खिलाफ कर की मांग की गई थी।

उन्होंने कहा कि आयकर विभाग को इस मुद्दे के गुण-दोषों पर बहुत कुछ कहना है और वे उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर मुख्य याचिका का जवाब देना चाहेंगे। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने मेहता से पूछा कि क्या याचिका में विषय के रूप में मांग नोटिस थे। मेहता ने नहीं में जवाब दिया। कांग्रेस ने रविवार को कहा था कि उसे आयकर विभाग से एक बार फिर नया नोटिस मिला, जिसके जरिए आकलन वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक के लिए 1,745 करोड़ रुपए के कर की मांग की गई है। आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस से अब तक कुल 3,567 करोड़ रुपए के कर की मांग की जा चुकी है। पार्टी ने शुक्रवार को कहा था कि उसे आयकर विभाग से नोटिस मिला है, जिसमें करीब 1,823 करोड़ रुपए का भुगतान करने को कहा गया है। कर अधिकारियों ने पिछले वर्षों से संबंधित कर मांग के लिए पार्टी के खातों से 135 करोड़ रुपए पहले ही निकाल लिए हैं।

भारतीयों के लिए वीजा प्रतीक्षा समय कम करेगा अमेरिका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों को रेखांकित करते हुए नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन्हें वीजा समय कम करने के लिए कहा था। यह दावा करते हुए कि यह पहली बार था कि किसी राजदूत को किसी देश में इस तरह का निर्देश दिया गया था। गार्सेटी ने इस बात पर जोर दिया कि ग्रीन कार्ड बैकलॉग मुद्दे का एक हिस्सा एक विधायी मामला है जिसे कांग्रेस को संबोधित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अधिक वीज़ा पर निर्णय करने से प्रतीक्षा समय 75 फीसदी कम हो गया है। गार्सेटी ने कहा, यह एक विधायी मुद्दा है जिससे कांग्रेस को निपटने की जरूरत है, चाहे वह वैध आप्रवासियों की संख्या हो, ग्रीन कार्ड हो, या नागरिकता हो। किसी भी देश की तरह, सीमाएं हैं। यह भारतीयों के लिए निराशाजनक हो सकता है, क्योंकि कई लोग हैं जो ऐसा करना चाहते हैं। पिछले साल, भारत में छात्र वीजा की संख्या सबसे अधिक थी, जो दूसरे सबसे बड़े से दोगुना है। उन्होंने आगे कहा, हमने केवल एक साल में भारत में वीजा निर्णयों में 60 फीसदी की वृद्धि की है, समान कर्मचारियों को बनाए रखा है और प्रतीक्षा समय को 75 फीसदी तक कम किया है। कांग्रेस को इस पर और ध्यान देने की जरूरत है।

75फीसदी कटौती के बावजूद 250 दिन की प्रतीक्षा अवधि के बारे में पूछे जाने पर, गार्सेटी ने जवाब दिया, 250 दिन अभी भी बहुत लंबा है। राष्ट्रपति ने मुझसे भारत में वीज़ा प्रतीक्षा समय कम करने के लिए कहा था। मेरा मानना ??है कि यह पहली बार है कि किसी राष्ट्रपति ने ऐसा कहा है किसी भी देश में (शेष पेज 9)

वजीराबाद में घुसा तेंदुआ, आठ को किया जख्मी

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के वजीराबाद इलाके में दिन के उजाले में एक तेंदुआ एक घर में घुस गया, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई और सोमवार सुबह कम से कम आठ लोगों को घायल कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, तेंदुआ सुबह-सुबह जगतपुर गांव में एक घर की छत से कूद गया था और अगली इमारत में घुस गया जहां उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया। सोशल मीडिया पर मौजूद वीडियो में कुछ लोगों द्वारा तेंदुए का पीछा करते हुए और अन्य लोगों को दहशत में भागते हुए दिखाया गया है। तेंदुए ने आठ लोगों पर हमला किया जिनकी पहचान गांव के रहने वाले महेंद्र, आकाश, नितिन, पंकज, नासिर, विपिन, सतीश और निशू के रूप में हुई है। दिल्ली फायर सर्विस के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि तेंदुए को बाद में पकड़ लिया गया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, घटना की जानकारी सुबह करीब 6.20 बजे मिली और दो दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, स्थानीय लोगों की मदद से अधिकारियों ने तेंदुए को एक कमरे में बंद कर दिया। घायलों को अस्पताल भेजा गया। एक निवासी ने कहा कि तेंदुए को पहली बार सुबह 4.30 बजे देखा गया और 5.15 बजे पीसीआर कॉल की गई।

वजीराबाद में सोमवार को एक घर में घुसे तेंदुए को वन विभाग कर्मचारियों ने पकड़ लिया। फोटोः रंजन डिमरी/पायनियर

उन्होंने कहा, इसने एक दर्जन से अधिक लोगों पर हमला करने की कोशिश की और उनमें से कुछ को घायल कर दिया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) एमके मीना ने कहा कि जगतपुर गांव से एक घर में तेंदुए के घुसने की सूचना मिली थी, जिसके बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया।

मौके पर वन टीम के सात लोग और अग्निशमन विभाग की टीम के साथ स्थानीय पुलिस भी मौजूद थी। तेंदुए को एक कमरे में बंद कर दिया गया और बाद में उसे इलाके से रेस्क्यू कर लिया गया। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि गांव जंगल से घिरा हुआ है लेकिन वहां कोई बाड़ या किसी अन्य प्रकार की सुरक्षा नहीं है। हाल ही में पिछले साल 1 दिसंबर को दक्षिण दिल्ली के सैनिक फार्म में एक तेंदुआ देखा गया था। इसे आखिरी बार 6 दिसंबर को देखा गया था और वन विभाग को संदेह था कि यह असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य में लौट आया है। एक हफ्ते बाद, उत्तरी दिल्ली के अलीपुर में खाटूश्याम मंदिर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर एक कार की चपेट में आने से एक तेंदुए की मौत हो गई थी।

लोस चुनाव के दौरान झेलने पड़ सकते हैं लू के थपेड़े

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारत अपने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तैयार हो रहा है, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अभ्यास, जो 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में होने वाला है। वहीं भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार मतदाताओं और राजनीतिक दलों को अत्यधिक गर्मी से निपटने में कठिनाई हो सकती है। आईएमडी ने अप्रैल से जून की अवधि के दौरान उच्च तापमान की अनुमानित गंभीरता के बारे में सोमवार को चेतावनी जारी की। इसका विशेष रूप से देश के मध्य और पश्चिमी भागों पर प्रभाव पड़ेगा। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने एक वर्चुअल समाचार सम्मेलन में कहा, अप्रैल-जून की अवधि में देश के विभिन्न हिस्सों में सामान्य चार से आठ दिनों की तुलना में 10 से 20 दिन हीट-वेव रिकॉर्ड हो सकते हैं।

लगभग 97 करोड़ पात्र मतदाताओं के साथ, न केवल मतदान प्रतिशत को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं, बल्कि चिलचिलाती गर्मी के बीच दिव्यांग और बुजुर्ग आबादी जैसे कमजोर मतदाताओं की भलाई के बारे में भी चिंताएं पैदा होती हैं। जैसा कि चुनाव प्रचार पहले ही शुरू हो चुका है, कई राजनीतिक दल इस बात पर भी रणनीति बना रहे हैं कि आईएमडी की भविष्यवाणी के अनुसार गर्मी असहनीय होने की स्थिति में मतदाताओं को वोट डालने के लिए चुनावी बूथ तक कैसे लाया जाए। एक राजनीतिक दल के चुनाव प्रचार अभियान रणनीतिकार ने कहा, दिव्यांगों, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित, लेकिन मतदान केंद्र पर वोट देने के अपने (शेष पेज 9)

तमिलनाडु में छाया कच्चातीवू द्वीप का मुद्दा

कुमार चेलप्पन। चेन्नई

भारत और श्रीलंका के बीच कच्चातीवू द्वीप मुद्दा सोमवार तक विवाद चरम बिंदु पर पहुंच गया। जहां द्रमुक और कांग्रेस ने श्रीलंका से द्वीप को पुनः प्राप्त करने के लिए कुछ नहीं करने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। वहीं विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मीडिया को एक ब्रीफिंग में बताया कि एम करुणानिधि के नेतृत्व वाली तत्कालीन द्रमुक सरकार को स्थानांतरण के सभी चरणों के दौरान भारत सरकार द्वारा स्थानांतरण सौदे के बारे में जानकारी दी गई थी। कच्चातीवू का मुद्दा तमिलनाडु की राजनीति में छाया हुआ है क्योंकि द्रमुक ने अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में उल्लेख किया है कि केंद्र सरकार को श्रीलंका से इस द्वीप को पुनः प्राप्त करना चाहिए। घोषणापत्र में 2014 से देश पर शासन करने के बावजूद इस द्वीप को पुनः प्राप्त करने में विफलता के लिए नरेंद्र मोदी सरकार को भी दोषी ठहराया गया। लेकिन पिछले कुछ दिनों की घटनाओं से पता चलता है कि द्रमुक और उसके अध्यक्ष एम के स्टालिन इस मुद्दे को काफी उछाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ और राजस्थान में अपने अभियान भाषणों के दौरान कच्चातीवू मुद्दे में जो कुछ हुआ उसका स्पष्ट विवरण दिया है। लेकिन 2016 में तमिलनाडु विधानसभा में तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता द्वारा दिया गया भाषण सोमवार तक वायरल होने से द्रमुक और कांग्रेस को झटका लगा।

सदन में द्रमुक द्वारा उठाए गए कच्चातीवू मुद्दे में हस्तक्षेप करते हुए, जयललिता ने विधानसभा में कहा था कि द्रमुक को कच्चातीवू शब्द बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।जयललिता ने कहा था, कच्चातीवू का हस्तांतरण 1975 में हुआ था और यह कांग्रेस पार्टी और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आदेश के अनुसार हुआ था। हालाँकि करुणानिधि को घटनाओं की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने तबादले का विरोध करने के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ इसलिए चुप रहे क्योंकि उन्हें दिल्ली का डर था। वह मैं ही थी जिसने 2008 में कच्चातीवू के स्थानांतरण की वैधानिकता और वैधानिकता को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय (शेष पेज 9)

लगातार बढ़ती चुनावी गर्मी में राहत का साधन बना गमछा

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

जैसे-जैसे विभिन्न भारतीय राज्यों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चढ़ रहा है, एक सर्वोत्कृष्ट सहायक वस्तु ने राजनीतिक प्रचार के क्षेत्र में मुख्य स्थान ले लिया है और वह है साधारण गमछा या सूती दुपट्टा। उत्तर प्रदेश के टांडा और बिहार के भागलपुर जैसे क्षेत्रों से निकले, ये बहुमुखी सूती कपड़े न केवल चेहरे को पोंछने के रूप में काम कर रहे हैं, बल्कि गंगा क्षेत्र के राजनेताओं के लिए बोल्ड फैशन स्टेटमेंट भी बना रहे हैं। टांडा और भागलपुर राजनीतिक दलों के लिए गमछा के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरे हैं, जिनकी कीमतें 25 रुपये से 40 रुपये प्रति पीस तक हैं। असंख्य आकृतियों, आकारों और रंगों में उपलब्ध, ये गमछा विभिन्न राजनीतिक गुटों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

गमछा की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, टांडा और भागलपुर में बुनकरों को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। अकेले टांडा में, 100 से अधिक छोटी इकाइयाँ 5000 से अधिक बुनकरों को काम पर लगाती हैं और केवल दो महीनों में लगभग 50 लाख रुपये के ऑर्डर पूरे करती हैं। इसी तरह, भागलपुर में, 3000 से अधिक बुनकर गमछा बनाने में लगे हुए हैं, प्रत्येक

बुनकर प्रतिदिन औसतन 24 पीस का उत्पादन करता है और प्रति दिन 200-300 रुपये कमाता है। इन बुनकरों को राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से भी ऑर्डर मिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के टांडा, अकबरपुर में गुलशन खादी के मालिक मेहरान हसन अंसारी ने चुनाव के दौरान मांग में तेजी से वृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, कई राजनीतिक दल अपने समर्थकों को गमछा बांटते हैं जो न केवल उन्हें पहचान देता है बल्कि बेहद जरूरी प्रचार भी देता है। विभिन्न राजनीतिक दल अलग-अलग रंगों से जुड़े हैं। केसरिया रंग भाजपा के लिए, पीला रंग सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के लिए, नीला रंग बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लिए, सफेद रंग कांग्रेस के लिए और हरा रंग राजद के लिए है। राजद अपने चुनाव चिन्ह लालटेन को भी हरे गमछे पर सफेद रंग में प्रदर्शित करना पसंद करता है।

लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डॉ. एसके पांडेय के मुताबिक राजनीतिक प्रतीक से आगे गमछा चिलचिलाती गर्मी से बचाने में बेहद कारगर है। गमछा से सिर ढंकने से लू से बचने की 60 फीसदी संभावना है। लिहाजा गर्मियों में बाहर निकलते समय सिर पर टोपी या गमछा रखना चाहिए। कई राज्यों द्वारा लाखों भगवा गमछा के ऑर्डर दिए जाने से, पिछले वर्ष की तुलना में भागलपुरी गमछा की मांग 30 फीसदी बढ़ गई है। इसके अलावा, महिला नेता और कार्यकर्ता चुनावी उत्साह को दर्शाते हुए विभिन्न रंगों के भागलपुरी सूट और दुपट्टे चुन रही हैं। हरे गमछा और टोपी के ऑर्डर भी बाढ़ आ गए हैं, प्रत्येक की कीमत क्रमशः 100-120 रुपये और 80-120 रुपये के बीच है। विशेष रूप से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार के दौरान खुद डिजाइनर गमछा पहनते हैं, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार माला के बजाय खादी गमछा पसंद करते हैं। गमछा की मांग में वृद्धि 2019 के चुनावों की याद दिलाती है जब खादी परिधान की बिक्री 3,215 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंच गई थी, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 29 फीसदी की वृद्धि थी। (शेष पेज 9)

मोदी के नेतृत्व में जनता ने किया नए भारत का दर्शन : योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सीएम ने डॉक्टर, इंजीनियर, पत्रकार, अधिवक्ता, शिक्षक सहित करीब 1500 लोगों को किया संबोधित

लोकसभा चुनाव को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा दोपहर बाद पहुंचे। वह एक प्रबुद्ध सम्मेलन में मौजूद लोगों को उन्होंने संबोधित किया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा भी मौजूद रहे।

इस प्रबुद्ध सम्मेलन में डॉक्टर, इंजीनियर, पत्रकार, अधिवक्ता, प्रोफेसर व शिक्षक सहित करीब 1500 लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान मंच से उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में जिस नए भारत का दर्शन कराया है। आपका वोट भी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कराएगा। यही जनपद है जो 2017 के पहले प्रदेश के सीएम के लिए अभिशापित हुआ करता था। मैं समझ नहीं पाया कि ये उप्र का मार्ग का है फिर क्यों अभिशापित है। फिर मैने सूची देखी पता लगा कि ये क्यों है, तब मुझे पता लगा कि यहां भेजे जाने वाले नौकर शाह अपने आपको मालामाल करते थे। गांधारी की पट्टी यहां बंधी रहती थी। जिन लोगों ने जनपद के उर्वरा क्षेत्र को बदहाल किया, अराजकता और गर्त में ले जाने का काम किया मैं वहां जाकर स्वयं देखू। मैने यहां की समस्या को देखा धन्यवाद दूंगा उन सभी जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों का जिन्होंने समस्याओं को तन्मयता के साथ लखनऊ में आकर बताया और कहा कि इनका भी डेट वाइज समाधान होगा। बल्कि ग्रोथ इंजन के रूप में पहचान बनाएगा। सकारात्मक सहयोग का परिणाम रहा कि उप्र जिस रूप में पहचाना जा रहा है। 2017 से पहले बिमारू राज्य था अब बाहर आ गया है। देश के अंदर रेवेन्यू रूप में अग्रणी है और नंबर दो है। ये तब हो पाया है जब देश के पीएम के मार्ग दर्शन के रूप में उन्होंने सकारात्मक रूप दिया।

उन्होंने कहा कि 2014 के पहले का भारत समस्या ग्रस्त था। अभिशाप से भरा था। दुनिया के अंदर भारत पहचान के लिए मोहताज था, सीमाएं असुरक्षित थी। सरकारें भ्रष्टाचार में डूबी थी। अन्न दाता किसान आत्महत्या कर रहा था। बेटी असुरक्षित थी व्यापारी परेशान था। फिर 2014 में मोदी जी आए। उन्होंने इससे पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में काम किया और आगे बढ़ाया। दुनिया के अंदर सबसे अच्छा डेस्टिनेशन, नए दौर में ले जाने वाला भारत, आम जनता का सम्मान भी नए भारत में है। यानी विकसित उप्र ये तब होगा जब गौतमबुद्ध नगर अपनी पूरी क्षमता से आगे आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर में प्रति केपिटल आए देश में सबसे ज्यादा है। ये सकारात्मक माहौल की वजह से है। यहां निवेश विदेश से आ रहा है।

सीएम ने कहा 2027 तक मोदी को दिजिए। उन्होंने कहा कि पहले जेवर के नाम लोग डरते थे। आज एयरपोर्ट बन रहा है निवेश ला रहा है आने वाले समय में कुछ ही वर्षों में 1 लाख करोड़ निवेश की बढ़ोतरी करने जा रहा है। अकेले एक एयरपोर्ट, हमारे यहां मेडिकल पार्क, टाय सिटी बन रही है।

नोएडा में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रतीक चिह्न देते भाजपा नेता व कार्यकर्ता। इसके साथ ही जिले में भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान ने जोर पकड़ लिया है।

सिक्युरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इन्टरेस्ट एक्ट, 2002 (अधिनियम) की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

अनु. क्र.	कर्जदाता (ओं) का नाम (ए)	गिरवी संपत्ति (यों) का विवरण (बी)	एन.पी.ए.की तारीख (सी)	बकाया राशि (रू.) (डी)
1	कर्ज खाता नं.HHLDCP00422544 1. संजीव मल्हान 2. प्रिया मल्हान	फ्लैट नं. 2203, टॉवर -ए2, बाईसवीं मंजिल, द रोमानो, प्लॉट नं.1, सेक्टर -118, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रू.38,92,034.34 (रूपये अडतीस लाख बानवे हजार चौंतीस और चौंतीस पैसे मात्र) 20.02.2024 के अनुसार
2	कर्ज खाता नं.HHLNOD00218133 1. प्रीत अग्रवाल 2. शालिनी अग्रवाल	युनिट नं. J-2/0405, चौथी मंजिल, टॉवर जे2, सुपरटेक ईको विलेज 4, प्लॉट नं.जीएच-01, सेक्टर -16बी, ग्रेटर नोएडा, नोएडा -201301, उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रू.45,82,302.06 (रूपये पैंतालीस लाख बयासी हजार तीन सौ दो और छ पैसे मात्र) 20.02.2024 के अनुसार
3	कर्ज खाता नं.HHLDCP00248822 1. अंजू सरीन 2. संजीव सरीन	फ्लैट नं. 0506, पाँचवीं मंजिल, टॉवर -डबल्यु2, सुपरटेक गोल्फ विलेज, टीएस-5, सेक्टर -22डी,यमुना एक्सप्रेसवे, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रू.16,43,143.83 (रूपये सोलह लाख तैंतालीस हजार एक सौ तैंतालीस और तिरासी पैसे मात्र) 20.02.2024 के अनुसार
4	कर्ज खाता नं.HHLGRG00248948 1. नवीन सिंह चंदेल 2. शिवानी ठाकुर	युनिट नं. 1007, टॉवर -टी4, दसवीं मंजिल, सुपरटेक अज़ालिया, सेक्टर -68, गुडगाँव-122001, हरियाणा	31.12.2022	रू.36,48,596.39 (रूपये छत्तीस लाख अडतालीस हजार पाँच सौ छियानवे और उनतालीस पैसे मात्र) 20.02.2024 के अनुसार
5	कर्ज खाता नं.HHLDCP00213555 1. दीप्ति सैनी 2. विजय सैनी (गारंटर)	फ्लैट नं. 1602, टॉवर -ई2, सोलहवीं मंजिल, सुपरटेक गोल्फ विलेज, टीएस-5, सेक्टर -22डी, येईडा, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201308, उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रू.42,23,366.93 (रूपये बयालीस लाख तेईस हजार तीन सौ छियासठ और तिरानवे पैसे मात्र) 20.02.2024 के अनुसार
6	कर्ज खाता नं.HHLVAS00202875 1. संदीप उर्फ संदीप सिंह 2. रिचा सिंह	युनिट नं. J-2/1605, सोलहवीं मंजिल टॉवर जे2, सुपरटेक ईको विलेज 4, प्लॉट नं.जीएच-01,सेक्टर -16बी, गौतम बुद्ध नगर -201301, उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रू.45,75,472.73 (रूपये पैंतालीस लाख पचहत्तर हजार चार सौ बहत्तर और तिहत्तर पैसे मात्र) 20.02.2024 के अनुसार
7	कर्ज खाता नं.HHLDCP00285081 1. अमिताभ द्विवेदी 2. शर्मिष्ठा द्विवेदी	फ्लैट नं. J70-B, दुसरी मंजिल, टॉवर जे-70, ऑफिसर्स एनक्लेव सुपरटेक हिल टाउन, सेक्टर -2, सोहना रोड, गुडगाँव-122103, हरियाणा	31.12.2022	रू.51,89,823.04 (रूपये इक्यावन लाख नवासी हजार आठ सौ तेईस और चार पैसे मात्र) 20.02.2024 के अनुसार
8	कर्ज खाता नं.HHLGRG00252172 1. सीमा वालिया 2. विनीत वालिया (गारंटर)	युनिट नं. 0606, छठ्ठी मंजिल, टॉवर टी-5, सुपरटेक अज़ालिया, सेक्टर -68, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, गुडगाँव-122001, हरियाणा	31.12.2022	रू.54,15,015.28 (रूपये चौवन लाख पंद्रह हजार पंद्रह और अठ्ठाईस पैसे मात्र) 20.02.2024 के अनुसार

कि ऊपर लिखे नाम वाला उधार लेने वाला (ले) ने ऋण खाते के वित्तीय अनुशासन को बनाए रख पाने में असफल रहे हैं तथा कंपनी द्वारा अपनी आम बिजनेस चर्या में रखे जाने वाले खातों के अनुसार प्रत्येक उधार पानेवाले (लों) के नाम के आगे स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट धनराशि बकाया बनी हुई है।
उधार लेने वाले (लो) की ओर से ऋण धनराशि का पुनर्भुगतान में लगातार चूक होने के कारण उधार लेने वाले (लो) के ऋण खाते को कंपनी द्वारा सीमांकित मापदंडो के भीतर निष्पादनेतर परिसंपत्तियों (स्तंभ सी में तारीख के अनुसार) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। परिणाम स्वरूप प्रत्येक उधार लेनेवालो को अधिनियम की धारा 13(2)के अंतर्गत सूचनाएं भी जारी की गई है
उपर्युक्त को द्रष्टिगत रखते हुए कंपनी एतदद्वारा ऊपर लिखे नाम वाले उधार लेने वाले(लों) का आहवन करती है कि, वे इस सूचना के प्रकाशित होने के दिन से 60 दिन के भीतर अधतन ब्याज, लागतें, तथा शुल्को सहित ऊपर स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट संपूर्ण बकाया देयताओं का भुगतान करके कंपनी के प्रति बनने वाले अपने/ उनके पूर्ण दायित्वोका निर्वहन करे, ऐसा न करने पर कंपनी ऊपर के स्तंभ बी में उल्लिखित बंधक रखी गई संपति को अधिग्रहीत करने के लिए कंपनी पात्र होगी।
कृपया ध्यान दें कि सरफेसी कानून की धारा 13 की उप -धारा (8) के प्रावधानों के अनुसार,'' कर्जदार सार्वजनिक नीलामी द्वारा, कोटेशन आमंत्रित करते हुए, सार्वजनिक निविदा या निजी समझौते द्वारा सुरक्षित आस्तियों की बिक्री के लिए सूचना के प्रकाशन के दिनांक तक केवल सिक्योर्ड क्रेडिटर द्वारा किए गए सभी खर्चों, लागतों और प्रभारों के साथ संपूर्ण बकाया देय राशि अदा कर सकता है, इसके अलावा यह भी ध्यान दें कि उपरोक्त विधिक रूप से निर्धारित समयावधी के अंदर सुरक्षित आस्ति को मोचन करनें में कर्जदार विफल रहने पर कर्जदार संपति का मोचन करने के लिए पात्र नही हो सकता "
सरफेसी अधिनियमन की उपधारा 13 (2) के प्रावधान के संदर्भ में, आप इस प्रकार बिक्री, पट्टे के माध्यम से अन्यथा नोटिस में उल्लिखित अपनी सुरक्षित संपत्तियों में से कोई भी (अपने व्यापार के सामान्य पाठ्यक्रम के अलावा) सुरक्षित लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना स्थानांतरित करनेसे प्रतिबंधित है।

स्थान: नोएडा/ गुडगाँव/गौतम बुद्ध नगर

प्राधिकृत अधिकारी
एसेट्स केअर एन्ड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइस लिमिटेड
एसीआरई-102 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता अनुसार कार्यरत

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **प्रणव कुमार और पूनम प्रणव** को **20.12.2023** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLLAJ00217379** की राशि **रू. 62,17,039.20 (रूपए बासठ लाख सत्रह हजार उनतालीस और पैसे बीस पैसे मात्र)** और **12.12.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **28.03.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 62,17,039.20 (रूपए बासठ लाख सत्रह हजार उनतालीस और पैसे बीस पैसे मात्र) 12.12.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
दसवीं मंजिल पर फ्लैट नं. 1002, जिसका सुपर क्षेत्र 1260 स्क्वे. फीट, एक कवर्ड कार पार्किंग के साथ, ब्लॉक बी-4, द रोमानो, प्लॉट नं. 001, सेक्टर-118/जीएचपी, सेक्टर 118, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा - 201301, उत्तर प्रदेश।

सही/-
दिनांक : 28.03.2024 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : गौतम बुद्ध नगर **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड**

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **सौरभ कोहली (थ्रु पीओए होल्डर संतोष कोहली) और संतोष कोहली** को **28.12.2023** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLDUB00210989** की राशि रू. **63,41,867.18 (रूपए तिरसठ लाख इकतालीस हजार आठ सौ सडसठ और अठारह पैसे मात्र)** और **20.12.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **28.03.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रू. **63,41,867.18 (रूपए तिरसठ लाख इकतालीस हजार आठ सौ सडसठ और अठारह पैसे मात्र) 20.12.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
पाँचवीं मंजिल पर फ्लैट नं. 504 जिसका सुपर एरिया 1020 स्क्वे. फीट, ब्लॉक-ए-1, प्लॉट नंबर 001 पर स्थित, "द रोमानो" से पहचाने जानेवाले परियोजना में, एक कवर्ड कार पार्किंग स्थान के साथ, सेक्टर-118/जीएचपी, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा - 201301, उत्तर प्रदेश।

सही/-
दिनांक : 28.03.2024 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : नोएडा **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड**

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **विनय खोकर और अनीता मसीह खोकर उर्फ अनीता मसीह** को **21.12.2023** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLVAS00219765** की राशि रू. **87,12,825.64 (रूपए सत्तासी लाख बारह हजार आठ सौ पच्चीस और चौसठ पैसे मात्र)** और **12.12.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **28.03.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 87,12,825.64 (रूपए सत्तासी लाख बारह हजार आठ सौ पच्चीस और चौसठ पैसे मात्र) 12.12.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
सत्रहवीं मंजिल पर फ्लैट नं. 1703 जिसका सुपर क्षेत्र 1705 स्क्वे. फीट, ब्लॉक-एफ 1, "द रोमानो" से पहचाने जानेवाले परियोजना में, एक कवर्ड कार पार्किंग के साथ, प्लॉट नं. 001 पर स्थित, सेक्टर 118/ जीएचपी, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा - 201301, उत्तर प्रदेश।

सही/-
दिनांक : 28.03.2024 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : गौतम बुद्ध नगर **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड**

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **संजीव मोहन खत्री, निधि खत्री और आदेश रानी** को **27.12.2023** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLGHZ00385395** की राशि रू. **27,85,623.67 (रूपए सत्ताईस लाख पचासी हजार छह सौ तेईस और सड़सठ पैसे मात्र)** और **20.12.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **28.03.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू. 27,85,623.67 (रूपए सत्ताईस लाख पचासी हजार छह सौ तेईस और सड़सठ पैसे मात्र) 20.12.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण
पाँचवीं मंजिल पर यूनिट नं. बी4/501, जिसका सुपर क्षेत्र 1260 स्क्वे. फीट, टॉवर-बी 4, "द रोमानो" से पहचाने जानेवाले परियोजना में , एक कवर्ड कार पार्किंग के साथ, 001 पर स्थित, सेक्टर 118/ जीएचपी, नोएडा - 201301, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश।

सही/-
दिनांक : 28.03.2024 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : गौतम बुद्ध नगर **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड**

सिक्योरिटाईजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनेंशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 (अधिनियम) की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

अनु. क्र.	कर्जदाता (ओं) का नाम (ए)	गिरवी संपत्ति(यों) का विवरण (बी)	एन.पी.ए की तारीख (सी)	बकाया राशि (रू.) (डी)
1.	कर्ज खाता क्र. HHLAGR00226539 1. विष्णु कुमार बंसल 2. पूनम बंसल	यूनिट नंबर 1608, ब्लॉक–एच, 16वीं मंजिल, सुपरटेक अप कंट्री प्लॉट नंबर टीएस–1, सेक्टर–17ए यमुना एक्सप्रेसवे, ग्रेटर नोएडा, नोएडा – 201301 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 22,56,821.61/- (रुपए बाईस लाख छप्पन हजार आठ सौ इक्कीस और इकसठ पैसे मात्र) 11.03.2024 के अनुसार
2.	कर्ज खाता क्र. HHLDCP00241270 1. धुरा राम कुमावत 2. सुमन कुमावत	फ्लैट नंबर 1014, ब्लॉक–डब्ल्यू2, 10वीं मंजिल, गोल्फ विलेज, टीएस–05, सेक्टर–22डी यमुना एक्सप्रेसवे गौतम बुद्ध नगर – 201303 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 18,51,043.88/- (रुपए अठ्ठारह लाख इक्यावन हजार तैंतालीस और अठ्ठासी पैसे मात्र) 12.03.2024 के अनुसार
3.	कर्ज खाता क्र. HHLLAJ00204673 1. राकेश शर्मा 2. सुनंदा शर्मा	यूनिट नंबर 1802, ब्लॉक–जे1, 18वीं मंजिल, ईको विलेज–IV, प्लॉट नंबर जीएच–01 सेक्टर–16बी, ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर – 201308 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 46,78,559.66/- (रुपए छियालीस लाख अठहत्तर हजार पांच सौ उनसठ और छियासठ पैसे मात्र) 12.03.2024 के अनुसार
4.	कर्ज खाता क्र. HHLVAS00247850 1. राजीव रंजन 2. ऋतु भूषण	फ्लैट नंबर 1402, ब्लॉक–टी1, 14वीं मंजिल, सुपरटेक अजालिया, सेक्टर–68 गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड गुड़गांव – 122101, हरियाणा	31.12.2022	रु. 35,73,263.74/- (रुपए पैंतीस लाख तिहत्तर हजार दो सौ तिरेसठ और चौहत्तर पैसे मात्र) 12.03.2024 के अनुसार
5.	कर्ज खाता क्र. HHLDCP00303588 1. गुरजीत कौर उर्फ गुरजीत कौर बग्गा 2. रणजीत सिंह बग्गा 3. इंद्रजीत सिंह नारंग (गारंटर)	फ्लैट नंबर 1204, ब्लॉक–बी6, 12वीं मंजिल, सुपरटेक द रोमानो सेक्टर–118/जीएचपी, नोएडा गौतम बुद्ध नगर – 201301 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 24,10,165.22/- (रुपए चौबीस लाख दस हजार एक सौ पैंसठ और बाईस पैसे मात्र) 12.03.2024 के अनुसार
6.	कर्ज खाता क्र. HHLRHN00211340 1. गौरव लूथरा 2. प्रवीण लूथरा (स्वर्गीय विनोद लूथरा की पत्नी एंव् कानूनी उत्तराधिकारी) 3. नेहा लूथरा (स्वर्गीय विनोद लूथरा की बेटी एंव् कानूनी उत्तराधिकारी)	यूनिट नंबर 1202, 12वीं मंजिल, टावर ई–1, सुपरटेक रोमानो सेक्टर 118, नोएडा – 201301, उत्तर प्रदेश	21.08.2018	रु. 96,33,895.38/- (रुपए छियानवे लाख तैंतीस हजार आठ सौ पंचानवे और अड़तीस पैसे मात्र) 10.02.2024 के अनुसार
7.	कर्ज खाता क्र. HHERHN00267138 1. गौरव लूथरा 2. प्रवीण लूथरा (स्वर्गीय विनोद लूथरा की पत्नी एंव् कानूनी उत्तराधिकारी) 3. नेहा लूथरा (स्वर्गीय विनोद लूथरा की बेटी एंव् कानूनी उत्तराधिकारी)	यूनिट नंबर 1202, 12वीं मंजिल, टावर ई–1, सुपरटेक रोमानो सेक्टर 118, नोएडा – 201301, उत्तर प्रदेश	24.03.2018	रु. 6,73,068.70/- (रुपए छह लाख तिहत्तर हजार अड़सठ और सत्तर पैसे मात्र) 13.03.2024 के अनुसार

कि ऊपर लिखे नाम वाला उधार लेने वाला(ले) ने ऋण खाते के वित्तीय अनुशासन को बनाए रख पाने में असफल रहे हैं तथा कंपनी द्वारा अपनी आम बिजनेस चर्या में रखे जाने वाले खातों के अनुसार प्रत्येक उधार पाने वाले (लों) के नाम के आगे स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट धनराशि बकाया बनी हुई है।
उधार लेने वाले(लों) की ओर से ऋण धनराशि का पुनर्भुगतान में लगातार चूक होने के कारण उधार लेने वाले(लों) के ऋण खाते को कंपनी द्वारा सीमांकित मापदंडो के भीतर निष्पादनेतर परिसंपत्तियों (स्तंभ सी में तारीख के अनुसार) के रूप में वगीकृत किया गया है। परिणामस्वरूप प्रत्येक उधार लेने वाले को अधिनियमन की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचनाएं भी जारी की गई है।
उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए कंपनी एतद्द्वारा ऊपर लिखे नाम वाले उधार लेने वाले(लों) का आहवान करती है कि, वे इस सूचना के प्रकाशित होने के दिन से 60 दिन के भीतर अद्यतन ब्याज, लागतें, तथा शुल्कों सहित ऊपर स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट संपूर्ण बकाया देयताओं का भुगतान करके कंपनी के प्रति बनने वाले अपने / उनके पूर्ण दायित्वों का निर्वहन करें, ऐसा न करने पर कंपनी ऊपर के स्तंभ बी में उल्लिखित बंधक रखी गई संपत्ति को अधिग्रहीत करने के लिए कंपनी पात्र होगी।
कृपया ध्यान दें कि सरफेसी कानून की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों के अनुसार, ''कर्जदार सार्वजनिक नीलामी द्वारा, कोटेशन आमंत्रित करते हुए, सार्वजनिक निविदा या निजी समझौते द्वारा सुरक्षित आस्तियों की बिक्री के लिए सूचना के प्रकाशन के दिनांक तक केवल सिक्योर्ड क्रेडिटर द्वारा किए गए सभी खर्चो, लागतों और प्रभारों के साथ संपूर्ण बकाया देय राशि अदा कर सकता है, इसके अलावा यह भी ध्यान दें कि उपरोक्त विधिक रूप से निर्धारित समयावधि के अंदर सुरक्षित आस्ति का मोचन करने में कर्जदार विफल रहने पर कर्जदार संपत्ति का मोचन करने के लिए पात्र नहीं हो सकता''
सरफेसी अधिनियमन की उपधारा 13(2) के प्रावधान के संदर्भ में, आप इस प्रकार बिक्री, पट्टे के माध्यम से अन्यथा नोटिस में उल्लिखित अपनी सुरक्षित संपत्तियों में से कोई भी (अपने व्यापार के सामान्य पाठ्यक्रम के अलावा) सुरक्षित लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित हैं

कृते एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज लिमिटेड
एसीआरई–102 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्य करते हुए
स्थान : नोएडा/गौतम बुद्ध नगर/गुड़गांव प्राधिकृत अधिकारी

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लि., तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

निम्नलिखित उधारकर्ताओं ने बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा के मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है और ऋण को गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत एक नोटिस जारी किया गया था। हालाँकि, इसकी तामील नहीं की गई और इसलिए उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता / सह–उधारकर्ता / गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों / संपत्ति का पता	नोटिस भेजने की तिथि / नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	अनिता सिंह, तरूण तिलवार, हेला बजार, हाजीपुर, इथक, महाप्रभुजी बैठक के पास, बिहार, वैशाली–844101, खाताः LBDEL00005182005	अपार्टमेंट नं. ए–302, तृतीय तल, गोल्डन सैंड्स, ब्लॉक–ए, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़–492001 (4 व्हीलर कार पार्किंग के साथ)	20/02/2024 रु. 45,95,915/-	28/12/2023

नोटिस की प्रतिस्थापित सर्विस हेतु कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ताओं और/या उनके गारंटरों (लागू अनुसार) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : अप्रैल 02, 2024 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थानः दिल्ली / एनसीआर **आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड**

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालयः आई सी आई सी आई बैंक लि., लैंडमार्क बिल्डिंग, चौथी मंजिल, 228ए, एजेसी बोस रोड़ कोलकाता–700020, सीआईएन नं. L65190GJ1994PLC021012, www.icicibank.com

निम्नलिखित उधारकर्ताओं ने बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा के मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है और ऋण को गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत एक नोटिस जारी किया गया था। हालाँकि, इसकी तामील नहीं की गई और इसलिए उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता / सह–उधारकर्ता / गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों / संपत्ति का पता	नोटिस भेजने की तिथि / नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	नलिनीकांत नायक / बिष्णु चरण नायक / ए–2151 भूतल ग्रीन फील्ड कॉलोनी हरियाणा हरियाणा – 121010 / LBBHK00003620882	प्लॉट नं. ए / 408, चतुर्थ तल, टॉवर नाम ''कल्याणी रेजीडेंसी''में कनक पैलेस प्रौजेक्ट प्लॉट नं. 1358, खाता सं. 419 / 872, एम.एस.खाता सं. 131, ओडिशा सरकार खेवट नं. 1, पी.एस. नं. 112, पी.एस. भद्रक, मौजा गबासाही, तहसील भद्रक, डी.एस.आर. कार्यालय भद्रक, जिला भद्रक, ओडिशा (प्लिंथ क्षेत्रफल लगभग 862 वर्ग फीट (सुपर बिल्ट अप एरिया लगभग 1040 वर्ग फुट) पार्किंग स्थान / गैरेज के साथ ''सी–408'' को स्टिल्ट फ्लोर पर नियुक्त किया गया आनुपातिक अविभाजित के साथ, निष्पक्ष रूप से शेयर ट्रांसफर ए0.012 Decs	जनवरी 31, 2024 रु. 17,36,350/-	08-11-2023
2.	सुदेश कुमार धीर / स्वर्णलता धीर / मकान नं. 13 गली नं. 2 भजन पार्क मारुति कुंज रोड भोंडसी गुड़गांव हरियाणा गुड़गांव – 122102 / LBKJR00005556559	प्लॉट नं. 354, खाता नं. 123 / 232, मौजा बम्पर, किसम सारदा–।।।, पी.एस. सदर, पी.एस. नं. 251, सदर तहसील और जिला उप रजिस्ट्रार, क्योंझर, जिला क्योंझर, उड़ीसा (क्षेत्रफल एरिया ए 0.100 Dec)	फरवरी 26, 2024 रु. 18,81,720/-	02-12-2023

नोटिस की प्रतिस्थापित सर्विस हेतु कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ताओं और/या उनके गारंटरों (लागू अनुसार) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : अप्रैल 02, 2024 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थानः दिल्ली / एनसीआर **आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड**

सिक्योरिटाईजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनेंशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 (अधिनियम) की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

अनु. क्र.	कर्जदाता (ओं) का नाम (ए)	गिरवी संपत्ति(यों) का विवरण (बी)	एन.पी.ए की तारीख (सी)	बकाया राशि (रू.) (डी)
1.	कर्ज खाता क्र. HHLNOI00270559 1. परवेज़ अहमद 2. तबस्सुम अहमद	फ्लैट नंबर 1805, 18वीं मंजिल, टावर–बी7, द रोमानो, प्लॉट नंबर–001, सेक्टर–118/जीएचपी, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा – 201301, उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 46,41,314.20/- (रुपए छियालीस लाख इकतालीस हजार तीन सौ चौदह और बीस पैसे मात्र) 13.03.2024 के अनुसार
2.	कर्ज खाता क्र. HHLDMT00336670 1. अंजलि सोनी 2. अनिल सोनी	फ्लैट नंबर 1205, ब्लॉक/टावर –ए2, 12वीं मंजिल, गोल्फ विलेज, टीएस–5, सेक्टर–22डी यमुना एक्सप्रेसवे गौतम बुद्ध नगर – 201308 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 11,36,251.41/- (रुपए ग्यारह लाख छत्तीस हजार दो सौ इक्यावन और इकतालीस पैसे मात्र) 07.03.2024 के अनुसार
3.	कर्ज खाता क्र. HHLDIP00213364 1. ब्रह्मपाल सिंह 2. जगवती 3. अमित कुमार (गारंटर)	फ्लैट नंबर 1604, ब्लॉक–डब्ल्यू1, 16वीं मंजिल, सुपरटेक गोल्फ विलेज गोल्फ कंट्री, टीएस–5, सेक्टर–22डी ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेसवे गौतम बुद्ध नगर, नोएडा – 201305 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 12,57,052.22/- (रुपए बारह लाख सत्तावन हजार बावन और बाईस पैसे मात्र) 07.03.2024 के अनुसार
4.	कर्ज खाता क्र. HHLVAS00206330 1. नीरज कुमार राठौड़ उर्फ़ नीरज राठौड़ 2. हेमा	यूनिट नंबर 1601, ब्लॉक–ए1, 16वीं मंजिल, द रोमानो, 001, सेक्टर 118/जीएचपी गौतम बुद्ध नगर – 201301 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 20,02,188.52/- (रुपए बीस लाख दो हजार एक सौ अठ्ठासी और बावन पैसे मात्र) 07.03.2024 के अनुसार
5.	कर्ज खाता क्र. HHLDCP00252003 1. सुनिंदर 2. रेखा	फ्लैट नंबर 0616, ब्लॉक–डब्ल्यू2, 6वीं मंजिल, सुपरटेक गोल्फ विलेज टीएस–5, सेक्टर–22डी यमुना एक्सप्रेसवे, नोएडा गौतम बुद्ध नगर – 201301 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 15,82,827.53/- (रुपए पंद्रह लाख बयासी हजार आठ सौ सत्ताईस और तिरेपन पैसे मात्र) 07.03.2024 के अनुसार
6.	कर्ज खाता क्र. HHLNOD00223951 1. शिव कुमार राणा 2. उर्मिला 3. संतोष कुमार (गारंटर)	यूनिट नंबर 1101, 11वीं मंजिल ब्लॉक डब्ल्यू2 गोल्फ विलेज, टीएस–05, सेक्टर–22डी, येइडा, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर – 201308 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 11,59,850.73/- (रुपए ग्यारह लाख उनसठ हजार आठ सौ पचास और तिहत्तर पैसे मात्र) 07.03.2024 के अनुसार
7.	कर्ज खाता क्र. HHLNOD00206449 1. सोमदत्त शर्मा 2. विभा शर्मा	यूनिट नंबर 0208, ब्लॉक–एच, दूसरी मंजिल सुपरटेक अप कंट्री, प्लॉट नंबर टीएस–1 सेक्टर–17ए, यमुना एक्सप्रेसवे ग्रेटर नोएडा, नोएडा – 201301 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 22,20,109.45/- (रुपए बाईस लाख बीस हजार एक सौ नौ और पैंतालीस पैसे मात्र) 11.03.2024 के अनुसार
8.	कर्ज खाता क्र. HHLDCP00203130 1. दिनेश कृपलानी 2. सुनेहा कृपलानी	यूनिट नंबर आई–1/2107, ब्लॉक–आई–1, 21वीं मंजिल, ईको विलेज–4, प्लॉट नंबर जीएच–01 सेक्टर–16बी, ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर – 201303 उत्तर प्रदेश	31.12.2022	रु. 36,17,668.11/- (रुपए छत्तीस लाख सत्रह हजार छह सौ अड़सठ और ग्यारह पैसे मात्र) 11.03.2024 के अनुसार

कि ऊपर लिखे नाम वाला उधार लेने वाला(ले) ने ऋण खाते के वित्तीय अनुशासन को बनाए रख पाने में असफल रहे हैं तथा कंपनी द्वारा अपनी आम बिजनेस चर्या में रखे जाने वाले खातों के अनुसार प्रत्येक उधार पाने वाले (लों) के नाम के आगे स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट धनराशि बकाया बनी हुई है।
उधार लेने वाले(लों) की ओर से ऋण धनराशि का पुनर्भुगतान में लगातार चूक होने के कारण उधार लेने वाले(लों) के ऋण खाते को कंपनी द्वारा सीमांकित मापदंडो के भीतर निष्पादनेतर परिसंपत्तियों (स्तंभ सी में तारीख के अनुसार) के रूप में वगीकृत किया गया है। परिणामस्वरूप प्रत्येक उधार लेने वाले को अधिनियमन की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचनाएं भी जारी की गई है।
उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए कंपनी एतद्द्वारा ऊपर लिखे नाम वाले उधार लेने वाले(लों) का आहवान करती है कि, वे इस सूचना के प्रकाशित होने के दिन से 60 दिन के भीतर अद्यतन ब्याज, लागतें, तथा शुल्कों सहित ऊपर स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट संपूर्ण बकाया देयताओं का भुगतान करके कंपनी के प्रति बनने वाले अपने / उनके पूर्ण दायित्वों का निर्वहन करें, ऐसा न करने पर कंपनी ऊपर के स्तंभ बी में उल्लिखित बंधक रखी गई संपत्ति को अधिग्रहीत करने के लिए कंपनी पात्र होगी।
कृपया ध्यान दें कि सरफेसी कानून की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों के अनुसार, ''कर्जदार सार्वजनिक नीलामी द्वारा, कोटेशन आमंत्रित करते हुए, सार्वजनिक निविदा या निजी समझौते द्वारा सुरक्षित आस्तियों की बिक्री के लिए सूचना के प्रकाशन के दिनांक तक केवल सिक्योर्ड क्रेडिटर द्वारा किए गए सभी खर्चो, लागतों और प्रभारों के साथ संपूर्ण बकाया देय राशि अदा कर सकता है, इसके अलावा यह भी ध्यान दें कि उपरोक्त विधिक रूप से निर्धारित समयावधि के अंदर सुरक्षित आस्ति का मोचन करने में कर्जदार विफल रहने पर कर्जदार संपत्ति का मोचन करने के लिए पात्र नहीं हो सकता''
सरफेसी अधिनियमन की उपधारा 13(2) के प्रावधान के संदर्भ में, आप इस प्रकार बिक्री, पट्टे के माध्यम से अन्यथा नोटिस में उल्लिखित अपनी सुरक्षित संपत्तियों में से कोई भी (अपने व्यापार के सामान्य पाठ्यक्रम के अलावा) सुरक्षित लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित हैं

कृते एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज लिमिटेड
एसीआरई–102 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्य करते हुए
स्थान : नोएडा/गौतम बुद्ध नगर प्राधिकृत अधिकारी

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024

तिहाड़ के अलग सेल में रहेंगे केजरीवाल

जेल नंबर 2 में सुरक्षा के चलते केजरीवाल के बगल के दो बैरक कराए गए खाली

● 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेंगे, स्पेशल क्यूआरटी टीम भी रहेगी तैनात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश होने के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल, इसके बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा में तिहाड़ ले जाया गया।

मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह के बाद अब आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी तिहाड़ जेल पहुंच गए हैं। सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट के 14 दिन के न्यायिक हिरासत के आदेश के बाद उनको भारी सुरक्षा के बीच तिहाड़ के जेल नंबर 2 में शाम 4:10 बजे लाया गया। उनको यहां 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है। तिहाड़ में 2 नंबर जेल को ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। जेल के आलाधिकारी यहां सख्त नजर रखते हैं। यही वज कि हाई प्रोफाइल लोगों को इसी जेल में लाकर कैद किया जाता है। सुरक्षा की दृष्टि से उनके सेल के पास स्थित दो बैरक खाली रखे गए हैं। इस दौरान अरविंद केजरीवाल से कोई भी कैदी नहीं मिल सकता है।

मुख्यमंत्री के जेल में पहुंचने की सूचना के बाद साथ ही तिहाड़ प्रशासन के अधिकारियों ने हाई लेवल बैठक की। इस बैठक में सीएम की सुरक्षा और सभी उचित इंतजाम की समीक्षा की गई। इसके बाद उन्हें जेल नंबर दो में रखने का फैसला किया गया। जेल अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा में 24 घंटे स्पेशल क्यूआरटी टीम की तैनाती की गई है। साथ ही एक विशेष यूनिट को सीसीटीवी कैमरों से नज़र रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

जेल में टीवी देखने की अनुमति, कुर्सी-टेबल भी मिलेगा : तिहाड़ जेल अधिकारी ने बताया कि सीएम केजरीवाल को जेल नंबर-2 एक कुर्सी, टेबल के साथ टीवी भी दिया जाएगा। इस दौरान वह समाचार चैनल के साथ दूरदर्शन के कार्यक्रम भी देख सकेंगे। लेकिन सेल में खाना खाने के वक्त वह टीवी नहीं चला सकेंगे। जेल अधिकारी ने बताया कि उन्हें आम कैदियों की तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि केजरीवाल को शुगर की बीमारी भी है। समय-समय पर डॉक्टरों की टीम उनका चेकअप करते रहेंगे।

सुबह 6 बजे खुलेगा केजरीवाल का सेल

अधिकारी ने बताया कि जेल में बंद अन्य कैदियों की तरह उनका सेल भी सुबह छह बजे खोल दिया जाएगा। बैरक खुलने के बाद 7 बजे चाय-बिस्किट या दलिया दिया जाएगा। 10:30 से 11 बजे के बीच उन्हें खाना उपलब्ध कराया जाएगा। दोपहर बाद 3:30 बजे दोबारा उन्हें चाय - बिस्किट दिया जाएगा। शाम 6 बजे बैरक बंद कर दिया जाएगा। शाम 7 बजे उन्हें खाना दिया जाएगा।

हफ्ते में तीन दिन वकील व अन्य लोग से मिल सकेंगे

जेल अधिकारी ने बताया कि सीएम से हफ्ते में तीन दिन 3 बजे उनके वकील या अन्य लोग मिल सकेंगे। जेल अधिकारी ने बताया कि सीएम के लिए विशेष सुविधाएं कोर्ट का आदेश मिलने के बाद व्यवस्थाएं की जाएंगी। कोर्ट के आदेशानुसार सीएम को लोगों से मिलने दिया जाएगा।

आप प्रमुख के निर्दोष होने के दावों पर लगा विराम : वीरेंद्र सचदेवा

● बोले, अंश मात्र राजनीतिक मर्यादा हो तो अविलंब इस्तीफा दें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है गत पूरे सप्ताह चले जांच ऐजेनसी को मिले रिमांड एवं न्यायिक सुनवाई के बाद न्यायलय ने शराब घोटाले के अभियुक्त मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेज दिया है और यह सत्य की विजय है। न्यायायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद केजरीवाल के निर्दोष होने के दावों पर विराम लग गया है। आशा करते हैं की अब उनकी पत्नी और अन्य नेता केजरीवाल को सताये जाने की झूठी बयानबाजी बंद कर देंगे।

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की जांच ऐजेनसी को अरविंद केजरीवाल के ब्यान के बाद शराब घोटाले में विजय नैययर से पैसा वसूली में दो नये किरदारों मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज का नाम सामने आया है। गोवा चुनाव के समय यह दोनों आम आदमी पार्टी की ओर से गोवा का प्रचार देख रहे थे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की आशा करते हैं की अब जब इन्हे जांच नोटिस आये तो इन दोनों मंत्रियों के निर्दोष होने की ब्यानबाजी ना करें आप नेता। सचदेवा ने कहा है की आम आदमी पार्टी नेता अब भ्रष्टाचार के साथ ही मर्यादाहीनता की भी सभी सीमाएं लांघ चुके चुके हैं। केजरीवाल में अंश मात्र में राजनीतिक मर्यादा शेष और जनता के कार्यों के प्रति चिंता हो तो अविलंब इस्तीफा दें। सचदेवा ने कहा है की मुख्यमंत्री केजरीवाल ने आतिशी, सौरभ भारद्वाज का नाम अपने ब्यान में लेकर इन दोनों के राजनीतिक भविष्य पर दाग लगा कर अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के अगला मुख्य मंत्री बनने का रास्ता साफ कर दिया है। इस बीच पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने न्यायालय द्वारा केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजने के फैसले का स्वागत किया करते तंज कसा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की गलियों से एक ही आवाज आ रही है कि ईमानदारी की होती जो आदत तुम्हारी, तो तिहाड़ तक न जाती यात्रा तुम्हारी। तिवारी ने कहा कि कोई अपना मोबाइल नंबर कैसे भूल सकता है या मोबाइल खरीदने के बाद कोई पासवर्ड भूल जाए ऐसा कैसे संभव है लेकिन केजरीवाल जांच में सहयोग न करके यही हवाला दे रहे हैं। केजरीवाल की याददाश्त सत्येंद्र जैन की तरह कमजोर हो गई है वजह साफ है कि जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

जेल के बाहर कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सोमवार को तिहाड़ जेल लाए जाने से पहले जेल के बाहर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ता पार्टी के झंडे लेकर और मैं भी केजरीवाल लिखी टी-शर्ट पहने हुए जेल के प्रवेश द्वार के बाहर एकत्रित हुए।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तिहाड़ जेल के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, किसी को भी कानून एवं व्यवस्था का उल्लंघन करने नहीं दिया जाएगा। यातायात पुलिस ने एक्स पर कहा कि प्रदर्शन के कारण दिल्ली कैंट से तिलक नगर की ओर जाने जेल रोड पर यातायात प्रभावित हुआ है। साथ ही लोगों को इस रास्ते से बचने की सलाह दी थी।

लोस चुनाव के दौरान जेल में रखना मकसद : सुनीता

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने सोमवार को भाजपा निशाना साधा है। उन्होंनं आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी का एकमात्र उद्देश्य लोकसभा चुनाव के दौरान उनके पति को जेल में रखना है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और बाद में प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया था। उन पर कुछ व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने के लिए अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति बनाने से संबंधित साजिश में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप है। राउज एवेन्यू अदालत से बाहर निकलते समय सुनीता केजरीवाल ने मीडिया से बातीचत में कहा, उनसे (अरविंद केजरीवाल से) 11 दिनों तक पूछताछ की गई, पूछताछ पूरी हो गई है। अदालत ने उन्हें दोषी नहीं ठहराया है। देश की जनता इस तानाशाही का जवाब देगी।

आतिशी, सौरभ के नाम उछाले गए: जैस्मीन शाह

आबकारी नीति मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा है कि कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में दिल्ली के मंत्रियों आतिशी और सौरभ भारद्वाज के नामों का हवाला दिया जा रहा है क्योंकि भाजपा को लगता है कि केवल मुख्यमंत्री केजरीवाल को जेल भेजना आप को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

जैस्मीन शाह ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल मुख्यमंत्री बने रहेंगे चाहे उन्हें कितने भी समय तक जेल में रखा जाए क्योंकि उन्होंने दिल्ली के लोगों की सेवा करने की संवैधानिक शपथ ली है। अभी तक सुनवाई नहीं हुई है, दोषसिद्धि की बात तो रहने दीजिए। मुख्यमंत्री के रूप में संवैधानिक शपथ के तहत दिल्ली की जनता की सेवा करना उनका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है। केजरीवाल को चाहे जितने समय तक जेल में रखा जाए, वह दिल्ली के मुख्यमंत्री रहेंगे।

जैस्मीन शाह ने दावा किया, हमारे दो वरिष्ठ नेता जो दिल्ली सरकार में मंत्री हैं आतिशी और सौरभ भारद्वाज का नाम सामने आया है क्योंकि भाजपा को एहसास हो गया है कि अकेले केजरीवाल को जेल भेजने से आप नहीं रुकेगी और अन्य नेताओं के लिए तैयारी करने की जरूरत है। डेढ़ साल पहले जब विजय नायर को गिरफ्तार किया गया था, तब उन्होंने कहा था कि वह मुख्यमंत्री को रिपोर्ट नहीं करते थे और वह आतिशी और भारद्वाज को रिपोर्ट करते थे।

भाजपा ने 25 करोड़, मंत्री बनाने का किया वादा : आप विधायक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के एक और विधायक ने भाजपा पर ऑपरेशन लोटस के जरिए आप को तोड़ने के लिए मंत्री पद के साथ करोड़ो रुपये देने का दावा किया है। सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी के विधायक ऋतुराज गोविंद ने सदन में सनसनीखेज खुलासा करते हुए दावा किया कि रविवार की रात एक शादी समारोह में उनसे तीन-चार लोग मिले। उन्होंने आप के 10 और विधायकों को तोड़कर अपने साथ लाने पर पूर्वांचल कोटे से मंत्री बनाने का लालच दिया और सभी विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए देने का प्रलोभन दिया।

ऋतुराज ने दावा किया सोमवार सुबह 9:14 बजे उन्हें इंटरनेट कॉल कर धमकी दी गई कि रात में हुई बातचीत किसी को बताया तो अच्छा नहीं होगा। इस खुलासे पर विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि भाजपा कह रही है कि केजरीवाल को बिना सबूत के गिरफ्तार कर लिया। अब दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाएंगे और आम आदमी पार्टी को तोड़ेंगे। आप ने इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है।

विधानसभा के सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी के विधायक ऋतुरा गोविंद ने कहा कि 21 मार्च को देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद

आप विधायक ऋतुराज गोविंद।

● विधानसभा में आप विधायक ऋतुराज गोविंद ने सदन में किया सनसनीखेज दावा

केजरीवाल को एक फर्जी केस में फंसाकर गिरफ्तार कर लिया गया। साथ रेड्डी और मगुंटा रेड्डी समेत चार लोगों की फर्जी गवाही के आधार पर गिरफ्तारी हुई। अगर गवाही पर ही गिरफ्तारी होनी है तो भारत के प्रधानमंत्री मोदी जिस वक्त गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय सामने आई सहारा और बिड़ला की डायरी में भी साफ-साफ लिखा था कि जिस समय प्रधानमंत्री मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उनको कितना पैसा दिया गया। अभी तक उनको जेल में होना चाहिए था। ऋतुरात ने कहा कि सदन में पहले भी कई बार इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है कि किस तरह से ऑपरेशन लोटस के नाम पर एक राजनीतिक साजिश करके आप सरकार और आम आदमी पार्टी को कुचलने की कोशिश की जा रही है। ऑपरेशन लोटस पूरे देश में एक ही पार्टी चलाती है, उसका नाम भाजपा है। सदन में अपनी बात रखने के दौरान विधायक भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने हमारे नेता को झूठे मुकदमे में अंदर कर दिया और अब हम लोगों को डरा रहे हैं। लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। दिल्ली की 2 करोड़ जनता ने अपने नेता को चुना है। हम सब काम करना चाहते हैं। एक घटिया राजनीति के तहत इन्होंने सरथ रेड्डी से 60 करोड़ रुपए लेकर फर्जी केस में केजरीवाल को जेल भिजवा दिया। वहीं, विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि विधानसभा के पटल पर जिस तरह से विस्फोटक खुलासे हुए, उससे एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि अगर देश के लोकतंत्र और संविधान को खतरा है, तो वो सिर्फ बीजेपी से है।

आरोप पर भड़के भाजपा नेता बोले, मानहानि को रहे तैयार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा के विशेष सत्र में विधायक ऋतुराज गोविंद ने भाजपा पर 25 करोड़ रुपए के साथ पूर्वांचल कोटे से मंत्री बनाने का ऑफर देने के आरोप पर भाजपा नेताओं ने पलटवार किया है।

दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि पहले भी आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर ऑपरेशन लोटस चलाने की बात कही थी। इसे लेकर प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पुलिस आयुक्त से इस मामले में शिकायत कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की थी। हालांकि, जांच के बाद आप विधायक भाग खड़े हुए थे, लेकिन अब वे फिर आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में ऋतुराज गोविंद या तो इसके लिए माफी मांगें, या फिर मानहानि के दावे के लिए तैयार रहें। कपूर ने कहा कि ऋतुराज किराड़ी के विधायक हैं, लेकिन आज तक उन्होंने किराड़ी में कुछ नहीं किया। वहां की जनता नारकीय जीवन जीने को मजबूर है। इलाके की सड़कें खराब हैं, पानी की व्यवस्था नहीं है और साफ-सफाई भी नहीं होती है, लेकिन इसके बावजूद वो जो बयान दे रहे हैं, वो सरासर गलत है. आप विधायक कई बार ऐसे आरोप लगा चुके हैं, लेकिन वे कभी कुछ साबित नहीं कर पाए हैं।

वहीं बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा है कि कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा है, इससे साफ है कि उनके खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। केजरीवाल ने अपने मोबाइल का पासवर्ड ईडी को नहीं दिया। मतलब उसमें ऐसा कुछ है, जिसे छुपाने की कोशिश की जा रही है। अदालत में वह खुद को ईमानदार बता रहे हैं। ऐसा है तो वह पासवर्ड क्यों नहीं देते. उनको लगता है कि ऐसा करने से वह बच जाएंगे, लेकिन इस मामले में उन्हें सजा होनी तय है।

कोर्ट पर दबाव बनाने का आप कर रही प्रयास : विजेंद्र गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा सत्र में, विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने सीएम केजरीवाल और आप के आचरण पर चिंता जताई, जो आबकारी नीति की जांच से संबंधित है। गुप्ता ने जिक्र किया कि प्रवर्तन निदेशालय ने देखा है कि केजरीवाल जांच प्रक्रिया में बचाव कर रहे हैं और सहयोग नहीं कर रहे हैं।

गुप्ता ने दृढ़ता से कहा कि मामला वर्तमान में न्यायिक जांच के अधीन है, जिससे केजरीवाल की तथाकथित निराधार गिरफ्तारी और दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की अटकलों पर कोई भी चर्चा अनावश्यक और भ्रामक है। उन्होंने जोर दिया कि न्यायपालिका की इस मामले में सक्रिय भागीदारी का मतलब है कि कानूनी प्रक्रिया को बिना हस्तक्षेप या राजनीतिक दबाव के स्वतंत्र रूप से संपन्न करना है।

विरोध-प्रदर्शन करते भाजपा विधायक।

महरौली पुरातत्व पार्क और संजय वन का होगा कायाकल्प

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● एलजी सक्सेना ने दोनों ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण कर वहां चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का लिया जायजा

राजधानी के दो ऐतिहासिक स्थलों महरौली पुरातत्व पार्क और संजय वन का कायाकल्प होगा। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को दक्षिण दिल्ली में संजय वन और महरौली पुरातत्व पार्क का दौरा किया और वहां दिल्ली विकास प्राधिकरण जलाए जा रहे जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण और उनकी समीक्षा की। इन कार्यों को पूरा करने के लिए मानसून की शुरुआत से पूर्व की समय सीमा निर्धारित की जा चुकी है।

उपराज्यपाल का यहां का यह 7वां दौरा था। उन्होंने पहली बार यहां का 4 फरवरी 2023 को दौरा किया था। आज से पूर्व उन्होंने यहां का 4 मार्च को दौरा किया था और डीडीए के अधिकारियों को संजय वन में स्थित अनंग ताल और लालकोट बावली, किला राय पिथौरा में जल निकायों को भरने के लिए तुरंत काम शुरू करने का निर्देश दिया था। इसके अलावा उन्होंने महरौली पार्क में स्थित ऐतिहासिक बलबन के मकबरे, जमाली कमाली मस्जिद और राजों की बावली के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की देखरेख में संरक्षण और जीर्णोद्धार के निर्देश दिए।

इन स्मारकों को राजधानी के लिए नई सार्वजनिक संपत्ति के रूप में विकसित किया जाएगा और इससे दिल्ली को एक विरासत के शहर के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। दोनों ही जगहों का अधिकतर काम पूरा हो चुका है। पिछले साल अक्टूबर में जब उपराज्यपाल ने पुनर्निर्मित महरौली पुरातत्व पार्क का उद्घाटन किया था, तभी से यहां पर बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं।

सक्सेना ने इन दोनों स्थलों का 4 फरवरी 2023 को पहली बार दौरा किया था, और तभी से वह लगातार इन स्थलों पर बहाली के काम की निगरानी कर रहे हैं। हाल ही में इन स्थलों को एएसआई द्वारा डीडीए को सौंप दिया गया है, जो स्मारकों की सुरक्षा और इसके जीर्णोद्धार में सहायता कर रहा है।

महरौली पुरातत्व पार्क जो कि कुतुबमिनार से करीब है, लगभग 200 एकड़ में फैला है और यह करीब 100 से अधिक ऐतिहासिक स्मारकों और खंडहरों के लिए जाना जाता है।

संजय वन के पास कई ऐतिहासिक स्मारक और भी हैं, जिनमें किला राय पिथौरा भी शामिल है, जो कभी तोमर वंश के पृथ्वीराज चौहान की राजधानी थी। वहां के अन्य स्मारकों में राजों की बावली और अनंगताल बावली शामिल हैं।

डीजेबी पर उच्चतम न्यायालय ने वित्त सचिव से मांगा जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● मंजूरी के बाद भी अधिकारी ने जारी नहीं की आवंटित राशि

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की आम आदमी पार्टी सरकार की याचिका पर सोमवार को दिल्ली के प्रधान सचिव (वित्त) को नोटिस जारी किया। आप सरकार ने आरोप लगाया कि अधिकारी विधानसभा की मंजूरी के बावजूद दिल्ली जल बोर्ड के लिए आवंटित राशि जारी नहीं कर रहे हैं।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष दिल्ल सरकार का पक्ष रख रहे अधिवक्ता ने कहा, नौकरशाह हमारी नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीजेबी को अब भी 1,927 करोड़ रुपए दिया जाना है। दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और अधिवक्ता शादान फरासत ने कहा कि सेवा कानून में हालिया संशोधन ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जहां शहर के नौकरशाह मंत्रियों की बात नहीं सुनते और आदेशों का पालन नहीं कर रहे।

तेंदुए के पकड़े जाने तक वजीराबाद के लोगों ने कई घंटे दहशत के साये में गुजारे

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के वजीराबाद इलाके में सोमवार को रिहायशी इलाके में तेंदुएं के घुसने और कई लोगों को जख्मी कर करने के बाद से यहां दहशत का माहौल है। सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी महेंद्र सिंह का परिवार सोमवार सुबह उठा तो उसने अपने घर में एक अप्रत्याशित मेहमान एक तेंदुए को पाया। उसने उनके दो बेटों को घायल कर दिया। हालांकि उसके हमले से सिंह, उनकी दो बहुएं और चार पोते-पोतियां बाल-बाल बच गए।

सिंह ने कहा कि जब उनकी गली में हंगामा शुरू हुआ तो वह सतर्क हो गए। सुबह करीब 6 बजे लोग चिल्लाने लगे कि हमारे गांव में एक तेंदुआ देखा गया है। मैं बाहर आया और देखा कि लोग अपनी छतों पर खड़े हैं। तेंदुआ हमारी गली में घुसने से पहले तीन-चार घरों में गया।

उन्होंने कहा, सुबह लगभग 8 बजे, मैंने तेंदुए को देखा और अपने पड़ोसी के घर गया। मैंने ध्यान नहीं दिया कि मेरे घर का मुख्य द्वार खुला था और वह अंदर चला आया। जब मेरा बड़ा बेटा विपिन शौचालय से बाहर आया, तो उस पर पीछे से तेंदुए ने हमला कर दिया। बाद में उसने मेरे छोटे बेटे नितिन पर भी हमला कर दिया। इसके बाद, हम बाहर गए और तेंदुए को भगाने की कोशिश की लेकिन वह एक कमरे में घुस गया,

वजीराबाद में तेंदुए को लेकर खौफजदा लोग और भीड़ को नियंत्रित करती पुलिस।

● आपबीती सुनाने वालों के चेहरे पर दिख रही थी खौफ की छाया

जिसमें हम लोगों ने बाहर से ताला लगा दिया। सिंह ने कहा कि उनके चार पोते-पोतियां घर के अंदर सो रहे थे, जब तेंदुआ अंदर आया, लेकिन उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा क्योंकि उनका कमरा बाहर से बंद था।

उन्होंने कहा, मेरी बहुएं सुबह पास के मंदिर के लिए निकली थीं और उन्होंने उस कमरे को बाहर से बंद कर दिया था, जिसमें मेरे चार पोते-पोतियां सो रहे थे। सौभाग्य से बच्चे सुरक्षित हैं। अगर उन्होंने दरवाजा बंद नहीं किया होता, तो मेरे पोते-पोतियां भी हमले का शिकार हो सकते थे। विपिन और नितिन का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जहां विपिन दिल्ली पुलिस में काम करते हैं, वहीं नितिन दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारी हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, तेंदुआ सुबह-सुबह जगतपुर में एक घर की छत से कूद गया और अगली इमारत में घुस गया। जगतपुर में डेयरी चलाने वाले नरेश ने कहा कि तेंदुए ने सबसे पहले उनके बेटे पर हमला किया, जिसका एलएनजेपी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नरेश ने कहा, मेरे तीन कुत्ते सुबह 6 बजे के आसपास भौंकने लगे। जब मैं बाहर आया, तो मैंने तेंदुए को अपने सामने खड़ा देखा। मैं ऊपर की ओर भागा और तेंदुआ मेरी डेयरी में घुस गया। उन्होंने कहा, हमने पुलिस को सूचित किया और जब हमने वन विभाग को फोन किया, तो वे हमसे जानवर का वीडियो भेजने के लिए कहते रहे। मेरा बेटा छत पर था और तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। उसकी पीठ और पेट पर चोटें आईं। उमर खान, एक किसान जो फूड डिलीवरी बॉय के रूप में भी काम करते हैं, ने कहा कि उसने तेंदुए को आकाश पर हमला करते देखा।

खान ने कहा, मैं सुबह करीब 6 बजे उठा और तेंदुए के बारे में सुना। मैं छत पर था जब उसने आकाश पर हमला किया। हमने तेंदुए पर लाठियों से हमला करने की कोशिश की लेकिन उसने एक घर में घुसने से पहले कई अन्य लोगों पर हमला किया। अनिल कुमार अपने गांव में तेंदुआ देखकर हैरान रह गए. 2017 में गांव के पास जंगल में एक तेंदुआ पाया गया था।

कुत्तों की 23 नस्लों के प्रजनन पर रोक लगाने पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से उस याचिका पर अपने रुख से अवगत कराने को कहा जिसमें आरोप लगाया गया कि 23 नस्लों के कुत्तों की बिक्री और प्रजनन पर रोक मनमानी और संविधान का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कुत्ता प्रजनक और डॉक्टर की याचिका पर केंद्र से जवाब देने को कहा।

याचिका में दावा किया गया कि यह निष्कर्ष निकालने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया गया कि कुत्तों की उक्त नस्लें आक्रमक हैं और उन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसमें दावा किया गया कि प्रतिबंध लगाने का निर्देश संविधान के तहत नागरिकों को कोई भी पेशा, व्यापार या व्यवसाय को करने के अधिकार का उल्लंघन करता है।

18 साल के हो गए हैं तो नामांकन प्रक्रिया से पहले तक बनवा सकते हैं वोट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अगर आप एक जनवरी 2024 को 18 साल का उम्र पार गए गए हैं तो आप देश के लोकतंत्र की मजबूती में अपना योगदान दे सकते हैं। इसके लिए आपको अपना वोट बनवाना पड़ेगा। लोकसभा चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया से पहले तक अपना वोट बनवा सकते हैं।

जो युवक एवं युवती एक जनवरी, 2024 को 18 साल की आयु पार कर चुके हैं, उनको नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले अपना वोट बनवा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतदान करना भी प्रत्येक मतदाता के लिए गौरव की बात है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने कहा है कि लोकसभा-2024 के आम चुनाव को भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव का पर्व-देश का गर्व नाम से स्लोगन दिया है। चुनाव में हर एक मतदाता को अपनी भागेदारी करनी चाहिए। इस चुनाव के लिए हरियाणा प्रदेश में 29 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नया वोटर आईडी कार्ड बनवाने के लिए इस तिथि से पहले युवाओं को आवेदन करना होगा। जो युवा एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु के हो चुके हैं, वे अपने नजदीक के पोलिंग स्टेशन से संबंधित बीएलओ से फार्म संख्या 6 लेकर ऑफलाईन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा सीईओ.ईसीआईहरियाणा.जीओवी.इन वेबसाईट से आनलाईन आवेदन किया जा सकता है। इसके लिए एक और हेल्पलाईन एनवीपीएस पोर्टल है। इसके बारे में वोटर हेल्पलाईन टोल फ्री नंबर-1950 से भी जानकारी ली जा सकती है।

आनलाइन व ऑफलाइन कर सकते हैं आवेदन

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इस बार गुरुग्राम जिला में पिछले लोकसभा चुनाव से अधिक मतदान होना चाहिए। इसके लिए जिलावासियों को अपना सहयोग देना होगा। सभी मतदाता चुनाव के लिए मतदान की तारीख 25 मई को याद रखें। इस दिन सुबह सात बजे पोलिंग शुरू हो जाएगी। इसलिए मतदाता यह प्रयास करें कि 25 मई की सुबह सबसे पहले अपना वोटर आईडी कार्ड लेकर बूथ पर वोट डालने के लिए जाएं। वोट डालने के लिए मतदाता सूची में नाम होना जरूरी है। इसलिए जिन युवकों या युवतियों का अभी तक मतदाता सूची में नाम नहीं जुड़ा हैं, वे अपना वोट बनवा सकते हैं। इस कार्य में अभिभावकों को भी आगे आकर अपने बालिग बच्चों का वोट बनवाना चाहिए।

नगर निगम में खुद जमा कराए प्रॉपर्टी टैक्स के 250 करोड़ रुपये

2022-23 में जमा हुए थे 186 करोड़ रुपये

एनडीसी पोर्टल पर प्रॉपर्टी डाटा को स्वयं सत्यापित करवा जमा करवाया प्रॉपर्टी टैक्स

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम में गुरुग्रामवासियों ने स्वयं जागरुक होकर 250 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में जमा कराए हैं। यह राशि वित्त वर्ष 2023-24 की जमा हुई है। यह राशि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक है। गुरुग्राम के प्रॉपर्टी मालिकों ने एनडीसी पोर्टल पर अपने प्रॉपर्टी डाटा को सेल्फ सर्टिफाई करके अपने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान किया।

वित्त वर्ष 2022-23 में प्रॉपर्टी टैक्स से 186 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रॉपर्टी मालिकों की सहायता के लिए उनकी

रिहायशी कॉलोनियों, सेक्टरों तथा सोसायटियों में जाकर प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार, स्वयं-सत्यापन तथा प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने की सुविधा देने के उद्देश्य से विशेष कैंप भी लगातार आयोजित किए गए।

प्रॉपर्टी मालिकों ने इन कैंपों के माध्यम से दी गई सुविधा का लाभ उठाया। इसके साथ ही निगमायुक्त द्वारा समय-समय पर टैक्स ब्रांच के अधिकारियों को जारी किए गए दिशा-निर्देश भी प्रॉपर्टी टैक्स राशि में बढ़ोतरी के लिए मददगार साबित हुए। निगमायुक्त द्वारा टैक्स ब्रांच से जुड़े अधिकारियों को समय-समय पर स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इनमें प्राप्त होने वाली आपत्तियों का त्वरित समाधान करने सहित नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम कार्यालयों में हेल्प डेस्क स्थापित करने तथा विभिन्न स्थानों पर लगातार विशेष कैंप आयोजित करने के निर्देश शामिल हैं।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि हरियाणा नगर निगम अधिनियम-1994 के तहत नगर निगम सीमा में स्थित सभी प्रकार के रिहायशी, वाणिज्यिक, औद्योगिक, संस्थागत भवनों तथा खाली प्लाटों का प्रतिवर्ष प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाना अनिवार्य है। प्रॉपर्टी टैक्स का निर्धारण प्रतिवर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक का किया जाता है। जिसका भुगतान प्रतिवर्ष 31 मार्च तक करना होता है। समय पर प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान नहीं करने की सूरत में 18 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज लगाया जाता है। डिफॉल्टर प्रॉपर्टीज को सील व नीलाम करने की प्रक्रिया भी अपनाई जा सकती है।

एनडीसी पोर्टल पर प्रॉपर्टी डाटा का स्वयं-सत्यापन अनिवार्य

निगमायुक्त ने कहा कि जिन प्रॉपर्टी मालिकों ने अभी तक अपने प्रॉपर्टी डाटा को स्वयं-सत्यापित नहीं किया है, वे एनडीसी पोर्टल पर स्वयं-सत्यापन जरूर कर दें। अगले 1-2 दिन में एनडीसी पोर्टल फिर से चालू हो जाएगा। सभी कॉलम में दी गई जानकारी का अवलोकन करके हां पर क्लिक करके स्वयं-सत्यापन के लिए सबमिट करें। अगर आपके डाटा में किसी प्रकार की त्रुटि है, तो उसके सुधार के लिए आपत्ति दर्ज करवाएं। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी डाटा को स्वयं सत्यापित करना अनिवार्य है।

52 यूनियनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में हुआ भारतीय मजदूर संघ का अधिवेशन

भारतीय मजदूर संघ गुरुग्राम के चुनाव में वरिष्ठ पदाधिकारियों का स्वागत करते सदस्य।

गुरुग्राम। भारतीय मजदूर संघ गुरुग्राम का जिला अधिवेशन सिविल अस्पताल सेक्टर-10 के प्रांगण में आयोजित किया गया। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेशाध्यक्ष अशोक कुमार ने शिरकत की। अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं गुरुग्राम विभाग प्रमुख विरेंद्र कुमार ने की।

सर्व प्रथम भारतीय मजदूर संघ के ध्वजारोहण कर और भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्जवलित कर विधिवत रूप से शुरुआत की। अधिवेशन में वर्तमान जिला मंत्री जयदेव गोठडा ने पिछले पूरे वर्ष के कार्यकाल में किये गए कार्यक्रमों, आंदोलनों व अन्य कार्यक्रमों की चर्चा जिला मंत्री की प्रतिवेदन रिपोर्ट में दी। जिला कोषाध्यक्ष नवीन कुमार ने पूरे साल के आय-व्यय का ब्योरा उपस्थित पदाधिकारियों के समक्ष रखा। अधिवेशन में 52 यूनियनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पूर्व जिला अध्यक्ष समय सिंह ने पिछली कार्यकारिणी को भंग करने के साथ ही चुनावी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए चुनाव अधिकारी के रूप में संघ के प्रदेशाध्यक्ष अशोक कुमार के नाम का प्रतिवेदन किया। चुनाव अधिकारी ने उपस्थित यूनियनों से जिला भारतीय मजदूर संघ की टीमों के लिए नामों की चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

साइबर ठगों को 20 हजार में बैंक खाता उपलब्ध कराता था आरबीएल बैंक का कर्मचारी

गुरुग्राम। साइबर पुलिस ने आरबीएल बैंक के एक ऐसे कर्मचारी को गिरफ्तार किया है, जिसके तार साइबर ठगों से जुड़े हुए हैं। वह ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराता था। बदले में प्रति खाता 15-20 हजार रुपये ठगों से लेता था। सोमवार को गिरफ्तार किए गए बैंक कर्मचारी ने अपना अपराध कबूला है। जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 2024 को एक व्यक्ति ने थाना साईबर अपराध पूर्व गुरुग्राम में एक लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में कहा गया था कि कुछ व्यक्तियों द्वारा अच्छे रिटर्न का प्रलोभन देकर एक एप के माध्यम से स्टॉक मार्केट में इंवेस्ट करवाकर लगभग 12.5 लाख रुपये ठग लिए। उसकी शिकायत पर थाना साईबर अपराध पूर्व, गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया। थाना साइबर अपराध पूर्व के निरीक्षक संवित कुमार की टीम ने इस मामले में एक आरोपी को दिल्ली से काबू किया है। उसकी पहचान पहचान अमित कुमार निवासी संगम विहार दिल्ली के रूप में हुई। आरोपी को अदालत में पेश करके 4 दिन के रिमांड पर लिया गया। आरोपी से पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरबीएल बैंक हौज खास ब्रांच (दिल्ली) में अकाउंट खोलने का काम करता है। वह फर्जी फार्म बनाकर उनके आधार पर बैंक खाता खुलवाता और फिर उन बैंक खातों को साईबर ठगों को बेच देता था। यह एक बैंक खाता उपलब्ध कराने के बदले साइबर ठगों से 15 से 20 हजार रुपये लेता था। यह अब तक ये 32 फर्जी बैंक खाते व 10 सिमकार्ड्स साईबर ठगों को उपलब्ध करवा चुका था। उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खातों का प्रयोग करके साईबर ठग ठगी की वारदात को अंजाम देने में प्रयोग करते थे।

चेक बाउंस के केस में डॉक्टर को 6 माह की सजा, जुर्माना

गुरुग्राम। चेक बाउंस के मामले में जेएमआईसी सीमा की अदालत ने सुनवाई करते हुए दोषी डॉ. राजबीर को दोषी ठहराया है। पीड़ित प्रीति की अधिवक्ता डॉ. अंजू रावत नेगी के मुताबिक न्यायालय ने दोषी को 6 माह कि सजा व 20 लाख का भुगतान करने की सजा सुनाई, जोकि न्यायालय ने चेक की रकम का दुगुना जुर्माना दोषी डॉ. राजबीर पर लगाया है। गौरतलब है कि डॉ. राजबीर गुरुग्राम के जाने-माने रेडियोलॉजिस्ट हैं। उन्होंने प्रीति यादव से फरवरी 2016 मे अपने बच्चों की मेडिकल की पढ़ाई के लिए दस लाख रुपये उधार लिए थे। बाद में डॉ. राजबीर ने दस लाख रुपये का चेक प्रीति को दे दिया, जो कि बाउंस हो गया। उस चेक पर प्रीति ने न्यायालय में चेक बाउंस का केस डाल दिया था। जिसमें अदालत ने डॉ. राजबीर को सोमवार को 6 माह की सजा व 20 लाख का भुगतान करने की सजा सुनाई है। इससे पहले भी चेक बाउंस के केस मे 21 मार्च 2024 को डॉ. राजबीर को न्यायालय विवेक सिंह द्वारा छह माह कारावास व 15 लाख रुपये हर्जाने की सजा एक अन्य केस में हुई है।

शीतला अष्टमी पर मां शीतला मंदिर में श्रद्धालुओं की जुटी भीड़

फिरोजपुर झिरका। सोमवार के दिन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शीतला अष्टमी के उपलक्ष्य पर शहर के श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ गुरुग्राम अलवर हाईवे रोड़ पर स्थित मां शीतला मंदिर पर देखने को मिली। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां शीतला देवी को बासा भोजन का भोग लगाकर बसौड़ा मनाया। जिबकी इससे पूर्व गृहणियों ने रसोई को साफ़ सुथरा किया इसके उपरांत अपने घरों में माता रानी की कुाई की जिसमें माता प्रशाद पूरी, पुआ, पकौड़ी, हलवा, गुड़ के चावल एवं दही से निर्मित बड़े तैयार किए। इसके विशेष मूहर्त के तहत श्रद्धालुओं ने अपने घरों में तेल का दीपक जलाकर माता की पूजा अर्चना की ताकि उनकी कृपा दृष्टि भक्तों पर बनी रहे। वहीं शहर की गृहणियों ने बताया की माता शीतला की पूजा अर्चना करने ने खसरा, चेचक, त्वचा संबंधी रोगों का प्रकोप नही रहता है और अपने दैनिक जीवन में सुखी रहता है।शीतला अष्टमी के दिन सुबह के समय स्वच्छ ठंडे पानी से स्नान किया और मां शीतला का स्रोत एवं कथा का पाठ किया। लोगों ने रात को तैयार किया गया भोजन को ग्रहण किया और गौ, ब्राह्मणों को भी भोजन कराकर धर्म लाभ उठाया।

पटेल वाटिका नूंह में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन चार को

नूंह। भाजपा जिला कार्यालय नूंह में जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह पटेल ने आगामी कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मीटिंग की। जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल ने कहा कि राव इंदरजीत सिंह पटेल वाटिका नूह में भाजपा कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेंगे। कार्यकर्ता इस कार्यकर्ता सम्मेलन की मीटिंग को लेकर तैयार तैयारियों में जुटे हुए हैं। भाजपा नेता जाहिद हुसैन ने कहा कि आगामी 4 अप्रैल को नूह पटेल वाटिका में भाजपा लोकसभा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह कार्यकर्ताओं की मीटिग लेगे। इस मीटिंग को लेकर सभी कार्यकर्ताओं में जोश है। राव इंदरजीत सिंह को लोकसभा प्रत्याशी घोषित होने के बाद कार्यकर्ताओं में बहुत जोश है। राव इंद्रजीत सिंह एक जनप्रिय और लोकप्रिय नेता है। और सभी को एक समान मानने वाले नेता हैं। इस मौके पर जिला महामंत्री शिवकुमार बंटी, जिला महामंत्री श्री पाल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार गर्ग, महिला अध्यक्ष गोल्डी शर्मा, महावीर सैनी, लियाकत अली, जैद, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी नदीम सलंबा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तैयार हो जाइए भाभी-देवर के नोक झोंक भरे रिश्ते का मजा लेने के लिए सिमरन चौधरी और एडेन के 'नी भाभी' में

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

फोल्किन रानी ईपी से पंजाबी संगीत उद्योग को मंत्रमुग्ध करने के बाद, पंजाबी पॉप सेंसेशन, सिमरन चौधरी अपना नया एकल, ''नी भाभी'' लेकर आई हैं। यह ट्रैक पुरानी पंजाबी लोककथाओं और शादियों के गीतों/किस्सों का स्मरण कराता है। अपनी संक्रामक बीट और चुलबुले बोलों के साथ, यह ट्रैक इस साल का सबसे अच्छा डांस-फ्लोर नंबर बन जाएगा। लाइव इंस्ट्रूमेंटल बैकड्रॉप में स्थित 'नी भाभी' में एक देवर की

उत्साह से भरी कहानी का चित्रण किया गया है, जो अपनी भाभी से अपनी प्रेमिका को प्रभावित कैसे करें, यह पूछ रहा है। चुलबुली लय और लहरदार धुन के साथ इस गीत में देवर और भाभी के बीच के रिश्ते और दोस्ती का सार पेश किया गया है। इसकी कहानी में गहराई और तल्लीनता का बेमिसाल मिश्रण कंपोजर और लिरिसिस्ट राजा ने किया है और दमदार आवाज एडेन की है, जिन्होंने ट्रैक को प्रोड्यूस भी किया है। इन तीनों ने इस गीत के जरिए सदियों पुरानी पंजाबी परंपराओं को आधुनिक रूप में जीवंत किया है।

इस ट्रैक का संगीत वीडियो बहुत ही वाइब्रेंट है, जो दर्शकों को रंगों और मस्ती की दुनियां से रूबरू कराता है। तेजी संधू द्वारा निर्देशित इस वीडियो में गीत का सार पारंपरिक और आधुनिक नृत्य शैली के मिश्रण द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इसमें डांस फ्लोर पर भाभी और देवर के बीच की दोस्ती के तालमेल का मनमोहक चित्रण किया गया है।

'नी भाभी' की रिलीज के बारे में गायिका सिमरन चौधरी ने कहा, 'नी भाभी' मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव रहा। इस ट्रैक में देवर और भाभी के बीच नोकझोंक और दोस्ती का अनूठा बंधन पेश किया गया है। सिंगर और कंपोजर के रूप में 'नी भाभी' में मुझे अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए नई साउंड और स्टाइल के साथ प्रयोग करने का अवसर मिला। इसमें पारंपरिक पंजाबी तत्वों और आधुनिक बीट्स का बेमिसाल मिश्रण है। मैं इस खुशनुमा ट्रैक को श्रोताओं द्वारा सुने जाने के लिए उत्सुक हूँ।'' प्रोड्यूसर, सिंगर और कंपोजर एडेन ने कहा, ''मैंने जब पहला कट सुना, तभी से समझ गया कि 'नी भाभी' कुछ खास है। इस ट्रैक को बनाने के लिए सिमरन के साथ काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव था और हमने जो बनाया है। उस पर मुझे गर्व है। यह एक ऐसा गाना है जो लोगों को साथ लाता है। मैं उस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ, जब इस ट्रैक की ऊर्जा और भावना का अनुभव हमारे फैंस तक पहुँचेगा।''

इस सीजन के लिए प्लेटिनम ज्वेलरी के ट्रेंड्स

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वसंत ऋतु के सुहाने मौसम की शुरूआत के साथ चमकते आभूषणों के ट्रेंड को नया आयाम देने का समय आ गया है। वर्ष 2024 इन नए स्टाइल ट्रेंड्स के साथ कुछ अलग कर इसे सबकी नजरों का नूर बना रहा है। इस वर्ष आभूषण सिर्फ रूप को निखारने या केवल पहनने के लिए नहीं है, बल्कि आपके मूड को जाहिर करने, आपके खास लम्हों को यादगार बनाने और एक ऐसी छाप छोड़ने के बारे में है, जो यकीनन लोगों की नजर आपके ऊपर से हटने नहीं देगी।

इन ट्रेंड्स के बारे में पीजीआई इंडिया की बिजनेस डायरेक्टर, पल्लवी शर्मा ने कहा ''महिलाओं के आभूषण वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में बहुत अलग तरह से विकसित हुए हैं, जिससे एक नया सेगमेंट तैयार हुआ है, जो आधुनिक महिलाओं की जरूरतों को पूरा करता है, जिसमें वह ऐसे बेहतरीन डिजाइन की तलाश करती हैं जो उनकी जीवनशैली के साथ मेल खाती हों और उनके व्यक्तित्व में और भी ज्यादा निखार ला सके। 2024 में, प्रामाणिकता के साथ यह सभी के दिलों दिमाग में छाया हुआ है, जिसमें

महिलाएं आभूषणों को अलग-अलग अंदाज में अपना रही हैं, जो मजेदार पैटर्न, कीमती धातुओं का शानदार मिश्रण, बोल्ड रंगों और पॉप संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले रूप द्वारा कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक कैनवास की तरह काम करता है। आर्ट डेको ट्रेंड पहले से ही रनवे पर गुलजार है। स्टैकिंग आज भी सभी की पहली पसंद है, जो महिलाओं के रिस्टवियर, अंगूठियों और नेकवियर के साथ अपनी एक अलग स्टाइल की कहानी बनाने के लिए अलग-अलग तरह की आकृतियों, रंगों को मिक्स एंड मैच करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह साल खुद को खुल कर जाहिर करने का है और चूंकि मूड कभी भी एक जैसा नहीं रहता, इसलिए स्टाइल स्टेटमेंट भी एक जैसा नहीं रहना चाहिए। स्कल्पचरल मिनिमलिज्म से बोल्ड स्टैकिंग तक, 2024 के लिए स्टाइल मंत्र है, अपने मूल जुड़े रहकर एक्सपेरिमेंट करना और अपने हर मूड को खुल कर बयां करना।''

जैसे ही आप अपने आभूषणों की अलमारी में कुछ नया जोड़ने के लिए विकल्पों को ब्राउज करते हैं, प्लेटिनम ज्वेलरी इस वर्ष आपके स्टाइल गेम में बड़ी भूमिका निभाने के लिए आदर्श विकल्प के रूप में उभरती है। चाहे वह बोल्ड स्टेटमेंट पीस हो या बार-बार पहनने के लिए हर फंक्शन के हिसाब से आकर्षक डिजाइन, पीजीआई द्वारा प्लेटिनम ईवारा के बेहतरीन रूप से तैयार किए गए हर पीस को हर एक मूड और अवसर के लिए बनाया गया हैं। अगर आप अपने नए लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहते हैं, या नए ट्रेंड्स को आज़माना चाहते हैं या बस अपने रोजमर्रा के आभूषणों के कलेक्शन में कुछ नया जोड़ना चाहते हैं, तब 95 प्रतिशत शुद्ध प्लेटिनम से तैयार प्लेटिनम इवारा द्वारा बड़ी ही बारिकी से बनाए गए आभूषणों की खूबसूरत सफेद चमक आपके स्टाइल को एक लेवल और ऊपर उठाने का वादा करती है।

बजाज आलियांज लाइफ ने पॉलिसी पर लोन की सुविधा को और बेहतर बनाया

परेशानी मुक्त तरीके से 24 घंटों में पॉलिसी पर मिलता है तत्काल ऋण

प्रतिस्पर्धी दर पर पॉलिसी पर लोन बहुत आसान और सरल तरीके से

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ/आगरा

पॉलिसी धारकों को उनके वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ, अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने पॉलिसी के आधार पर प्री-अप्रूव लोन की पेशकश करने के लिए अपनी प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया है। उधार लेने की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए, पूरी तरह से डिजिटल और कागज रहित इस सुविधा में क्रेडिट स्कोर की जांच की जरूरत भी नहीं होती, जिससे न्यूनतम क्लिक के साथ आसानी से और कागज रहित प्रक्रिया के साथ लोन हासिल किया जा सकता है। बजाज आलियांज लाइफ अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए लोन की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए उन्हें प्रतिस्पर्धी ब्याज दर पर जीवन बीमा पॉलिसियों पर ऋण प्रदान करता है।

कंपनी के ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण ने इस डिजिटल प्रक्रिया में सुधार को प्रेरित किया है, जिससे एक सहज ग्राहक अनुभव सुनिश्चित होता है, जिसके तहत अब 24 घंटों के भीतर ऋण प्रदान करना संभव हो जाता है। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑपरेशंस एंड कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिसर राजेश कृष्णन ने कहा, ''बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस में, हम अपनी हर पहल में ग्राहकों को सबसे आगे रखने के वादे पर कायम रहते हैं। इस फिलॉस्फी के आधार पर ही हम अपनी संशोधित पॉलिसी ऋण प्रक्रिया शुरू करने के लिए उत्साहित हैं, जिससे हमारे ग्राहकों के लिए फंड जुटाना अब पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। हमारी पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस प्रणाली क्रेडिट स्कोर जांच की परेशानी के बिना, 24 घंटों के भीतर तेजी से ऋण मंजूरी सुनिश्चित करती है। इस तरह का सुव्यवस्थित दृष्टिकोण न केवल प्रक्रिया को गति देता है। बल्कि पारदर्शिता को भी बढ़ावा देता है, साथ ही ग्राहकों को हर मोड़ पर बेहतर और सोच समझकर निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाता है। हम हम अपने ग्राहकों को उनके जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने की यात्रा में सशक्त बनाने के लिए समर्पित हैं।''

नई सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं 24 घंटों के भीतर तेजी से ऋण वितरण की गारंटी देती हैं, जिससे टर्नअराउंड समय काफी कम हो जाता है। अपडेट पेपरलेस प्रक्रिया के लिए न्यूनतम क्लिक की आवश्यकता होती है, जिससे हमारे ग्राहकों के लिए परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित होता है। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सर्वोपरि बनी हुई है, और संशोधित पॉलिसी ऋण प्रक्रिया के साथ, ग्राहकों को शुरू से ही अपनी ऋण राशि की पूरी जानकारी होती है, जिससे उन्हें बेहतर निर्णय लेने का अधिकार मिलता है।

प्रशासनिक आदेश के बावजूद सब्जी आढ़ती नहीं गए स्टेडियम

सोहना अनाज मंडी में स्थित सब्जी की खुली बोली लगाने का स्थान।

सोहना। प्रशासनिक आदेशों के बाबजूद सब्जी मंडी देवीलाल खेल स्टेडियम में स्थानान्तरित नहीं हो सकी है। जिसके लिए प्रशासन ने सोमवार से अस्थाई रूप से खेल स्टेडियम में लगाने के आदेश दिए थे। सब्जी मंडी रोजमर्रा की भांति अनाज मंडी में लगाई गई। वहीं ऐसा होने से प्रशासन के आदेशों पर पानी फिर गया है।

सोमवार को अनाज मंडी में किसानों की समस्या को देखते हुए प्रशासन ने सब्जी मंडी को अस्थाई रूप से खेल स्टेडियम में लगाये जाने का निर्णय लिया था। जिसके तहत सभी सब्जी आढ़तियों को मंडी खेल स्टेडियम में लगाने के मौखिक रूप से शनिवार को आदेश दे दिए थे। परंतु सब्जी आढ़तियों ने रोजाना की भांति अपना कारोबार अनाज मंडी में ही किया था। जिन्होंने प्रशासन द्वारा दिये आदेशों को स्वीकार नहीं किया था। ऐसा होने से किसानों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। किसान अपनी फसल को ट्रैक्टरों में भरकर सुबह ही अनाज मंडी में ले आते हैं। किंतु जगह न मिलने के कारण उनको काफी परेशानी हो रही किसानों को बिक्री के लिए लाई गई फसल को ढेरी लगाने में काफी परेशानी हो रही है।

> **व्यवस्था** न बनाये जाने के कारण सोमवार से सब्जी मंडी शिफ्ट नहीं हो सकी हैं। जिसको जल्द ही शिफ्ट कराया जाएगा। इसके अलावा सब्जी आढ़तियों को मौखिक आदेश के बाद सोमवार को लिखित में आदेश जारी कर दिए हैं।
>
> **(सुनीता देवी - सचिव मार्केट कमेटी)**

इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स में बी प्राक की धुन पर झूमा गुरुग्राम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम निवासियों के लिए इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स शानदार जश्न का मौका लेकर आई। इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स के दौरान 30 मार्च को बी प्राक ने शानदार परफॉर्मेंस दी।

कार्यक्रम का आयोजन हुडा जिमखाना क्लब में किया गया। यहां दिल्ली एनसीआर के संगीत के दीवानों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। बी प्राक को अपनी शानदार आवाज और चार्ट-टॉपिंग हिट्स के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम के दौरान बी प्राक ने दर्शकों को अपने प्रदर्शन से बांध लिया। पूरा माहौल उत्साह से भर गया और प्रशंसक भी उनके साथ गाने लगे। इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स को बेहतरीन लाइव म्यूजिक एक्सपीरियंस के लिए जाना जाता है। एक बार फिर इसने एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में नया मानक बना दिया है। बी प्राक के साथ गठजोड़ इसके प्रयासों की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। परनॉड रिकार्ड इंडिया के

जनरल मैनेजर इशविंदर सिंह ने कहा, गुरुग्राम जैसी वाइब्रेंट सिटी में इस शानदार आयोजन के लिए बी प्राक से गठजोड़ को लेकर हम रोमांचित हैं। उनका शानदार प्रदर्शन हमारे दर्शकों के उत्साह के अनुरूप था। जिसने पूरे माहौल को जोश से भर दिया। इंपीरियल ब्लू में हम अद्वितीय म्यूजिक एवं एंटरटेनमेंट के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमारे उपभोक्ताओं की भावनाओं के अनुरूप है। एक ब्रांड के तौर पर हमें इस तरह के आयोजन का गर्व है, जो जीवन को मुस्कान के साथ गले लगाने की इंपीरियल ब्लू की फिलॉसफी के ही अनुरूप है। इस कार्यक्रम को लेकर बी प्राक ने कहा, इस यादगार पल के लिए इंपीरियल सुपरहिट नाइट्स के साथ गठजोड़ का अनुभव शानदार रहा है। दर्शकों का उत्साह देखने लायक था और मैं खुद को उनके उत्साह का हिस्सा बनने से नहीं रोक पाया। ऐसे आयोजन म्यूजिक के लिए मेरे उत्साह को ताकत देते हैं। संगीत मेरे लिए लोगों से जुड़ने का तरीका है। अपने प्रशंसकों के लिए परफॉर्म करना हमेशा से मेरे लिए खुशी की बात रही है और मैं इस समर्थन के लिए उनका आभारी हूं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ा अनुभव मेरे लिए खास है, क्योंकि मैं भी जीवन को मुस्कुराते हुए गले लगाने की ब्रांड की फिलॉसफी को दिल से मानता हूं। इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स टॉप-टियर म्यूजिकल एक्सपीरियंस की पर्यायवाची बन गई है, जिसमें इस उद्योग के कुछ बड़े नाम शिरकत करते हैं। हर आयोजन के साथ इंपीरियल ब्लू अपने स्तर को ऊंचा उठा रहा है और भारत में लाइव एंटरटेनमेंट के नए मानक स्थापित कर रहा है।

डॉली शर्मा और महेंद्र नागर ने भरा पर्चा

कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में गठबंधन दलों के नेता जुट

पीएनएस। गाजियाबाद/नोएडा

गाजियाबाद में नामांकन भरने जाते समय समर्थकों संग कांग्रेस नेता डॉली शर्मा।

नोएडा में सपा प्रत्याशी महेंद्र नागर नामांकन पत्र अधिकारी को देते हुए।

लोकसभा चुनाव के लिए सोमवार को इंडिया गठबंधन के दो प्रत्याशियों ने क्रमशः गाजियाबाद और नोएडा से अपना नामांकन दाखिल कर चुनावी अभियान को तेज कर दिया है। जहां गाजियाबाद से कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा ने पार्टी नेताओं और समर्थकों के साथ पर्चा भरने पहुंचीं। वहीं एक बार समाजवादी पार्टी से टिकट कटने के बाद फिर से टिकट पाने वाले महेंद्र नागर ने पार्टी समर्थकों के साथ अपना पर्चा भरा।

गठबंधन प्रत्याशी डॉली शर्मा ने आज लोकसभा चुनाव के लिए अपना पर्चा दाखिल किया। नामांकन में कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं डॉली शर्मा के पिता नरेन्द्र भारद्वाज एवं पूर्व मेयर प्रत्याशी विजय चौधरी उनके प्रस्तावक बने। नामांकन से पूर्व गठबंधन में शामिल दल कांग्रेस, सपा और आम आदमी पार्टी के दिग्गज नेता नवयुग मार्केट स्थित अंबेडकर पार्क में जमा हुए। नामांकन कराने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और प्रभारी प्रदीप नरवाल और मीडिया इंचार्ज विशेष रूप से गाजियाबाद पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी, महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी, सपा के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन, महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव एडवोकेट, प्रदेश महामंत्री विजेंद्र यादव, सपा नेता अभिषेक गर्ग, पूर्व एमएलसी जितेन्द्र यादव, वरिष्ठ सपा नेता रामदुलार यादव, वीर सिंह चौधरी, अरविंद शर्मा, सतीश शर्मा, डॉ संजीव शर्मा, बीना सेंगर, पुष्पा रावत, सतीश त्यागी, राजाराम भारती, राहुल चौधरी, इमरान रिजवान, गुलाब यादव, आशु अब्बासी, ऋतु खन्ना नजर आए। वहीं जिला मुख्यालय पर निर्धारित संख्या अधिक नेता प्रवेश करना चाहते थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस पर सपा और कांग्रेस के नेताओं तथा पुलिस अधिकारियों के बीच नोंकझोंक भी हुई। इनके अलावा आरएसपी की मोनिका शर्मा ने भी नामांकन किया।

नोएडा से समाजवादी पार्टी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया : नोएडा गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर चुनावी संग्राम की विधिवत शुरुआत हो गई है। नोएडा की सीट से घोषित सपा तथा कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी डा महेंद्र नागर सोमवार को अपना पर्चा नामांकन कर विधिवत चुनावी मैदान में कूद गए हैं। नोएडा की सीट से बहुजन समाज पार्टी बसपा के प्रत्याशी राजेन्द्र सोलंकी दो अप्रैल को तथा भाजपा प्रत्याशी डा महेश शर्मा तीन अप्रैल को अपना.अपना पर्चा नामांकन भरेंगे। सपा प्रत्याशी महेंद्र नागर के पर्चा भरने के दौरान नोएडा तथा ग्रेटर नोएड़ा क्षेत्र में सक्रिय सपा तथा कांग्रेस के अनेक नेता मौजूद रहे। आपको बता दें कि नोएडा सीट पर पर्चा दाखिल करने की तारीख 28 मार्च से चार अप्रैल तक है। 1 अप्रैल तक नोएडा सीट पर किसी भी प्रत्याशी ने पर्चा नहीं भरा था। एक अप्रैल को सपा प्रत्याशी डा महेंद्र नागर ने अपना पर्चा दाखिल कर दिया है। नोएडा सीट से पर्चे ग्रेटर नोएडा स्थित सूरजपुर के पास कलेक्ट्रेट में भरे जा रहे हैं।

नोएडा सीट पर पर्चा भरने का यह सिलसिला चार अप्रैल तक चलेगा। सपा प्रत्याशी डॉ महेंद्र नागर के नामांकन के समय लंबे अरसे से नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में सक्रिय सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, सपा के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी, पूर्व विधायक बंसी सिंह पहाड़िया, सपा नेता तथा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राम शरण नागर एडवोकेट मौजूद रहे। पर्चा भरने के दौरान सपा नेता बीर सिंह यादव, कांग्रेस के नेता राम कुमार तंवर तथा दिनेश शर्मा और आम आदमी पार्टी के जिला सचिव राकेश अवाना भी कलेक्ट्रेट पर मौजूद थे। नोएडा गौतमबुद्धनगर सीट पर नामांकन को लेकर ग्रेटर नोएडा में स्थित कलेक्ट्रेट को पूरी तरह से छावनी में बदल दिया गया है। नोएडा गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा जिला निर्वाचन अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। कलेक्ट्रेट के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

हवाई अड्डा आने के बाद जेवर के चार स्कूल पीएम श्री को चयनित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रस्तावित जेवर एयरपोर्ट की फोटो।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के आने के बाद से जेवर के परिषदीय स्कूलों की किस्मत बदल रही है। जनपद में पीएम श्री स्कूल में सबसे अधिक जेवर ब्लाक के स्कूलों का चयन हुआ है। दूसरे चरण में जेवर के कंपोजिट स्कूल और कंपोजिट जेवर खादर का चयन हुआ है।

पहले चरण में भी जेवर ब्लाक से कंपोजिट स्कूल कानीगढ़ी और प्राथमिक स्कूल जेवर एक को चुना गया था। अब तक के सबसे अधिक जेवर ब्लाक के स्कूलों की सूरत बदलने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार ने चुना है। एयरपोर्ट मिलने के बाद तेजी से जेवर ब्लाक के स्कूलों का कायाकल्प हो रहा है। गौतमबुद्ध नगर को प्रदेश का शो विंडो कहा जाता है। यहां के परिषदीय स्कूलों को हाईटेक सुविधाओं से लैस बनाने के लिए तैयार किया जा रहा है। ताकि यीडा शहर बसने पर बच्चों को पढ़ाई के लिए अच्छी सुविधाएं और शिक्षा मिल सके। दूसरे चरण में दनकौर ब्लाक के कंपोजिट स्कूल दनकौर का भी चयन हुआ है। चयनित हर स्कूलों में दो करोड़ रुपये से स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, कौशल प्रयोगशाला, खेल का मैदान, कंप्यूटर प्रयोगशाला,

'जेवर ब्लाक के दो और स्कूलों का दूसरे चरण में चयन हुआ है। अब तक सबसे अधिक जेवर ब्लाक के स्कूलों का चयन पीएम श्री के रूप में हुआ है। दनकौर ब्लाक के बीआरसी में स्थित कंपोजिट स्कूल का भी चयन दूसरे चरण में हुआ है।'

राहुल पंवार, **बेसिक शिक्षा अधिकारी**

विज्ञान प्रयोगशाला आदि सभी सुविधाएं विकसित की जानी है। छात्रों की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मियों की भी तैनाती की जाएगी। नई शिक्षा नीति के तहत इन स्कूलों में प्रैक्टिकल, समग्र, एकीकृत, वास्तविक जीवन की स्थितियों पर आधारित पढ़ाई कराई जाएगी। यह शिक्षकों के लिए भी काफी अहम होगा। पहली किस्त के रूप में मिले रुपयों से कंपोजिट स्कूल कानीगढ़ी को छोड़कर अन्य स्कूलों में चार लाख 41 हजार रुपये से दिव्यांग शौचालय का निर्माण होगा। वहीं पौने चार लाख रुपये से चारों स्कूल में अतिरिक्त कक्षाएं बनाई जाएंगी। आमतौर पर देखा जाता है कि बालवाटिका में बच्चों को खुले में पढ़ना पड़ता है। पीएम श्री स्कूलों में बालवाटिका का निर्माण कराया गया है। जहां कमरे और शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। बच्चों के लिए खिलौने के साथ अन्य शिक्षा संबंधी सामग्री को भी खरीदा जाएगा।

बसपा ने बदला प्रत्याशी अंशय की जगह पुंडीर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अभी दो दिन पहले ही बसपा ने गाजियाबाद लोकसभा सीट से अंशय कालरा उर्फ रॉकी की जगह नंद किशोर पुंडीर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इससे अशंय के नाम की घोषणा पश्चिम के प्रभारी शमसुद्दीन राईन ने की थी।

लेकिन एक नाटकीय घटनाक्रम में अचानक बसपा ने सोमवार को गाजियाबाद से उम्मीदवार बदलते हुए नंद किशोर पुंडीर को गाजियाबाद सीट से उम्मीदवार बनाया है। नंद किशोर पुंडीर मुजफ्फरनगर के रहने वाले और बड़े कारोबारी बताये जाते हैं। उन्होंने आज जिला मुख्यालय से नामांकन पत्र भी खरीद लिया है। दरअसल भाजपा द्वारा वीके सिंह का टिकट काटने के बाद ठाकुरों की नाराजगी को देखते हुए बसपा ने ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है।

पुलिस मुठभेड़ में इनामी बदमाश को लगी गोली

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में पुलिस अपराधियों के खिलाफलागातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में नोएडा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशके पास से एक बाइक समेत तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

दरअसल नोएडा के सेक्टर 39 थाना पुलिस के साथ सेक्टर 46 रेड लाइट के चौराहे पास हुई मुठभेड़ में एक गैंगस्टर एक्ट में वांछित 25000 रुपये के इनामी बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पकड़े गए इनामी बदमाश पर कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में लूट और चोरी सहित 26 मुकदमे दर्ज हैं। मामले की जानकारी देते हुए एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि एक सूचना पर सेक्टर 39 कोतवाली पुलिस सेक्टर.46 रेड लाइट के चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया। जिसे रोकने का प्रयास किया गया परन्तु वह नहीं रुका। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर मोटरसाइकिल सवार बदमाश अपने आप को घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया।

पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में मोटरसाइकिल सवार बदमाश गोली लगने से घायल होकर गिर गया। जिसके बाद पुलिस ने उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एडिशनल डीसीपी डीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि घायल बदमाश का नाम राजेश कश्यप उर्फ भेडा है। जो नोएडा के थाना सेक्टर.39 के गैंगस्टर एक्ट में वांछित था। उन्होने बताया कि राजेश कश्यप उर्फ भेडा पर 25000 रुपये का इनाम घोषित बदमाश है। बदमाश राजेश के विरुद्ध कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में लूट और चोरी आदि के 26 मुकदमे दर्ज है। उन्होंने बाताया कि बदमाश राजेश के पास से एक अपाचे बाइक सहित एक तमंचा और कारतूस बरामद किए गए है।

कैब का आया 7.66 करोड़ बिल

नोएडा। शहर के एक युवक ने उबर ऐप से राइड बुक की पर उसका बिल 62 रुपए की जगह 7.66 करोड़ रुपए आ गया। युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि संबंधित उबर ऐप ने इस पर खेद प्रकट करते हुए मामले की जांच करने का आश्वासन दिया है। वायरल वीडियो में राइड बुक कराने वाला युवक राइड को मंगल ग्रह पर जाने जितना महंगा बता रहा है। आशीष मिश्रा नाम के एक युवक ने 22 सेकेंड के एक वीडियो को ट्वीट करके इसकी जानकारी दी।

सो रही पत्नी की हत्या कर पति फरार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-14 स्थित एक मकान में एक व्यक्ति ने सो रही पत्नी पर पंखे से हमला कर उसकी हत्या कर दी। सेंट्रल थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ हत्या की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

सेक्टर-14 पुलिस चौकी प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि सेक्टर-14 के मकान नंबर 163 के मालिक अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने मकान की देख-रेख के लिए मूल रूप से छत्तीसगढ़ के बेमितरा जिले के रहने वाले भूषण प्रसाद को दिया हुआ था। वह इसी मकान में रहकर साफ-सफाई भी करता था। यहां कई साल से रह रहे हैं।

भूषण के परिवार में 45 वर्षीय पत्नी सरोजनी बाई के अलावा दो बेटे युवराज, गुलशन व बेटियां काजल व कंचन हैं। गुलशन को छोड़ बाकी सभी बच्चों की शादी हो चुकी है। युवराज अपनी पत्नी संग कहीं और रहता है। इनके पास छोटा बेटा गुलशन रहता था। सरोजनी बाई घरों में झाड़ू-पोंछा करती थी। लेकिन भूषण कुछ नहीं करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर कहासुनी हो जाती थी। रविवार रात को भी इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद सभी सो गए।

आधी रात के बाद करीब दो बजे भूषण उठा और वहां रखे हुए पंखे से पत्नी सरोजनी पर वार कर दिया। सरोजनी चिल्लाई तो उनके बेटे गुलशन की नींद खुल गई। उसने अपनी मां को खून से लथ-पथ देखा।

युवक 30 फुट ऊंचे फ्लाईओवर से गिरा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में थाना लोनी के बंथला फ्लाईओवर से 30 फुट की ऊंचाई से एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने युवक के शव का पंचायतनामा भर के पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस पड़ताल में जुटी है। युवक कौन था और किन हालातों में गिरा। गाजियाबाद के थाना लोनी के बंथला फ्लाईओवर से संदिग्ध परिस्थितियों में 30 फुट की ऊंचाई से एक युवक गिर गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। एसीपी लोन सूर्यबली मौर्य के मुताबिक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। युवक नशे में था।

ग्रेनो में बुजुर्ग की हत्या सड़क पर मिला शव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पुलिस के द्वारा लगातार देर रात तक चेकिंग की जा रही है। उसके बाद भी नोएडा और ग्रेटर नोएडा में घटना नहीं रुक रही। ग्रेटर नोएडा जोन में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिला है।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के जेपी अमन से ग्राम कुंडली की ओर जाने वाले रास्ते के पास पुलिया पर एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिला। जिसके गले और सिर में चोट के निशान हैं। मृतक बुजुर्ग व्यक्ति की पहचान 60 वर्षीय नंदराम पुत्र रामचरण के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि मृतक बुजुर्ग छत्तीसगढ के बिलासपुर जिले के चिरापरा गांव का रहने वाला है। जांच में सामने आया है कि मृतक बुजुर्ग ग्रेटर नोएडा के ग्राम कुंडली में अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रह रहा था। मृतक बुजुर्ग यहां रहकर मजदूरी का कार्य करता था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कार में आग लगने पर कूदकर बचाई जान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली सेक्टर.113 की पर्थला चौकी क्षेत्र में सोमवार सुबह एक चलती कार में पेट्रोल लीक होने के कारण अचानक आग लग गई। कार चालक ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। दमकलकर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी।

सोमवार सुबह करीब 8;30 बजे सेक्टर.120 स्थित आरजी रेजिडेंसी की रुपाली घोष घर से नौकरी के लिए निकलीं थीं। कार की टंकी से पेट्रोल लीक होने के कारण कार को वापस खड़ी करने आरजी रेजिडेंसी आ रही थीं, तभी पेट्रोल लीक होने के कारण रेसिडेंसी के पास ही कार में आग लग गई।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवती की मौत

पलवल। ट्रैक्टर की टक्कर से ईंट भट्टे पर काम करने वाले एक युवती की मौत हो गई। मुंडकटी थाना पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। मुंडकटी थाना प्रभारी सुंदरपाल के अनुसार, जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ के गुलइया निवासी राजू ने दी शिकायत में कहा है कि पीड़ित अपनी बहन पिंकी के साथ बाबा ब्रिक्स फील्ड भट्टे पर लगे नल से पानी लेने जाते समय एक ट्रैक्टर ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I Sandeep Kumar S/o Shri Raju Singh R/o 18-A, Shiv Vihar West, Vikas Nagar, West Delhi-110059, has changed my name from Sanjeev Kumar to Sandeep Kumar for all future purposes.

PD(329)C

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित गाड़ी नंबर वाली कारें जो कि अपनी लाइफ पूरी कर चुकी हैं पेट्रोल कारें 15 साल, डीजल कारें 10 साल। पाइन व्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एम् सी डी ड्राइव में जब्त की गई थी और अभी तक किसी के द्वारा भी क्लेम नहीं की गयी है। इन सभी गाड़ी मालिकों को सूचित किया जाता है कि कंपनी के ऑफिस में आ कर गाड़ी की स्क्रैप वैल्यू क्लेम कर लें। अन्यथा ये सभी गाड़ियां अगले तीन दिन में स्क्रैप कर दी जाएंगी।

HR29R1745,	DDFBJC17667	DL7SE7220,
DL7SAP8336,	DL7SAD1606,	DL6SB7418,
DL7SAC1387,	DL8SAC9301,	DL4SBE6085,
DL6SG2033,	DL4SAR1126,	BR10D8429,
RJ14SJ7191,	DL9SR6697,	DL6SAC1009,
DL3SAR1625,	HR14C2724,	DL9SX3646,
DL7SBD0780,	UP14AM0396,	MH19AS6652,
PB10CJ9861,	MH12DW0256	DL4S7368,
DL3SBB5262,	DL9SX4115,	DL3SH4910,
DL7SAQ8608,	DL4SBB8246,	DL4SBB8323,
DL3SAQ8163,	DL9SS4861,	HR30G0391,
DL7SAP5163,	DL1SQ3171,	DL6SM3981,
DL9SL9861,	TN09AM4041,	DL8SZ3532,
DL6SZ3673,	DL4SAL9354,	KA04Y8881,
DL4SBL4123,	CH03M8560,	DL8CQ5019,
DL9SJ8909,	DL4SBE8559,	DL7SAB4194,
DL4SBB4189,	UP32AB5293,	DL7SAD8534,
MH15BU359,	DL9SAA1396,	DL7SD9811,
DL9SV7722,	DL9SX2887,	UK07X0685,
DL9SL7434,	DL9SY1732,	DL1SR8579,
DL8CZ4866,	DL5SC1036,	DL3SAT4321,
DL7SB1126,	DL9SS2348,	DL4SBJ4153,
RJ1419-M5975,	DL6SD2474, DL2SJ8029,	MH32L3001, DL9SZ0776,
DL7SAA0968,	DL4SF0247,	DL9SL7654,
DL9SD3170,	DL7SBF0663,	HR26AH9447,
DL7SAJ5038,	DL7SU9183,	PB11V6881,
DL9SK7242,	DL7SBD3016,	DL9SH9274,
DL7SAQ4041,	DL7SAS7168,	DL8SC6916,
DL8SAJ9708,	DL5SA9191,	OR02L3495,
HR201503,	DL7SAK3125,	DL9SAA0135,
DL7S8244,	DL7SAK7810,	DL9SAA0258,
DL4SU0292,	DL4SG9559,	HR29L4817,
DL13S2122,	DL7SC3759,	DL9SP7070,
DL4SAZ5558,	DL4SAM2940,	DL6SAA6361,
DL3SAZ8410,	DL4SBN2610,	DL5SX2228,
DL4SAE7906,	DL9SX4853,	DL6SD3532,
DL9SAA0712,	DL9CB6321,	DL3SAH7032,
DL9SP8528,	DL4SAY3241,	DL7SAQ9386,
DL9SX3722,	DL9SV6500,	DL4SNC3241,
CH03K3954,	DL7SAS7898,	CH03P9410,
DL8SAQ3428,	PB08BH4058,	UP32CP2535,
PB04L3822,	DL8SD8822,	DL7CK7677,
BR1AF4681,	DL7SAP4570,	DL7SP2582,
UA07J3415,	UP78BC2504,	DL7SAB3787,
DL3SBC0409,	DL3SAZ4387,	DBV1620,
DL2SK2814,	DL7SD4580,	DL8SNC2398,
DL7SR8410,	DL7SAJ7133,	DL9SQ4017,
DL7SV6333,	DAH6799,	DL3SAY8304,
DL7SZ0385,	MH12FE7760,	DL9SY2242,
DL6SE7072,	UP61C1543,	DL9SV1179,
DL7SP5875,	UP16K6730,	DL9SV6842,
MH12BW4530	DIT6918,	RJ02SA5743,
DL7SC5882,	DL7SAD5384,	DL7CH4186

PUBLIC NOTICE

Hemant Kumar son of Late Ganeshwar Soni, Resident of House No. W-9, W-Block, Naveen Shahdara, Delhi - 110032, had lost his original Sale Deed in the name of Smt. Prem Lata D/o Sh. Mehar Chand in respect of the property no. 1/7764, admeasuring area 120 Sq. Yds. out of Khasra No. 524/430/310, situated at Village Badarpur, in the abadi of East Gorakh Park, Shahdara, Delhi 110032, duly registered as Document No. 5266, in Add. Book No. 1, Vol. No. 344, on page 174 to 175, on dated 15/04/ 1971, in the office of Sub-Registrar-IV, Delhi. It any body found the same may return to Central Bank of India, Bhajanpura Branch, Delhi. If anybody misuse the same shall be at his/her/their own risk, it anybody has any claim, right, interest of the above said property shall also inform within 5 days to Central Bank of India, Bhajanpura Branch, Delhi. Branch Manager, Prateek Sharma (Mobile No. 8368206661)

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of **Mr. Sudhir Kumar Yadav** who is purchasing the Property No. 123, area measuring 63 Sq. Mtrs., in Block-F, Sector-27, Noida, Gautam Budh Nagar (U.P.); from Mr. Ashok Taneja, who is owner of the aforesaid property after demise of his father Mr. Gobind Ram Taneja vide Transfer Letter dated 07.05.2019 issued by New Okhla Industrial Development Authority on the basis of NOC's & Indemnity Bond filed by him & other legal heirs of deceased and Mr. Gobind Ram Taneja was the owner of the aforesaid property by virtue Lease Deed dated 24.02.1992, registered vide Document No.870-871, at Sub-Registrar, Noida; and intend to mortgage against the financial assistance from **Axis Finance Limited**. That, original(s)Surviving Member Certificate (SMC)of Late Mr. Gobind Ram Taneja is not available. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **07 days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

LUCEM LEGAL LLP
Office No. B-93B,Second Floor,Opposite SBI Bank Sector-2,Noida,UP-201301,Contact# 0120-4269379

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Shiva Kumar Yadav, S.o Malvar Yadav, R/o CB 97 and 97 A, 3rd Floor, Naraina Near Mera Medicos, Ring Road, Naraina Industrial Estate, South West Delhi-110028 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Shiva and Sh. Malwan Yadav in my driving License No. P09052003292001. The actual name of mine and my father are Shiva Kumar Yadav and Malvar Yadav respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

मैं, धर्म वीर शर्मा निवासीः डब्ल्यूजेड-162, प्लॉट नंबर 174, तीसरी मंजिल, प्रताप नगर, हरि नगर साउथ वेस्ट, दिल्ली-110064, मैं अपने बेटे **अंकित शर्मा** (आधार नंबर 495526591223) को उसके दुर्व्यवहार के कारण उससे अपने सभी संबंध विच्छेद कर उसे अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करते हूँ। यदि, कोई भी मेरे बेटे अंकित शर्मा के साथ व्यवहार/लेन-देन करेगा, तो वह अपनी जिम्मेदारी और जोखिम पर ऐसा करेगा और उसके किसी भी कृत्य के लिए मैं और मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

धर्मवीर शर्मा

ओके प्ले इंडिया लिमिटेड

सीआईएन नं. L28219HR1988PLC030347

पंजी. कार्यालयः 17-18, रोज- का-मेओ इंडस्ट्रियल एस्टेट, तहसील नूंह, जिला मेवात, हरियाणा-122103

वेबसाइटः www.okplay.in ईमेलः info@okplay.in

फोनः 011 46190000 फैक्सः 011 46190090

सूचना

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 47 के साथ पठित नियम 29 के अनुसरण में, नोटिस दिया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक मंगलवार, 09 अप्रैल, 2024 को पुनर्निर्धारित की जा रही है। जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों (स्टैंडअलोन और समेकित) पर विचार और अनुमोदन करना।

कृते ओके प्ले इंडिया लिमिटेड
हस्ता/-
दिनांकः 01.04.2024 मीनू गोस्वामी
स्थानः नई दिल्ली कंपनी सचिव

PUBLIC NOTICE

Whereas, Late Mr. Vinod Wali was the owner of the Residential H.No. Flat No. 404, Tower-16, Orange Country, Ahinsa Khand-1, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, through a registered sale deed having Bahi No.1, Volume 23869 Pages 375 to 436 Document No. 10576 Dated 11/03/2013, registered in the office of Sub-registrar- IV, From M/s ABA Builders Ltd.

Whereas, Mr. Vinod Wali died on 29.04.2021 leaving behind Mrs. Sunita Wali as his legal heirs.

Whereas, Mrs. Sunita Wali intend to apply for the transfer of the said property in her favour as she is the legal heirs of the said Mr. Vinod Wali.

Any person who has any objection regarding the transfer of the said property by Mrs. Sunita Wali, may submit his/her objection within 14 days from the date of the Notice in writing. The said objection may be kindly sent to the undersigned by way of the Registered Post on the address given below and by E-mail.

Om Prakash Singh (Advocate)
Address: Chamber No. 1008, Court Compound, Ghaziabad, UP
Email: advopsingh96@gmail.com

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **लता (सह-उधारकर्ता, पत्नी और साथ ही स्वर्गीय धरम वीर की कानूनी उत्तराधिकारी), विकास (नाबालिग बेटा और साथ ही प्राकृतिक संरक्षक के माध्यम से स्वर्गीय धरम वीर का कानूनी उत्तराधिकारी), वंश (नाबालिग बेटा और साथ ही प्राकृतिक संरक्षक के माध्यम से स्वर्गीय धरम वीर का कानूनी उत्तराधिकारी), रिंकी (नाबालिग बेटी और साथ ही प्राकृतिक संरक्षक के माध्यम से स्वर्गीय धरम वीर का कानूनी उत्तराधिकारी) और देव (नाबालिग बेटा और साथ ही प्राकृतिक संरक्षक के माध्यम से स्वर्गीय धरम वीर का कानूनी उत्तराधिकारी)** को **10.01.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLNOD00497983** की राशि रू. **20,73,242.22 (रूपए बीस लाख तिहत्तर हजार दो सौ बयालीस और बाईस पैसे मात्र)** और **09.01.2024** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **28.03.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषतः कर्जदारों और सामान्यतः जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रू. **20,73,242.22 (रूपए बीस लाख तिहत्तर हजार दो सौ बयालीस और बाईस पैसे मात्र) 09.01.2024** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

तल मंजिल पर फ्लैट नं. जी-2 (एम.आई.जी.) जिसका सुपर कवर्ड एरिया 600 स्क्वे. फीट समतुल्य, 55.74 स्क्वे. मीटर्स, पीछे की ओर (छत के अधिकार बिना), प्लॉट नंबर ए-29 पर स्थित, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन-II, गाँव ब्रह्मपुर उर्फ भोपुरा, गाज़ियाबाद-201005, उत्तर प्रदेश और जिसकी सीमा इस प्रकार है:-

पूर्व : प्लॉट नं. ए-30 पश्चिम : प्लॉट नं. ए-28
उत्तर : 30 फीट चौड़ी सड़क दक्षिण : प्लॉट नं. ए-34

सही/-
दिनांक : 28.03.2024 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : गाज़ियाबाद इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालयः आई सी आई सी आई बैंक लि. 4/10, माइथ्री टावर, बोम्मनहल्ली होसुर मेन रोड बैंगलोर-560068

निम्नलिखित उधारकर्ताओं ने बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा के मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है और ऋण को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत एक नोटिस जारी किया गया था। हालाँकि, इसकी तामील नहीं की गई और इसलिए उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता / सह-उधारकर्ता / गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों / संपत्ति का पता	नोटिस भेजने की तिथि / नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1	शॉन स्टीवन/फॉस्टिना नताशा गोमेज/फ्लैट नं. 1006 वेम्बली एस्टेट रोज नूड सिटी, बाउटा सिटी 2 के पास, सेक्टर 49-50 गुड़गांव - 122018 / LBBNG00002356956	अनुसूची 'क' संपत्ति मद- I: ("ई-सिटी टाउन-फेज- I) रिहायशी परिवर्तित संपत्तियों का वह समस्त भाग एवं अंश जिसका सर्वे नंबर-20/1, माप 0-33 गुंटा, सर्वे नंबर-21/2 माप 2 एकड़ 24 गुंटा, सर्वे क्रमांक-22/1 माप 2 एकड़ 03 गुंटा, सर्वे नंबर-30/16, माप 4 एकड़ 15 गुंटा, सर्वे नंबर-30/17, माप 0-03 गुंटा, सर्वे नंबर-21/3 माप 0-20 गुंटा, सर्वे नंबर-30/15, माप 0-20 गुंटा और माप 0-12.3 गुंटा, कुल माप 11 एकड़ और 10.3 गुंटा जोकि थिरुपल्या गांव, जिगनी होबली, अनेकल तालुक, बेंगलुरु जिला, आधिकारिक ज्ञापन सं. ALN (AS)SR 83/2010-11 दिनांकित 6.10.2010 और नं. ALAM (AJISK 177/2007-08 दिनांकित 18.11.2008 द्वारा कृषि से गैर कृषि आवासीय प्रयोजनों में परिवर्तित मद- II: ("ई-सिटी टाउन-फेज- II) परिवर्तित भूमि का वह समस्त भाग एवं अंश जिसका सर्वे नं. 30/18, माप 0-03 गुंटास, 30/39 माप 0-03 गुंटास, 30/41 माप 0-05 गुंटास, 22/2 माप 1 एकड़ 29 गुंटास, 20/2 माप 02 एकड़ 02 गुंटास, 25/3 माप 0-08.4 गुंटास, 18/1ए, माप 0-10.75 गुंटास, 17/2 माप 1 एकड़ 24 गुंटास, गुंटास, 18/3 माप 0-29.75 गुंटास, 20/3 माप 3 एकड़ 13 गुंटास 24/2 माप 0-22 गुंटास, 24/4 माप 1 एकड़ 08 गुंटास, 24/3 माप 0-20 गुंटास, 16/1, 1 एकड़ 04 गुंटास, 21/3 माप 1 एकड़ 24 गुंटास, 16/3 माप 0-09 गुंटास, 16/4 माप 0-01 गुंटास, 16/5 माप 0-01 गुंटास, 16/6 माप 0-01 गुंटास, 15/4 माप 0-15 गुंटास, 15/7 माप 0-06 गुंटास, 15/9 माप 0-01.5 गुंटास, 18/2 माप 0-32 गुंटास सभी जोकि थिरुपल्या गांव, जिगनिहोबली, अनेकालतालुक, बेंगलुरु जिला में स्थित, सभी क्षेत्रफल 16 एकड़ और 32 गुंटास, मद सं. I और II की समग्र अनुसूची, चौहद्दीः "ई-सिटी टाउन-फेज- I" और "ई-सिटी टाउन-फेज- II दोनों को अनुसूची ए में आइटम- I और आइटम- II में विकसित किया गया है, क्रमशः एक संपत्ति एक समग्र परियोजना बनाती है। और चौहद्दीः पूरब में - निजी संपत्ति, पश्चिम में - निजी संपत्ति, उत्तर में - निजी संपत्ति, दक्षिण में - रोड. अनुसूची 'ख' ऊपर उल्लिखित अनुसूची-ए संपत्ति में 269 वर्ग फुट के अधिकार और हित के बराबर संपत्ति का अविभाजित हिस्सा अनुसूची 'ग' सम्पत्ति ए 2 बीएचके रिहायशी अपार्टमेंट/फ्लैट आवासीय परिसर की तीसरी मंजिल पर यूनिट सं. - सी354 जिसे "ई-सिटी टाउन-फेज-1 और फेज 2" के नाम से जाना जाता है, जिसका सुपर निर्मित क्षेत्रफल 755 वर्ग फीट (जिसमें अपार्टमेंट के बीच फर्श, छत और दीवारें और सभी सामान्य क्षेत्रों में आनुपातिक हिस्सेदारी शामिल है) खाता नंबर- 6/531/78/3RD F/C354 एक कवर्ड कार पार्किंग के साथ। उक्त अपार्टमेंट में विट्रिफाइड फ्लोरिंग, कठोर लकड़ी के दरवाजे और एल्यूमीनियम खिड़कियां हैं।	20.02.2024 रु. 18,94,712.00/-	04/12/2023

नोटिस की प्रतिस्थापित सर्विस हेतु कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ताओं और/या उनके गारंटरों (लागू अनुसार) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : अप्रैल 02, 2024 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः दिल्ली और गुड़गाँव आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड

एकजुटता प्रयास

लोकतंत्र बचाओ रैली

विपक्ष ने एकजुटता प्रयास के अंतर्गत 'लोकतंत्र बचाओ रैली' आयोजित की। सत्तारूढ़ अवस्थापना द्वारा कथित रूप से संघीय एजेंसियों के दुरुपयोग पर जन-भावनायें उभारने के लिए विपक्षी दलों के समूह 'इंडिया' ने राजधानी के रामलीला मैदान में रैली आयोजित की। अपने कई कैबिनेट सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी करोड़ों रुपये के शराब नीति घोटाले में सीखचों के पीछे हैं। यह रैली संभवत: इस गिरफ्तारी की निन्दा करने के लिए थी, लेकिन कांग्रेस ने कहा कि यह किसी व्यक्ति पर केन्द्रित नहीं है और इसका उद्देश्य लोकतंत्र व संविधान बचाना है। विपक्ष ने इस रैली के माध्यम से एक राजनीतिक संदेश देने व अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता दिखाने का प्रयास किया किया है। विपक्ष यह दिखाने का प्रयास कर रहा है कि वह हमारे महान देश के आधारभूत लोकतांत्रिक व संवैधानिक मूल्यों की रक्षा कर रहा है। रैली में उपस्थित विपक्षी नेताओं में रांकापा के शरद पवार, शिवसेना-यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, माकपा महासचिव सीताराम येचुरी, भाकपा महासचिव डी.राजा, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती तथा झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शामिल थे। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे व राहुल गांधी तथा 'आप' नेता व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी रैली में शामिल थे।

सुनीता केजरीवाल ने जेल में बंद अपने पति अरविंद केजरीवाल का संदेश पढ़ कर सुनाया जिसके अनुसार, 'भारत बहुत कष्ट की स्थिति में है और यह अत्याचार कारगर नहीं सिद्ध होगा।' रैली में उपस्थित नेताओं ने केन्द्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग तथा सरकार द्वारा विपक्ष को कथित रूप से पंगु बनाने के प्रयासों को बार-बार रेखांकित किया। वर्तमान समय में कई विपक्षी नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में हैं और कांग्रेस के बैंक खाते आयकर नियमों के उल्लंघन में फ्रीज किए गए हैं। भाजपा ने इस विपक्षी रैली पर व्यंग्य करते हुए इसे 'अलीबाबा और चालीस चोर' बैठक कहा है। भाजपा ने विपक्ष पर निशाना लगाते हुए कहा है कि यह 'लोकतंत्र बचाओ' के बजाय 'परिवार बचाओ' और 'भ्रष्टाचार छिपाओ' रैली है। हालांकि, इस रैली ने विपक्षी एकता प्रदर्शित करने का प्रयास जरूर किया है, पर यह मंच पर फोटो खिंचवाने तक सीमित है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में तथा 'आप' ने पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। रैली में विपक्षी नेताओं के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई रोकने तथा जेल में बंद हेमंत सोरेन व अरविंद केजरीवाल को रिहा करने की मांग की गई। इससे स्पष्ट है कि विपक्षी नेता स्वयं को देश के कानून से ऊपर समझते हैं। जेल में बंद सभी विपक्षी नेताओं के खिलाफ विभिन्न आरोपों में कानून-सम्मत कार्रवाई की गई है और उनको अदालतों द्वारा सजा मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेरठ में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा है इनमें से कई को तो सुप्रीम कोर्ट से भी जमानत नहीं मिली है और उनका 'भ्रष्टाचार विरोधी अभियान' लगातार चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ईडी द्वारा जब्त 17,000 करोड़ रुपयों से अधिक धनराशि उत्पीड़ित लोगों को वापस कर चुकी है। उन्होंने जनता से वादा किया है कि उनकी अगली सरकार भ्रष्टाचारियों से जब्त पैसा जनता को वापस लौटाने की व्यापक योजना पर काम कर रही है। जनता व खासकर देश की युवा पीढ़ी का भाजपा पर विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में लोकतंत्र के नाम पर 'भ्रष्टाचारी बचाओ' नेताओं के प्रति जनता की हमदर्दी पैदा होने की कोई संभावना नहीं है।

नैनो-उर्वरकों से टिकाऊ खेती

भारत वर्तमान समय में नैनो-उर्वरकों का उत्पादन बढ़ा रहा है। लेकिन इसकी तकनीकी संभावनाओं तथा इस व्यवस्था में तार्किक परिवर्तन के बारे में कुछ आशंकायें हैं।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

हाल ही में केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है, 'इस वित्त वर्ष में वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में द्रव नैनो किस्म के प्रयोग के कारण यूरिया के उपभोग में 8 प्रतिशत कमी की संभावना है। इसके तथा घरेलू उत्पादन में वृद्धि के कारण यूरिया के आयात में वित्त वर्ष 2023 में एक बटा पांच से अधिक कमी आई है। इस उर्वरक का उर्वरक सब्सिडी बिल में 70 प्रतिशत का योगदान है। नैनो यूरिया उपभोग का विस्तार होने तथा ओडिशा के तालचेर में नए बड़े यूरिया प्लांट की सितंबर, 2023 में स्थापना से दो-तीन साल में आयातों से मुक्ति मिल सकती है।' मंत्री का बयान नैनो उर्वरकों की अभूतपूर्व संभावनाओं की ओर संकेत करता है। नैनो यूरिया के साथ ही उद्योग ने नैनो-डीएपी तथा नैनो रूप में अन्य उर्वरकों का उत्पादन शुरू किया है जिनमें नैनो-पोटाश, नैनो-जिंक, नैनो-बोरान, आदि शामिल हैं। इससे न केवल उर्वरक सब्सिडी में काफी कमी आई है, बल्कि उर्वरक प्रयोग में असंतुलन कम हुआ है जिससे मृदा स्वास्थ्य बेहतर हुआ है तथा पर्यावरण-हितैषी लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता मिली है। इसके अतिरिक्त अनेक अन्य लाभ भी प्राप्त हुए हैं जिनमें विदेशी मुद्रा की बचत, चालू खाते के घाटे में कमी तथा लाजिस्टिक श्रृंखला पर बोझ घटना शामिल है जिसमें खासकर परिवहन व भंडारण ढांचा शामिल है। नैनो-यूरिया नैनोकणों के रूप में होती है जिसमें नाइट्रोजन कण का आकार 20-50 नैनोमीटर-एनएम होता है। इसी प्रकार नैनो-डीएपी में पोलीमर से ढके डीएपी कण 100 एनएम से छोटे होते हैं। नैनो यूरिया पौधों को नाइट्रोजन द्रव रूप में देती है, जबकि परंपरागत यूरिया सफेद ठोस कणों के रूप में होती है। इसी प्रकार नैनो-डीएपी द्रव रूप में नाइट्रोजन व फास्फोरस तत्व देती है।

नैनो-उर्वरकों में कणों के बहुत छोटे होने के कारण इनका सतह क्षेत्र 1एमएम यूरिया कणों से 10,000 गुना अधिक होता है। इससे पौधों की पत्तियां इनका आसानी से शोषण कर लेती हैं। ये कण पौधों के छोटे छिद्रों या स्टोमेटा के माध्यम से प्रवेश कर सीधे कोशिका भित्तियों को पार कर कोशिकाओं में मिल जाते हैं। कोशिका के भीतर पहुंचने पर ये धीरे-धीरे पोषक तत्व छोड़ते हैं और पूर्ण असशोषण सुनिश्चित करते हैं, जबकि परंपरागत विधियों में इनका काफी हिस्सा बेकार चला जाता है। इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव-इफ्को की खोजी संस्थान नैनो बायोटेक्नोलोजी रिसर्च सेंटर ने दावा किया है कि नैनो यूरिया की प्रभावशीलता परपंरपगत यूरिया के 40 प्रतिशत की तुलना में 80 प्रतिशत है। नैनो-यूरिया फसल के उत्पादन में 3-16 प्रतिशत वृद्धि करती है। इसी प्रकार नैनो-डीएपी भी प्रयोग में बचत तथा फसल उत्पादकता बढ़ाने में उपयोगी है। परंपरागत यूरिया के प्रयोग से पर्यावरणीय चिन्तायें पैदा होती हैं जिनमें नाइट्रेट लीचिंग, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन लेयर क्षरण तथा भूमिगत जल प्रदूषण शामिल हैं। इसकी तुलना में नैनो-यूरिया के प्रयोग से मृदा, जल व वायु प्रदूषण कम होता है। एक अध्ययन के अनुसार नैनो-यूरिया के दो बार छिड़काव से नाइट्रोजन लोड केवल 25 प्रतिशत बढ़ता है जबकि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन भी परंपरागत विधियों की तुलना में कम होता है। इफ्को-एनबीआरसी ने दावा किया है कि नैनो-यूरिया की 500 मिली की बोतल परंपरागत यूरिया के 45 किलो बोरे के बराबर है। इसमें 46 प्रतिशत या 20 किलो नाइट्रोजन होता है जबकि नैनो-यूरिया में यह 20 ग्राम होता है। इसके बावजूद दोनों को समान माना गया है। इसका अर्थ है कि नैनो-रूप में यूरिया परंपराग यूरिया से 1000 गुना अधिक प्रभावी है।

क्षमता में इसी अंतर के कारण इफ्को ने किसानों को बिना किसी सब्सिडी के 500 मिली बोतल 240 रुपये में देने का निर्णय किया है। इसके उलट परंपरागत यूरिया के 45 किलो बोरे की सप्लाई लागत ग्यारह गुना अधिक है। देश में उत्पादित यूरिया की तुलना में आयातित यूरिया के मामले में यह खर्च और बढ़ जाता है। सरकार को 240 रुपये की समान कीमत में उपलब्ध कराने के लिए 2410 रुपये सब्सिडी देनी पड़ती है। डीएपी के मामले में इफ्को-एनबीआरसी का दावा है कि 500 मिली नैनो-डीएपी बोतल परंपरागत डीएपी के 50 किलो बोरे के बराबर है। इसे किसानों को बिना किसी सब्सिडी के 600 रुपये में दिया जा सकता है, जबकि परंपराग डीएपी इससे सात गुना महंगी 4,000 रुपये की है। सरकार द्वारा दी जाने वाली 2,650 रुपये की सब्सिडी के कारण डीएपी किसानों को 1,350 रुपये में मिलती है जो समान क्षमता वाली 500 मिली बोतल की तुलना में दूनी है। मनसुख मंडाविया के अनुसार भारत वितत वर्ष 2023-24 में नैनो-यूरिया की लगभग 55 मिलियन बोतलें तैयार करेगा जो 2.5 मिलियन टन परंपरागत यूरिया का स्थान लेंगी। एक स्तर पर इससे यूरिया के अत्यधिक उपभोग से बचने में सहायता मिलेगी और उर्वरक प्रयोग में असंतुलन में कमी आएगी जिससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार होगा। दूसरी ओर इससे सब्सिडी में भारी कमी आएगी। इसके साथ ही परंपरागत यूरिया के आयात पर होने वाला खर्च भी घटेगा। चूंकि नैनो-यूरिया पर किसी सब्सिडी की जरूरत नहीं होगी, इसलिए 13,400 करोड़ रुपये की पूरी धनराशि बच जाएगी।

इसी प्रकार परंपरागत डीएपी के स्थान पर नैनो-डीएपी के प्रयोग से भी सब्सिडी में बचत होगी। सरकार का इरादा 2024-25 तक नैनो-यूरिया का उत्पादन बढ़ा कर 440 मिलियन बोतल करना है। यह बीस मिलियन टन परंपरागत यूरिया या कुल वर्तमान उपभोग का लगभग 60 प्रतिशत है। आश्चर्य है कि क्या इस सीमा तक हस्तांतरण तकनीकी रूप से संभव होगा। सामान्यत: यूरिया का प्रयोग दो बार होता है। बेसल ड्रेसिंग के तौर पर ठोस उर्वरक को बुआई या रोपाई के पहले पूरे खेत में किया जाता है। इसके बाद टाप ड्रेसिंग में उर्वरक को सीधे पत्तियों पर छिड़का जाता है। नैनो-यूरिया केवल टाप ड्रेसिंग में ही परंपरागत यूरिया का स्थान लेगी क्योंकि बेसल प्रयोग केवल ठोस रूप में होता है।

वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि 16.5 मिलियन टन यूरिया प्रयोग का केवल 50 प्रतिशत नैनो-यूरिया के अंतर्गत आता है। इस स्तर पर भी यूरिया आयात की आवश्यकता नहीं पड़ेगी जो वर्तमान समय में 2023-24 में लगभग 6.4 मिलियन टन है। केवल इतना ही नहीं, बाकी 10 मिलियन टन के लिए नैनो-यूरिया के उपयोग से प्राकृतिक गैस-एनजी के आयात में 'भारी' कमी आएगी जो यूरिया उत्पादन का प्रमुख कच्चा माल है। प्रति टन यूरिया के उत्पादन में 600 क्यूबिक मीटर एनजी का प्रयोग होता है। ऐसे में यदि 10 मिलियन टन परंपरागत सामग्री का उपयोग हो तो एनजी की आवश्यकता 6000 मिलियन क्यूबिक मीटर होगी। यदि इसके बजाय यह क्षमता प्रयोग में 1000 गुना अंतर के कारण नैनो-यूरिया के क्षेत्र में आ जाता है तो केवल 6 मिलियन क्यूबिक मीटर एनजी की जरूरत होगी। इसके कारण गैस आयात पर खर्च घटने से भारी बचत होगी। वर्तमान समय में भारत अपनी कुल एनजी आवश्यकता का पचास प्रतिशत आयात करता है। यूरिया के घरेलू उत्पादन में भी इसका उपयोग होता है, जबकि कुल आवश्यकता के एक तिहाई की पूर्ति आयातित एलएनजी से होती है। परंपरागत उर्वरकों के स्थान पर नैनो-उर्वरकों के प्रयोग से ढांचागत संरचना पर पड़ने वाला बोझ भी घटेगा।

45 किलो के परंपरागत यूरिया की हैंडलिंग, मूविंग, भंडारण और वितरण पर आने वाला खर्च 500 मिली की नैनो-यूरिया बोतल की तुलना में बहुत अधिक है। इसी प्रकार 50 किलो के परंपरागत डीएपी बोरे की तुलना में 500 मिली नैनो-डीएपी के परिवहन व अन्य वितरण खर्च में बहुत अधिक अंतर होगा। हालांकि, स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार नैनो-उर्वरकों का प्रयोग बढ़ाने के पक्ष में बयान दिए हैं, पर इसके बावजूद किसानों में परंपरागत उर्वरकों के स्थान पर नैनो-उर्वरकों का प्रयोग बढ़ाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान की जरूरत है। प्रधानमंत्री द्वारा ग्रामीण महिलाओं को ड्रोन प्रयोग में दक्ष बनाने और उनका प्रयोग कृषि संबंधी कार्यों में करने की योजनाओं को देखते हुए नैनो द्रव उर्वरकों के प्रयोग में व्यापक वृद्धि होने की आशा है।

शिक्षकों का उत्थान आवश्यक

> आज के डिजिटल युग में, शिक्षकों को छात्रों के सीखने और जुड़ाव को बढ़ाने के लिए अपने निर्देश में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

साक्षी सेठी
(लेखिका, शिक्षक हैं)

युवा दिमागों को सशक्त बनाने से लेकर चरित्र को ऊंचा उठाने तक, एक शिक्षक के कर्तव्य असंख्य और महत्वपूर्ण हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि शिक्षक के कर्त्तव्य न तो कम होते हैं और न ही छोटे, बल्कि वे मन को ऊँचा उठाते हैं और चरित्र को ऊर्जा प्रदान करते हैं। शिक्षा प्रणालियों और समाज की बेहतरी के लिए शिक्षकों को ऊपर उठाने की आवश्यकता महत्वपूर्ण है। जिस तरह छात्र सीखते समय संज्ञानात्मक विकास से गुजरते हैं, उसी तरह शिक्षक भी पेशेवर सीखने में संलग्न होने पर संज्ञानात्मक विकास का अनुभव करते हैं जो अंतत: उनके अभ्यास पर प्रतिबिंबित होता है और उनके दृष्टिकोण को परिष्कृत करता है। निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर और शिक्षकों को उनकी निरंतर कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए मान्यता देने से मनोबल और प्रेरणा बढ़ सकती है। यह शिक्षकों को अपने कौशल को निखारने, नवीनतम शैक्षणिक तकनीकों के साथ अद्यतन रहने और उनकी विषय वस्तु विशेषज्ञता को और गहरा करने में मदद कर सकता है, जिससे वे अपने शिक्षण प्रथाओं की निगरानी और विनियमन कर सकते हैं, छात्रों की जरूरतों के आधार पर अपने दृष्टिकोण को अनुकूलित कर सकते हैं और शिक्षकों के रूप में उनकी प्रभावशीलता में सुधार कर सकते हैं।

आज के डिजिटल युग में, शिक्षकों को छात्रों के सीखने और जुड़ाव को बढ़ाने के लिए अपने निर्देश में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। कुछ प्रथाओं में शिक्षण और मूल्यांकन के लिए शैक्षिक सॉफ्टवेयर, मल्टीमीडिया संसाधनों और ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करना शामिल है। शिक्षकों को विभिन्न निर्देशात्मक रणनीतियों और शिक्षण विधियों में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है जो विभिन्न विषयों, ग्रेड स्तरों और छात्र आबादी के लिए प्रभावी हों और इसमें निर्देश को अलग करने, कक्षा में प्रौद्योगिकी को शामिल करने और आकर्षक सीखने के अनुभव बनाने की समझ शामिल हो। एक शिक्षक का संज्ञानात्मक विकास एक आजीवन यात्रा है जो निरंतर सीखने, प्रतिबिंब और विकास की विशेषता है। संज्ञानात्मक विकास में मजबूत आधार वाले शिक्षक समझते हैं कि छात्र कैसे सीखते हैं और शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने निर्देश को अनुकूलित कर सकते हैं। इस प्रकार के शिक्षक प्रभावी शिक्षण रणनीतियों का उपयोग करने, निर्देश को अलग करने और आकर्षक सीखने के अनुभव बनाने के लिए बेहतर छात्रों की समझ, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को बेहतर ढंग से विकसित करने में सक्षम होते हैं। आज के परिदृश्य में, एक शिक्षक को अपग्रेड करना या उसका कौशल बढ़ाना समय की मांग बन गया है। सरकार सहित कई स्कूल, कॉलेज और संस्थान छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने, आधुनिक शिक्षा की चुनौतियों से निपटने और सकारात्मक शिक्षण परिणामों में योगदान करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और स्वभाव के साथ शिक्षकों के समग्र विकास में सुधार की दिशा में काम कर रहे हैं। और समग्र विकास.

कुल मिलाकर, शिक्षकों को ऊपर उठाने में शिक्षण गुणवत्ता, शिक्षक कल्याण और शिक्षा प्रणालियों की समग्र प्रभावशीलता में सुधार के लिए एक समग्र दृष्टिकोण शामिल है। शिक्षकों में निवेश करके और उन्हें आवश्यक सहायता और संसाधन प्रदान करके, हम छात्रों के सीखने के परिणामों को बढ़ा सकते हैं और मजबूत और अधिक जीवंत समुदायों का निर्माण कर सकते हैं। साथ ही, शैक्षिक प्रक्रिया में माता-पिता/अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों को शामिल करने जैसी रणनीतियों को लागू करने से शिक्षकों के लिए समर्थन मजबूत हो सकता है और छात्रों के लिए सीखने का अधिक अनुकूल माहौल बन सकता है।

शिक्षण पेशे में प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन और लाभ की पेशकश भी आवश्यक है क्योंकि पर्याप्त मुआवजा समाज द्वारा शिक्षा और शिक्षकों को दिए जाने वाले मूल्य को दर्शाता है। केवल जब प्रशासक अपने शिक्षकों की स्थिति को ऊंचा करना सीखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक समर्थन, संसाधन और मान्यता प्राप्त है, तो सुधार के मामले में समाज और यहां तक कि पूरे देश की मदद की जा सकती है। छात्र परिणाम, आजीवन सीखने को बढ़ावा देना, समानता और समावेशिता को बढ़ावा देना और समाज में शिक्षा के व्यापक लक्ष्यों को आगे बढ़ाना।

आप की बात

परिवार में टकराव

शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा पहले चाचा शरद पवार और भतीजे अजित पवार के बीच दो भागों में बंटी। अजित पवार कुछ लोगों के साथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए। मजेदार बात है कि शिंदे सरकार भी शिवसेना के दो गुटों में विभाजित होने का परिणाम है, जिसे भाजपा व एनसीपी-अजित पवार गुट का समर्थन है। महाराष्ट्र की सरकार पहले भी तीन पहियों-शिवसेना, कांग्रेस, रांकापा की गाड़ी पर चल रही थी और अभी भी वो तीन पहियों के वाहन पर सवार है। राकांपा का गठन भी इंदिरा कांग्रेस को तोड़ कर हुआ था जिसके मुखिया शरद पवार बने थे। बारामती में पारिवारिक टकराव में नया मोड़ आने वाला है। यहाँ शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और अजित पवार की धर्मपत्नी सुनेत्रा पवार यानी ननद-भौजाई आमने-सामने आ रहीं हैं। सुप्रिया सुले कह चुकीं हैं कि हमारी लड़ाई विचारों की है न कि निजी। देखना होगा कि वैचारिक टकरावों या चुनावी टकरावों के बावजूद परिवारों की एकजुटता कहां तक बनी रहती है। देश में परिवारवाद व वंशवाद की आलोचना करते समय राजनेता अपने समर्थकों और विरोधियों के परिवार में अंतर करते हैं, लेकिन मजबूरी में जनता को इनमें से किसी न किसी को वोट देना पड़ता है। मतदाताओं को ही रास्ता निकालना है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

विपक्ष की रैली

रामलीला मैदान दिल्ली अपने नाम को सार्थक कर रहा है। यहां साल भर में 10 -15 बार विभिन्न तरह की रेलियां, धरने व आंदोलन होते ही हैं। इस बार विपक्ष ने यहां रैली की। रामलीला मैदान को जैसे यह वरदान प्राप्त है कि यहां जो भी आंदोलन, आयोजन होंगे उनका राष्ट्रीय स्तर के सभी चैनल ब्रॉडकास्ट करेंगे। कैमरे की फ्लैश लाइट अपनी और आते ही लोग तरह-तरह की हरकतें करने लगते हैं ताकि देश-दुनिया में वे अपना चेहरा दिखा सके। इस रैली में भी भरपूर भीड़ इकट्ठी हुई और विपक्षियों को लगने लगा कि अभी भी लोगों के मन में उनके लिए कुछ सहानुभूति है। इस रैली ने विपक्ष में जोश भर दिया है। लेकिन अभी तक पता नहीं चला कि इसका नेतृत्व कौन महान नेता कर रहा है। आप वालों ने इसे केजरीवालकी गिरफ्तारी से जोड़ा तो कांग्रेस ने इसे केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफआंदोलन बताया। विपक्ष की यह रैली नेताओं के एकसाथ फोटो खिंचवाने का मौका जरूर बना, पर अनेक राज्यों में उनकी आपस में लड़ाई जारी है। इस रैली में जेल में बंद अनेक नेताओं की पत्नियां एकत्र हुईं और उन्होंने अपनी पीड़ा साझा की। लेकिन देखना होगा कि भ्रष्टाचार के आरोपों में बंद नेताओं के प्रति हमदर्दी पैदा होगी या नहीं।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया आज लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यह न केवल मनोरंजन, बल्कि अभिव्यक्ति का अच्छा माध्यम है। दुनिया भर में अनेक सोशल साइटस का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है। इनके द्वारा देश-दुनिया की खबरें पलक झपकते ही हमारे मोबाईल स्क्रीन पर होती हैं। यह अपनी आवाज सरकार और अधिकारियों तक पहुंचाने का अचूक हथियार बन गया है। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इनका दुरूपयोग भी बढ़ रहा है। इनके माध्यम से बिना रोक टोक अश्लीलता परोसी जा रही है। धीरे-धीरे ये प्लेटफार्म फेक न्यूज का अड्डा बनते जा रहे हैं। जहां से बड़ी संख्या में फर्जी न्यूज प्रसारित कर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। धार्मिक एवं जातिगत उन्माद फैलाने वाले पोस्ट शेयर कर हिंसा एवं दंगो को हवा दी जा सकती है। किसी की फोटो के साथ छेड़ छाड़ कर और गलत रूप में पेश कर उसकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा सकता है। प्रख्यात राजनीतिक हस्तियों पर अभद्र टीका टिप्पणी तो आम बात हो गई है। सोशल मीडिया अपनी बात रखने का बेहतरीन मंच है, लेकिन इसका प्रयोग जिम्मेदारी और शालीनता से होना चाहिए। ऐसा न होने पर आम जनता से अभिव्यक्ति का यह साधन छिन भी सकता है।

– **शिवेन्द्र यादव.** कुशीनगर

डाटा की चोरी

हमारा निजी डाटा, कंपनियों एवं सरकारी डाटा बैंक से हैकिंग का जरिए चुरा लिए जाते हैं। एक बार लेने के बाद लाखों की संख्या में डाटा को सुरक्षित रखना लगभग असंभव होता जा रहा है। अमेरिका में वहां की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी एटीएंडटी के लगभग 73 मिलियन लोगों की निजी जानकारी डार्क वेब में लीक हो गई है। एक हैकर ने दावा किया कि उसके पास 73 मिलियन इस कंपनी के ग्राहकों के डेटा तक पहुंच है। इसमें उनके नाम, पते, फोन नंबर, एसएसएन और जन्मतिथि शामिल हैं। पता चला कि हैकर ने चोरी की गई जानकारी को हजारों डॉलर में बेच दिया है। कंपनी ने कहा है कि कम से कम 7.6 मिलियन मौजूदा खाताधारक और 65.4 मिलियन पूर्व उपयोगकर्ता इस डाटा चोरी से प्रभावित हुए हैं। इस प्रकार यह डाटा कुल अमेरिकी आबादी के 20 फीसदी लोगों का है। ऑनलाइन साइबर हैकर्स ने जासूसी का काम को और आसान बना दिया है। आज कोई नहीं कह सकता कि उसका निजी डाटा सुरक्षित हाथों में है। एआई के युग में डाटा चोरी व्यक्तियों, पूरे समाजों व देशों के लिए खतरनाक हो सकती है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

मोदी पर अंगुली उठाने वाले भारत के विकास में अवरोधक: योगी

मुख्यमंत्री ने हाथरस में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत, सर्वांगीण विकास ही मोदी की गारंटी है। विकसित भारत में बिना भेदभाव हर व्यक्ति, जाति-समुदाय को सम्मान व आगे बढ़ने का अवसर मिले। बेटी-व्यापारियों को समान सुरक्षा की गारंटी हो, जहां अराजकता नहीं बल्कि कानून का राज हो। जातिवाद-परिवारवाद नहीं, सबका साथ-सबका विकास हो और यही विकसित भारत की परिकल्पना का आधार है। मोदी की गारंटी को हमने जमीनी धरातल पर उतरते देखा है, इसलिए पूरे देश को 'मोदी की गारंटी' पर विश्वास है। मोदी पर अंगुली उठाने वाले भारत के विकास में अवरोधक हैं। यह विकसित भारत के मार्ग के बैरियर हैं। हमें इन बैरियर को हटाना होगा और मोदी जी के नेतृत्व में सुरक्षित व समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हाथरस में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। सीएम ने प्रदेश सरकार के मंत्री व हाथरस से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी अनूप वाल्मीकि 'प्रधान' के लिए जनसमर्थन की अपील की। सीएम ने कहा कि हाथरस ब्रज मंडल का प्रवेश द्वार है। पीएम मोदी ने 2020 में आत्मनिर्भर भारत की बात कही। हाथरस, कासगंज, अलीगढ़, मुरादाबाद, आगरा, मथुरा आदि के लोगों ने सैकड़ों वर्ष पहले आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया था। जब हमने प्रदेश में प्रत्येक जनपद के उत्पाद को प्रोत्साहित करने के लिए ओडीओपी की नीति बनाई तो उसके पीछे मुरादाबाद की पीतल की कारीगरी, अलीगढ़ का हार्डवेयर, हाथरस की हींग, फिरोजाबाद का ग्लास आइटम आदि थे। हस्तशिल्प व हुनर हमारे देने का हिस्सा था। आपके पूर्वजों ने यहां आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के माध्यम से सामाजिक स्वावलंबन का उदाहरण देने का कार्य किया।

योगी ने कहा कि प्रबुद्धजन समाज को नेतृत्व देते हैं, इसलिए आपका आह्वान करने आए हैं। चुनाव की बागडोर अपने हाथों में लेकर आप यूपी के लक्ष्य के अनुरूप परिणाम देने के लिए मोदी जी को 80 सीटों की जीत की माला दे सकें। प्रबुद्धजन समाज की मान्यता व राय को आवाज देते हैं। अपने ओपिनियन के माध्यम से मार्गदर्शन करते हैं, इसलिए आप पर जिम्मेदारी भी है। आपने बदलते हुए नए भारत का दर्शन किया है। आपने 2014 के पहले की अराजकता देखी है और उसके बाद का एक भारत-श्रेष्ठ भारत भी देखा है। यहां सुरक्षा-समृद्धि, आजीविका व आस्था का सम्मान भी देखा है। भारत का सम्मान 140 करोड़ लोगों का सम्मान है। यहां इंफ्रास्ट्रक्चर के अनेक कार्य हुए हैं। आज विकास हमारी पहचान बन रही है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं का कोई सानी नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि यह चुनाव फैमिली फस्ट, नेशन फस्ट का है। तुष्टिकरण बनाम भारत की आस्था का चुनाव है। हमें देखना है कि अराजकता, दंगा, कर्फ्यू लगाने वालों के हाथों में फिर सत्ता आएगी या दंगामुक्त, कर्फ्यूमुक्त, सुरक्षित वातावरण देने वाली मोदी की सरकार आएगी, जिसने बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ दिया है। न जाति, न पाति, न क्षेत्र, न भाषा देखी गई, सभी को समान रूप से विकास की योजनाओं का लाभ दिया गया।

सीएम ने वर्तमान सांसद राजवीर सिंह दिलेर की भी मंच से तारीफ की। बोले कि उनका आशीर्वाद भी अनूप वाल्मीकि के साथ है। पार्टी ने आदेश दिया कि वहां नया प्रत्याशी आएगा तो राजवीर सिंह पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में निष्ठा के साथ लग गए। पार्टी ने अनूप वाल्मीकि को प्रत्याशी बनाया है। प्रदेश सरकार में मंत्री होने के कारण मैं उन्हें पूरे प्रदेश में दौड़ाता था। वे पूरी ईमानदारी से कार्य करते रहे। विकास की एक-एक रिपोर्ट हमें उपलब्ध करवाते रहे। योगी ने आह्वान किया कि आप सभी को नरेंद्र मोदी व अनूप वाल्मीकि बनकर घर-घर जाकर वोट मांगना पड़ेगा। बूथों को संभालना पड़ेगा। यहां तीसरे चरण में चुनाव होंगे तो गर्मी भी चढ़ चुकी होगी। हमें मोदी के नेतृत्व में विश्वास करते हुए एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में वोट देने के लिए एक-एक मतदाता को तैयार करना है।

सीएम ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भी यहां आया था। आपने सभी सीटों पर कमल खिलाया। प्रदेश में भाजपा सरकार है तो सुरक्षा है, विकास है, गरीब कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतरती दिख रही है। लोगों के मन में अपनत्व का भाव है। धर्माचार्यों की मंशा भी पूरी हो गई। जिसके लिए पीढ़ियां तरस रही थीं, वह कार्य बढ़ा और रामलला अयोध्या में विराजमान हो गए। प्रभु राम के साथ संवाद बनाने का कार्य त्रिकालदर्शी महर्षि वाल्मीकि ने किया। अयोध्या एयरपोर्ट का नाम भी महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया।

मुख्यमंत्री आज पीलीभीत बदायूं व बरेली में

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ मंगलवार 02 अप्रैल को पीलीभीत, बदायूं और बरेली में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलनों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री योगी सुबह 11:30 बजे रामा इंटर कॉलेज के सामने, पीलीभीत में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जबकि दोपहर 01:10 बजे बदायूं क्लब, बदायूं में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे तथा दोपहर 02:40 बजे बरेली इंटर कॉलेज, बरेली में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी मंगलवार 02 अप्रैल को बिजनौर के प्रवास पर रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी सुबह 11 बजे कान्हा बैंक्वेट हॉल, नजीबाबाद, बिजनौर में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जबकि दोपहर 02 बजे काकरान वाटिका, बिजनौर में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

बसपा विधायक राजूपाल हत्याकांड मामला

इसरार अहमद ने किया सरेंडर, अदालत ने भेजा जेल

विधि संवाददाता। लखनऊ

प्रयागराज के बहुचर्चित बसपा विधायक राजूपाल हत्याकांड मामले में सजा पर सुनवाई के समय गैरहाजिर रहे आरोपी इसरार अहमद ने सोमवार को सीबीआई की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। विशेष अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजते हुए इसकी सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए चार अप्रैल की तारीख तय की है। उस रोज इसे जेल से तलब करने का आदेश दिया है। बीते 29 मार्च को विशेष अदालत ने इस मामले में दोषी करार दिए गए आरोपी आबिद, जावेद, रंजीत पाल, अब्दुल कवि, गुलहसन व फरहान को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जबकि आरोपी इसरार अहमद अदालत में हाजिर नहीं था। अदालत ने इसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। 25 जनवरी 2005 को इलाहाबाद पश्चिम से बसपा विधायक राजू पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस गोलीबारी में देवीपाल एवं संदीप यादव की भी मौत हो गई थी। दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे। इस घटना की रिपोर्ट राजू पाल की पत्नी पूजा पाल ने थाना धूमनगंज में दर्ज कराई थी। जिसमें अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ आदि को भी नामजद किया गया था।

23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की टीम पहुँची एलयू, ली जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रणाली एवं लेखा परीक्षा केंद्र (आईसीआईएसए) द्वारा कार्यान्वयन लेखा परीक्षा पर आयोजित 159वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की टीम ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा किया। टीम के दौरे का उद्देश्य प्रचलित शैक्षणिक उत्कृष्टता के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के साथ ही इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के बारे में रूबरू होना था। टीम के विवि पहुँचने के बाद शिक्षकों द्वारा टीम को गुलाब का फूल देकर स्वागत किया गया। भर्ती एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ की डीन और राजनीति विज्ञान विभाग की हेड प्रोफेसर मनुका खन्ना ने स्वागत भाषण दिया। जबकि लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर अरविंद अवस्थी (प्रति कुलपति) ने टीम के सदस्यों को लखनऊ विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरुआत टीम के प्रतिभागियों के परिचय के साथ हुई। इस दौरे में डीन छात्र कल्याण प्रोफेसर संगीता साहू ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और इसके वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रोटोकॉल सहित परिचालन प्रक्रियाओं पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के बाद प्रयागराज स्थित एजी कार्यालय के अधिकारियों द्वारा भी एक और प्रस्तुति दी गई।

विगत दस वर्षों में देश मजबूती से आगे बढ़ा है: धर्मपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह एवं लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक व जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सोमवार को सहारनपुर के भाजपा जिला कार्यालय पर संगठनात्मक बैठक में शक्तिकेन्द्र पर आयोजित होने वाली नुक्कड़ सभाओं के वक्ताओं के साथ संवाद किया। धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा प्रत्येक शक्ति केन्द्र पर नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत दस वर्षों में हुए देश के सांस्कृतिक, आर्थिक, सामरिक विकास को लेकर जनता के बीच संवाद करेगी।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि सम्पर्क व संवाद के माध्यम से जनता के बीच सरकार का लेखा-जोखा तथा पार्टी की विचारधारा पहुंचाना भाजपा की परम्परा में निहित है। घर-घर सम्पर्क, बैठकों, गोष्ठियों, नुक्कड़ सभाओं, जनसभाओं व रैलियों के माध्यम से भाजपा जनता के बीच अपनी बात लेकर पहुंचती है। नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से पार्टी गांव, गली, मोहल्लों, चौपालों तक जनसंवाद करेगी। विगत दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गांव, गरीब, किसान की उन्नति को लक्ष्य बनाकर सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के पथ पर देश मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से एक ओर हमें मोदी सरकार व योगी सरकार की उपलब्धियों, ऐतिहासिक निर्णयों को जनता के बीच में रखना है साथ ही सपा, बसपा व कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों की सरकारों और मोदी-योगी सरकार के बीच के फर्क को भी बताना है। जहां भाजपा सरकार का मतलब सबका साथ, सबका विकास और पूरी ईमानदारी के साथ चलाना है वहीं सपा-कांग्रेस सरकारें अराजकता, भ्रष्टाचार और गुण्डाराज के लिए जानी जाती रही है।

लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक व जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश में सपा-बसपा की सरकारों के समय व्यापारियों से रंगदारी व चौथ वसूली की जाती थी, व्यापारी पलायन को मजबूर थे। शोहदों के डर से बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था। उत्तर प्रदेश की पहचान दंगा प्रदेश के रूप में होती थी। गन्ना किसानों का भुगतान नहीं होता था। प्रदेश में अराजकता, गुंडागर्दी व माफियाराज को सत्ता का संरक्षण प्राप्त था। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व भाजपा की डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को दंगा मुक्त, माफियामुक्त तथा अपराधी मुक्त करते हुए सुदृढ़ कानून व्यवस्था से सुशासन स्थापित किया। आज देश के साथ ही उत्तर प्रदेश भी विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। सुरक्षा के वातावरण में आये निवेश से रोजगार के नए अवसर सृजित हुए है। राममंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर सहित विभिन्न धार्मिक, आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक केन्द्रों के विकास से सदियों की प्रतिक्षा व अभिलाषा भी पूर्ण हुई और पर्यटन से जनता का आर्थिक विकास भी हुआ। उन्होंने कहा कि बदले हुए देश व प्रदेश की पटकथा हमें नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से जनता के बीच पहुंचाना है।

इस दौरान प्रमुख रुप से उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री जसवंत सैनी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर पाठक, लोकसभा क्लस्टर प्रभारी एमएलसी सतपाल सैनी, भाजपा जिला प्रभारी डी के शर्मा, महानगर प्रभारी वाई पी सिंह, विधायक राजीव गुम्बर, देवेंद्र निम, मुकेश चौधरी, कीरत सिंह, लोकसभा प्रभारी नवाब सिंह नागर, महापौर डॉ अजय कुमार सिंह, भाजपा ज़िलाध्यक्ष डॉ महेंद्र सैनी, महानगर अध्यक्ष पुनित त्यागी सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनता की विश्वसनीयता से भाजपा प्रदेश की सभी 80 सीटें जीत रही: भूपेन्द्र सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने सोमवार को अमरोहा के जूही के मैदान में भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश में जन-जन तक पक्का घर, राशन, दवाई, पढ़ाई सहित सड़क, बिजली, पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए विकसित भारत की आधारशिला तैयार की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने सशक्त कानून व्यवस्था से उत्तर प्रदेश से माफियाराज, गुंडागर्दी, रंगदारी सहित सत्ता संरक्षित अपराध को समाप्त करने का काम किया है। आज जनता के बीच मोदी की गारंटी काम कर रही है। मोदी की गारंटी पर जनता की विश्वसनीयता से भाजपा प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने जा रही है।

भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प के साथ डबल इंजन की सरकार ने गन्ना किसानों को समय से उपज का भुगतान, सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली, किसान सम्मान निधि, एमएसपी में बढ़ोतरी सहित किसानो के हित को सर्वोपरि रखा। भयमुक्त वातावरण ने बहन, बेटी को बिना डर के जीने की गारंटी दी। व्यापारी और उद्यमियों को निर्भय होकर व्यापार और उद्योग चलाने की गारंटी दी है। उन्होंने कहा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के सभी संकल्पों को पूर्ण करते हुए जम्मू कश्मीर में धारा 370 की समाप्ति, भव्य राममंदिर का निर्माण, सीएए लागू करने व तीन तलाक पर रोक लगाने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विकसित भारत के संकल्प के साथ जनता के बीच है। विकसित भारत के संकल्प में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण है, जो जन-जन की आत्मनिर्भरता से वैभवशाली राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना को साकार रूप देगा।

इस अवसर पर विधायक राजीव तरारा, विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी, शिक्षक एमएलसी डॉक्टर हरि सिंह ढिल्लों, जिला प्रभारी सतपाल सिंह पाल, जिला अध्यक्ष श्री उदयगिरि गोस्वामी, लोकसभा प्रभारी श्री राजीव सिसोदिया ने भी नामांकन सभा को संबोधित किया।

विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने की चल रही साजिश : अखिलेश

- सपा मुखिया ने कहा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रणाली पर भी है संकट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि आज से हम सन् 2024 के शुरूआती चुनावी महीनें में प्रवेश कर रहे हैं। ये चुनाव देश के लिए भाग्य निर्णायक सिद्ध होंगे। देश में एकाधिकारी मानसिकता के साथ भाजपा सरकार विपक्षी दलों के विरूद्ध साजिशें और षडयंत्र रचने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष की तरह महत्वपूर्ण भूमिका विपक्ष की भी होती है। लेकिन इन दिनों तो विपक्षी नेताओं को ईडी, सीबीआई और आईटी के माध्यम से अपमानित और प्रताड़ित करने की साजिश चल रही है। सपा मुखिया ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रणाली पर भी संकट है। मुख्यमंत्रियों तक को जेल भेजा जा रहा है। विपक्षी पार्टियों के खाते सीज किए जा रहे हैं। रोज विपक्षी नेताओं को सम्मन भेजे जा रहे हैं। यह सब विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने से रोकने के लिए किया जा रहा है। इससे दुनिया भर में भारत की बदनामी हो रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग को बाकायदा लिखकर शिकायत की है कि कुछ जिलों में वर्षों से जमे अधिकारी सत्ता पक्ष के दबाव में काम करते दिखाई देते हैं। मतदाता सूची से सम्बन्धित शिकायतों को सप्रमाण दिया गया लेकिन उस पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। अखिलेश ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव कराने की है। उसके कर्तव्य पालन से ही लोकतंत्र जीवित रह सकता है। खुले माहौल में ही विपक्ष जनता के बीच अपनी बात पहुंचा सकता है। आशा है, चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाते हुए बेलगाम सरकारी तंत्र को सक्रिय नहीं होने देगा और हमेशा की तरह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए ढाल बनेगा। जब चुनाव में निष्पक्षता होगी तभी चुनाव आयोग की गरिमा और प्रतिष्ठा भी बची और बनी रहेगी।

रायबरेली और अमेठी में कांग्रेस का असमंजस सत्तापक्ष को दे रहा मौका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रायबरेली और अमेठी कभी कांग्रेस परिवार का गढ़ माना जाता था। आज कांग्रेस की स्थिति यह है कि इन दोनों लोकसभा सीटों पर उसे योग्य उम्मीदवार नहीं मिल पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस को समझौता के तहत उप्र में समाजवादी पार्टी ने सिर्फ 17 सीटें दी। उसमें भी कांग्रेस अभी चार सीटों मथुरा, प्रयागराज, अमेठी और रायबरेली पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पायी। ऐसी सीटों पर उम्मीदवारों का संशय कांग्रेस नेताओं के लिए ही दुविधा पैदा कर दिया है। उधर, भाजपा नेता पूछ रहे हैं कि कांग्रेस के युवराज की घोषणा दक्षिण से तो पहले ही हो गयी, जिसको वे अपना घर कहते हैं, वहीं से पलायन कर रहे हैं। इसका कारण है कि कांग्रेस भी जानती है कि इस बार उप्र में सभी अस्सी सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित है। 12 उम्मीदवारों को दो हजार से अधिक मत मिले थे। स्मृति और राहुल गांधी के बाद सबसे ज्यादा मत पाने वाले तीसरे स्थान पर रहने वाले ध्रुव लाल को 7,816 मत मिले थे। इससे पहले यह सीट संजय गांधी और उनके बाद राजीव गांधी के पास रहा करती थी। राहुल गांधी 2004, 2009, 2014 में सांसद थे। उनसे पहले एक बार 1999 में सोनिया गांधी इस सीट से चुनाव जीत चुकी हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी से कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा की स्मृति ईरानी से 55,120 वोटों से हार गये थे। यह तब स्थिति थी, जब सपा और बसपा ने रायबरेली और अमेठी को कांग्रेस के समर्थन में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। उस चुनाव में भाजपा की स्मृति को 4,68,514 मत मिले थे, वहीं राहुल गांधी को 4,13,394 मत मिले थे। अमेठी में कुल 27 उम्मीदवार खड़े थे। इसमें नोटा को लेकर 19 उम्मीदवारों को एक हजार से ज्यादा मत मिले थे। रायबरेली लोकसभा सीट से 2004 से अब तक सोनिया गांधी सांसद रही हैं। इस बार राज्यसभा सांसद बनने के बाद उन्होंने रायबरेली की जनता के नाम भावुक पत्र भी भेजे थे। पिछली बार उन्होंने कांग्रेस से ही निकले भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह को 1,67,178 वोटों से पराजित किया था। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो अब तक इस घोषणा के न होने से जहां सत्तापक्ष को बोलने का मौका मिल गया है, वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में मायूसी है। एक कांग्रेस नेता का कहना है कि जब रायबरेली और अमेठी जैसे सेफ सीटों पर उम्मीदवार घोषित करने में इतना हिचक रहे हैं तो आगे उप्र की रणनीति कैसे बनाएंगे। कांग्रेसी नेता का कहना है कि हम यहां पर सिर्फ सपा के भरोसे रह गये हैं। इससे कार्यकर्ताओं में निराशा है, हालांकि चुनाव आते-आते कार्यकर्ताओं में कुछ उत्साह आ जाने की उम्मीद है।

भाजपा का कहना है कि कांग्रेस पहले से जान रही है कि यूपी में उसे एक सीट भी नहीं मिलनी है। ऐसे में वह उप्र में सक्रियता बढ़ाकर अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहती। वहीं कांग्रेस के प्रवक्ता का कहना है कि जल्द ही शेष चार सीटों भी उम्मीदवारों की घोषणा हो जाएगी। इस बार हम उप्र की सभी सीटों पर सपा के साथ मिलकर भाजपा को हराने का काम करेंगे।

परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के अंदर प्रत्याशियों को देना होगा चुनावी खर्च का लेखा-जोखा

लोकसभा चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव में प्रत्येक उम्मीदवार को परिणाम घोषित होने के 30 दिन के भीतर अपने चुनाव संबंधी खर्च का लेखा-जोखा जिला निर्वाचन अधिकारी के पास जमा करना होगा। उल्लेखनीय है कि बिना किसी ठोस कारण के निर्धारित समय सीमा के अंदर निर्वाचन व्ययों का लेखा-जोखा दाखिल करने में असफल रहने पर संबंधित प्रत्याशी को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-10 (क) के तहत आदेश जारी किए जाने की तिथि से 3 वर्ष के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सोमवार को यह बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-77(1) के तहत लोकसभा या विधानसभा के प्रत्येक प्रत्याशी के लिए उसके नामांकन की तारीख से निर्वाचन के परिणाम की घोषणा की तारीख तक उसके द्वारा किए गए सभी व्ययों का पृथक-पृथक एवं सही लेखा रखना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि निर्वाचन के दौरान प्रत्याशी द्वारा किया गया व्यय लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-77(3) के अधीन निर्धारित राशि से अधिक नहीं होना चाहिए। वर्तमान में प्रदेश के प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचन व्ययों की अधिकतम सीमा 95 लाख रुपये तथा प्रत्येक विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र के लिए अधिकतम 40 लाख रुपये निर्धारित है। प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन में निर्धारित सीमा से अधिक व्यय किया जाना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123(6) के अंतर्गत भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रत्याशी को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-10 (क) के अंतर्गत आयोग द्वारा आदेश निर्गत किये जाने की तिथि से 03 वर्ष के लिए निहर्रित किया जा सकता है और आईपीसी की धारा-171(अ) के अंतर्गत जुर्माने से भी दण्डित किया जा सकता है। निर्वाचन व्यय की सीमा से अधिक व्यय किये जाने की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा-8ए के अंतर्गत भ्रष्ट आचरण का दोषी पाये जाने पर उच्च न्यायालय द्वारा 06 वर्ष तक निहर्रित किया जा सकता है तथा संबंधित निर्वाचन भी निरस्त किया जा सकता है। सम्प्रति आयोग की अद्यतन सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य के 121 व्यक्तियों को निर्वाचन लड़ने के लिए निहर्रित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन व्ययों संबंधी विभिन्न सामग्रियों की दरों को विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सर्व सहमति से निर्धारित कर दिया गया है, जो जिला निर्वाचन कार्यालयों में उपलब्ध हैं। उक्त निर्धारित दरों के आधार पर ही जिला निर्वाचन कार्यालयों में अभ्यर्थियों के लिए अनुरक्षित किये गये छाया प्रेषण रजिस्टर में व्यय का अंकन किया जाता है। उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार रिटर्निंग आफिसर तथा व्यय प्रेक्षक द्वारा प्रत्याशियों के निर्वाचन व्यय लेखों के निरीक्षण हेतु नामांकन से मतदान तिथि के मध्य तीन तिथियां निर्धारित की जाती हैं, जिनमें अभ्यर्थी द्वारा स्वयं अथवा अपने एजेंट के माध्यम से नियत तिथियों में दैनिक व्यय लेखा रजिस्टर का निरीक्षण कराया जाना अनिवार्य है। यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा किसी नियत तिथि में अपना दैनिक व्यय लेखा रजिस्टर निरीक्षण के लिए निरीक्षण कार्यालय नहीं प्रस्तुत किया जाता है तो रिटर्निंग आफिसर द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा कि तीन दिन के भीतर व्यय लेखा प्रस्तुत कर दिया जाए। यदि फिर भी अभ्यर्थी द्वारा अपने दैनिक व्यय लेखा के रजिस्टर का निरीक्षण नहीं कराया जाता है, तो रिटर्निंग आफिसर द्वारा उस अभ्यर्थी को वाहनों के प्रयोग के लिए दी गयी अनुमति वापस ले ली जायेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अभ्यर्थियों व राजनैतिक दलों की निगरानी हेतु एक तंत्र विकसित किया गया है, जिसमें व्यय प्रेक्षक, सहायक व्यय प्रेक्षक, वीडियो निगरानी दल, वीडियो अवलोकन दल, लेखाकरण दल, शिकायत अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष एवं कॉल सेंटर, मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति उड़न दस्ता एवं स्थैतिक निगरानी दल के साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियां यथा पुलिस, आबकारी, एसजीएसटी, वन, जीआरपी एवं आयकर, नार्कोटिक्स, सीजीएसटी, आरपीएफ, एसएसबी, सीआरपीएफ, सिविल एवियेशन, पोस्ट आफिस, आरबीआई आदि के माध्यम से निगरानी कार्य कराया जा रहा है। इन प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा निर्वाचन अवधि के दौरान जो भी इन्टरसेप्शन व जब्ती की जाती है, उसकी रिपोर्टिंग आयोग द्वारा विकसित पोर्टल इलेक्शन सीजर मैनेजमेन्ट सिस्टम (ईएसएमएस) पर निरन्तर की जा रही है।

विश्वनाथ धाम

मार्च में भक्तों ने तोड़ा सावन का रिकॉर्ड 95 लाख से ज्यादा लोगों ने किए दर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का नित नया रिकॉर्ड बन रहा है। मार्च माह के आखिरी दिन रविवार को दरबार में 6 लाख 36 हजार 975 श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया।

मंदिर न्यास के अनुसार पूरे मार्च माह में 95 लाख 63 हजार 432 भक्तों ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई, जो पिछले मार्च माह के रिकॉर्ड से करीब ढाई गुना है। न्यास के अनुसार पिछले वर्ष के मार्च माह में 37 लाख 11 हजार 60 श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया था। श्रद्धालुओं की दरबार में लगातार बढ़ती भीड़ से पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में मंदिर की आय में लगभग 191 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के नव्य और भव्य विस्तारित स्वरूप के लोकार्पण के बाद काशी सहित मंदिर में पहुंचना सुगम हो गया है। तेजी से बदलती काशी और मंदिर को देखने का आकर्षण भारत ही नहीं पूरे दुनिया में बढ़ रही है। अयोध्या से श्रद्धालुओं का पलट प्रवाह से मंदिर में भीड़ ज्यादा हो रही है। मंदिर में देश दुनिया से उमड़ने वाली भीड़ से वाराणसी के पर्यटन उद्योग में भी उछाल आया है। बनारसी खानपान, ट्रैवल इंडस्ट्री, परिवहन, हस्तशिल्प कला, साड़ी,पूजन सामग्री के व्यवसाय तेजी से फल-फूल रहे हैं। शहर में श्रद्धालुओं के चलते ई-रिक्शा,ऑटो और छोटे वाहनों की संख्या भी बेहिसाब बढ़ रही है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास के लोगों का मानना है कि मंदिर में प्रतिदिन खास कर शनिवार, रविवार और सोमवार को सवार्धिक भीड़ हो रही है। सप्ताह के आखिरी दिनों में लोग काशी घुमने और दर्शन पूजन के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं।

तालाब में डूबने से तीन मासूमों की मौत

● तीनों अक्सर एक साथ ही रहते थे

परिवारी जनों को समझाते अधिकारी

मौदहा, हमीरपुर। क्षेत्र के ग्राम कुन्हेंटा गांव में सोमवार की दोपहर को तालाब में नहाने गए तीन मासूम दोस्तों की पानी में डूबने से मौत हो गई। इस घटना से मृतकों के परिजनों में में कोहराम मच गया। थाना बिवांर के ग्राम कुन्हेटा निवासी मोहित (11) पुत्र नन्हूँ वर्मा, विक्की (12) पुत्र भगवान दीन श्रीवास व दीपांशु (11) पुत्र मुन्ना वर्मा गांव के देवी तालाब में नहाने की मंशा से अपने कपड़े तालाब के किनारे रख पानी में कूद पड़े, तभी वह अनजाने में वह गहरे पानी में चले गए। तैरना न जानने होने के चलते तीनों बालक पानी में डूब गये लगभग एक घंटे बाद तालाब के पानी में मोहित का शव तैरते देख ग्रामीण ग्रामीण में हड़कंप मच गया। उन्होंने आनन फानन मोहित को पानी से निकाल परिजनों की मदद से सरकारी अस्पताल मौदहा पहुँचाया जहां चिकित्सक ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। मोहित के दोस्तों विक्की व दीपांशु के कपड़े तालाब के किनारे रखे होने के कारण पहले तो उनके परिजनों ने उन्हें गांव में ढूंढा कि मोहित को डूबता देख दोनों कहीं भाग न गए हो लेकिन जब वह तलाशने के बाद कहीं नहीं मिले तो परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से तालाब के पानी में उनकी खोज शुरू की जिसमें ग्रामीणों की मेहनत रंग लाई उन्होंने थोड़े से ही प्रयास में पानी के अंदर से विक्की और दीपांशु को गंभीर हालत में निकला और बिना समय गवाये एंबुलेंस की मदद से उन्हें सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने विक्की व दीपांशु को भी मृत घोषित कर दिया। परिजन रोते बिलखते सरकारी अस्पताल की ओर भागे। मोहित, विक्की व दीपांशु बाल्यावस्था से ही साथ में खेलते कूदते रहने के कारण आपस में अच्छे दोस्त थे। वह गांव के जूनियर हाईस्कूल में कक्षा सात के छात्र थे। वह सुबह से शाम तक अक्सर साथ देखे जाते थे।

आधा दर्जन बीजेपी के लोगो ने सपा की ली सदस्यता

फर्रुखाबाद। आज सपा केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी छोड़कर आए योगेंद्र मिश्रा, आलोक दीक्षित, प्रदीप दीक्षित, राहुल दुबे, ईशान चतुर्वेदी, एवं ओम दीक्षित ने समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव के समक्ष सपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर सपा जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने सभी लोगों को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष इरफान उल हक कादरी, पूर्व विधायक अजीत कठेरिया, प्रदेश सचिव सर्वेश अंबेडकर, जिला महासचिव इलियास मंसूरी, जिला अध्यक्ष युवजन सभा शिवम यादव, जिला अध्यक्ष लोहिया वाहिनी अनुराग यादव,डॉक्टर हरिनंदन यादव, सह मीडिया प्रभारी अखिल कठेरिया, छात्र सभा अध्यक्ष हर्ष गंगवार, मुख्तियार आलम आदि लोग उपस्थित रहे। उपरोक्त सभी भाजपा से सपा में शामिल हुए नेतागण जिला अध्यक्ष युवजन सभा के शिवम यादव के नेतृत्व में हुए। सपा में शामिल हुए योगेंद्र नाथ मिश्रा के पिता राधेश्याम मिश्रा 1990 में भाजपा के जिला अध्यक्ष रहे।

ट्रेन के सामने कूदकर टाइपिस्ट ने कर ली आत्महत्या

फर्रुखाबाद। ट्रेन से क टकर एक टाइपिस्ट ने आत्महत्या कर ली। सुधांशु कोतवाली फतेहगढ़ के मोहल्ला सिविल लाइन निवासी स्व. विमल का 32 वर्षीय पुत्र सुधांशु यादव था। सुधांशु यादव आज सुबह घर से निकल गया उसने जिला जेल के निकट सुबह 6 बजे पैसेंजर ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि फतेहगढ़ कचहरी में टाइपिस्ट का कार्य करने वाले सुधांशु की फिरोजाबाद की मनीषा के साथ विवाह हुआ था, बीते दिन उसका पत्नी से झगड़ा हुआ था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है ।

जोनल मजिस्ट्रेट निर्वाचन की महत्वपूर्ण कड़ी: डीएम

● जिलाधिकारी, सीडीओ ने दिया निर्वाचन का प्रशिक्षण, बताईं चुनाव की बारीकियां

लखीमपुर खीरी। लोकसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए नियुक्त जोनल मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में जिला निर्वाचन अधिकारी, डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने जोनल मजिस्ट्रेट को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न करवाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने निर्वाचन के दौरान उनकी भूमिका, कर्तव्य व कार्य दायित्व बताएं और यह भी कहा कि आप सभी के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है, इसलिए उसका कुशलतापूर्वक निर्वहन करें। डीईओ ने जोनल मजिस्ट्रेट्स से अपने.अपने क्षेत्र के बारे में जानकारी प्राप्त करने, क्षेत्र में पोलिंग बूथ का सतत निरीक्षण करने, चुनाव प्रत्याशियों द्वारा मतदान केन्द्र से सौ एवं 200 मीटर के दायरे में की जाने वाले गतिविधियों के संबंध में पूरी निगरानी रखने के निर्देश दिए। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि निर्वाचन में जोनल ऑफिसर की महती भूमिका हैए इसलिए सौंपे गए दायित्वों का सजगता, सतर्कता व विवेकपूर्ण तरीके से निर्वहन करें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी, एडीएम संजय कुमार सिंह ने कहा कि भयमुक्त होकर, पारदर्शिता के साथ मतदान प्रक्रिया सम्पन्न करवाएं। ट्रेनर ने सवाल जवाब के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया को समझाया। इसके अलावा उन्होंने आचार संहिता का ठीक से पालन करने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रभारी अधिकारी (प्रशिक्षण), पीडी एसएन चौरसिया, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी तौसीफ अहमद सभी जोनल मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

'राम के राम' नामक पुस्तक का विमोचन

फतहेगढ़। महासमाधि, ब्रम्ह्लीन परम सन्त महात्मा रामचन्द्र जी महाराज (लाला जी महाराज) कानपुर रोड, नवदिया, फतहेगढ़ स्थित आश्रम के तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूज्नीय लाला जी महाराज के प्रपौत्र विनय और समीर द्वारा लिखी गई 'राम के राम नामक' पुस्तक का विमोचन दिल्ली से आए आचार्य प्रभात मोहन व लखनऊ से पहुंचीं आशा सक्सेना पत्नी स्वींगीय डॉ. वीके सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में लाला जी महाराज के अनुयायी मौजूद थे।

आश्रम से मिली जानकारी के मुताबिक लाला जी महाराज की 150वीं जंयती पर केन्द्र सरकार द्वारा उनकी स्मृति में 150 रुपए का स्मारक सिक्का जारी किया गया था। आश्रम में मौजूद भक्तों ने 'रघुपति राघव राजा राम' का सामूहिक पाठ किया। कार्यक्रम के अन्त में भक्तों ने ईश्वर की अराधना कर ईश्वर से देश में शान्ति और भाईचारे व भारत के उज्जवल भविष्य के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मुख्य रूप से लाला जी महाराज के अनुयायी उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरान्त भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

चुनाव आचार संहिता का पालन न करने पर होगी कार्रवाई: निर्वाचन अधिकारी

● पालिका में गठित टीमों के कार्यों की समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

समीक्षा बैठक लेने के उपरान्त जानकारी देते ईओ अनिल पंडित।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। स्थानीय नगर पालिका परिषद कार्यालय में अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित ने अधिनस्थों के साथ आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में गठित टीम के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले प्रत्याशी के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जायेगी। बताते चलें कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के चलते पूर्व में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी सुभ्रांत कुमार मिश्रा द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू होने के उपरान्त अधिशासी अधिकारी द्वारा दो जोन में पॉच टीमों का गठन कर सार्वजनिक स्थानों पर लगे पोस्टर, वैनर व होडिंगों को हटवाया गया था। सोमवार को पालिका कार्यालय में अधीनस्थ कर्मियों के साथ अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित ने एक बैठक ली। जिसमें आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में अब तक की गई कार्यवाही की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि गठित टीमों द्वारा अपने कार्य में लापरवाही बरतने पर उनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर प्रधान लिपिक आरपी सिंह, जिलेदार सिंह, अशोक शर्मा, राजेश वर्मा, मनोज तिवारी, गौरव मिश्रा, जनार्दन मिश्रा, मोहित गुप्ता सहित तमाम कर्मी मौजूद रहे।

शराब पीने से मना किया तो दबंगो ने पैथालाजी संचालक को मारापीटा, रिपोर्ट दर्ज

कुरारा (हमीरपुर)। दबंगो को शराब पीने से मना करने पर कस्बा कुरारा के पैथालोजी संचालक को जमकर मारापीट। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कस्बे के बेरी तिराहा के समीप रहने वाले पैथालोजी संचालक नरेश कुमार विश्वकर्मा पुलिस को बताया कि बीती शाम अपनी दुकान में था। तभी दुकान के चबूतरे में कस्बा निवासी देवेंद्र उर्फ लाला व हामिद आकर शराब पीने लगे तो मै ने उनको मना किया तो दोनो नाराज होकर गाली गलौज करने लगे। तथा इसके बाद अपने अन्य साथियों के साथ दुकान में घुसकर मेरे साथ मारपीट करने लगे तथा जान से मारने की धमकी दी शोर सुनकर मेरी पत्नी बचाव करने आई तो उसके साथ भी गाली गलौज कर छेड़खानी की। पीड़ित ने बताया कि मारपीट में मेरे चोट आई है। आरोपी देवेंद्र उर्फ लाला, अशोक पुत्रगण जयराम, हामिद पुत्र सत्तार,राजेश व सुनील नाम पता अज्ञात के खिलाफमारपीट करने,गाली गलौज, छेड़खानी का मुकदमा दर्ज किया है।

क्विक न्यूज

जनपद में शुरू हुआ संचारी रोग नियंत्रण अभियान

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह व मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन के मार्गदर्शन में संचारी रोग नियंत्रण अभियान रैली का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके सिंह ने आमजन से अपील की कि मच्छर जनित बीमारियों से बचाव हेतु गमलोध्वयारियों की नियमित सफाई करें, पुराने टायरध् कबाड़ में पानी का जमाव न होने देए सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, पानी की टंकी को ढक कर रखेंए नालियों की सफाई रखें, हैंडपंप के पास पानी जमने ना दे, कूलर फ्रिज की ट्रे की साप्ताहिक सफाई करेंए कचरेदानी को ढक कर रखें। उन्होंने कहा की इस अभियान के तहत विभिन्न विभागों के समन्वय से नालियों के साफ सफाईए एंटी लार्वा फागिंग व अन्य संबंधित गतिविधियां तहसीलों, ब्लाकों, गांव में कराई जाएगी, साथ ही साथ इस अभियान के दौरान आशा, आंगनवाड़ी घर.घर जाकर लोगों को जागरूक भी करेंगी।

● संचारी रोग नियंत्रण के तहत चलाया जाएगा साफ सफाई, झाड़ी कटाई, दवा छिड़काव व जागरूकता अभियान

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया सर्टिफिकेशन मॉनिटरिंग कमेटी एमसीएमसी कक्ष का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

कानपुर देहात। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार के द्वारा मीडिया सर्टिफिकेशन मॉनिटरिंग कमेटी एमसीएमसी कक्ष का निरीक्षण किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रिंट मीडिया के विभिन्न पेपरों व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के चैनलों का अवलोकन कियाएउपस्थित प्रभारी अधिकारी एमसीएमसी को निर्देश दिया कि आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आए हुए विज्ञापनो व पेड न्यूज से संबंधित रिपोर्ट दिन प्रतिदिन निर्धारित प्रारूप पर भरकर प्रेषित की जाय। निष्पक्ष/पारदर्शी चुनाव के लिए एमसीएमसी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है ऐसे में इस जिम्मेदारी में लगाए गए अधिकारी कर्मचारी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करें। जिला सूचना अधिकारी अधिकारी नरेंद्र मोहन जिला मत्स्य अधिकारी, अपर जिला सूचना अधिकारी रविंद्र सिंह तथा अन्य अधिकारीए कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

पानी भरने के विवाद में युवती को पीटा, मुकदमा दर्ज

फतेहपुर। सरकारी हैंडपंप में पानी भरने के विवाद में पड़ोसी ने एक युवती को बाल पकड़कर घसीट कर बेरहमी से पीटा जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस ने मामले में चार आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। किशनपुर थाना क्षेत्र के रारी गांव में जवाहरलाल पासवान के घर के सामने सरकारी हैंडपंप लगा है जहां बीते शुक्रवार पड़ोसी बीस वर्षीय युवती जवाहरलाल के दरवाजे पानी भरने गई थी तभी जवाहरलाल ने पानी भरने से मना किया जिसको लेकर युवती और जवाहरलाल के बीच गाली गलौज हुई जिसके बाद जवाहरलाल ने युवती के बाल पकड़कर पटक दिया और लात घूसों से जमकर पिटाई कर दी जिसका किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया तो हड़कंप मच गया। मामले में पुलिस ने गायत्री देवी के पिता दयाराम की तहरीर पर आरोपी जवाहरलाल, कौशल्या देवी, राजरानी व अश्वनी कुमार के विरुद्ध मारपीट गाली गलौज और जान से मारने की धमकी का केस दर्ज कर तत्काल जवाहरलाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत, भतीजा चुटहिल

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के बेला मोड़ के समीप रविवार की शाम ट्रक की चपेट में आ जाने से 75 वर्षीय बाइक सवार वृद्ध की मौके पर मौत हो गई। वहीं भतीजा चुटहिल हो गया। जानकारी के अनुसार बांदा जनपद के थाना कमासिन निवासी स्व. भगवानदीन द्विवेदी का पुत्र रामस्वरूप द्विवेदी अपने भतीजे उमाकांत के साथ बीमार बहन मुन्नी को देखने रायबरेली जनपद जा रहे थे। बाइक जैसे ही बेला मोड़ के समीप पहुंची तभी तेज रफ्तार आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे वृद्ध की घटनास्थल पर मौत हो गई। वहीं भतीजा मामूली तौर पर चुटहिल हो गया। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया, वहीं चालक सहित ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया।

बीमारी से तंग महिला ने लगाई फांसी

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के असवा बक्सपुर गांव निवासी तारा सिंह की पत्नी सहोदरा देवी ने रविवार की रात घर के अंदर पंखे के हुक से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका के पति तारा सिंह ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष से दिल की रोगी थी।

एसडीएम ने वेबकास्टिंग को लेकर दिए निर्देश

बैठक को संबोधित करतीं एसडीएम

संडीला (हरदोई)। आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए वेबकास्टिंग के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। तहसील सभागार में आयोजित बालामऊ और संडीला विधानसभा के समस्त नायब तहसीलदरों, खण्ड विकास अधिकारियों, खण्ड शिक्षाधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, अधिशासी अधिकारी, राजस्व निरीक्षक एवं लेखपालों की बैठक में एसडीएम तान्या सिंह ने वेबकास्टिंग के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत अपने क्षेत्रों में आने वाले सभी संवेदनशील एवं अति संवेदनशील बूथों की आवश्यक तैयारी करलें ताकि वेबकास्टिंग में किसी प्रकार की बाद में समस्या उत्पन्न न हो।

पचास से अधिक जर्जर परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के सर पर मंडराता रहता है खतरा

हमीरपुर। कुरारा ब्लाक में पचास से अधिक परिषदीय विद्यालय जर्जर हालत में है,मगर लोनिवि की जांच टीम में इसका सत्यापन नही किया है जिससे हर समय मासूमों के सर पर खतरा मंडराता रहता है। खंड शिक्षा अधिकारी ने मामले की जानकारी बीएसए को दे दी है।

जानकारी के मुताबिक लाखों रुपये की कीमत के निर्मित अधिकांश प्राइमरी व जूनियर विद्यालय दस साल पहले ही जर्जर हो जाते है। हालाकि कुरारा ब्लाक के विद्यालय कुछ बीस साल अवधि पार कर चुके है मगर अभियंताओं का कहना है कि नव निर्मित विद्यालय की लाइप कम से कम पचास साल से अधिक होना चाहिये। मजे की बात तो यह है कि विद्यालय जब जर्जर हालत में होते है तो तकनीकि टीम लोनिवि रिपोर्ट लगाती है जब गुणवत्ता की जांच की जाती है तभी लोनिवि जांच करती है। जांच में टीम दोनो मर्तवा ओके रिपोर्ट दे देती है। कुरारा ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार कमल ने बताया कि ब्लाक में 121 परिषदीय विद्यालय है जिसमे शिक्षकों की संबंधित विद्यालयों की जांच करायी गयी जिमसे कम से कम पचास से अधिक विद्यालय जर्जर श्रेणी में आ चुके है ज्यादातर विद्यालय वृहद जर्जर की श्रेणी में आ रहे है। कई एकल कक्ष, रसोइघर, बरामद, बाउन्ड्रीवाल जर्जर हो चुकी है। तकनीकि रिपोर्ट जांच कमेटी लोनिवि को लगाना है कई मर्तवा पत्र लिखने के बाद कोई कार्यवाही नही हुई है जिससे हर समय बच्चों पर खतरा मंडरा रहता है।कई विद्यालयों की छत बरसात में टपकती है जिसमें बच्चों को इधर उधर बैठाना पड़ता है। समय से पहले विद्यालय जर्जर कैसे हो जाते है इस मामले की भी जांच होनी चाहिये। खंड शिक्षा अधिकारी ने बीएसए आलोक सिंह को पत्र लिखकर फिर से मामले को संज्ञान में डाल दिया है ताकि मामले को गंभीरता से लेकर जांच करायी जाये।

डीएम ने संचारी रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये निकाली रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय फतेहगढ़ से संचारी रोगों के प्रति आम जनमानस को जागरूक करने के लिये निकाली गई रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया गया इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

वही कायमगंज क्षेत्र के गांव मदारपुर प्राथमिक विद्यालय में खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार पाण्डेय ने स्कूल में आयोजित विशेष संचारी रोग नियत्रण अभियान, स्कूल चलो अभियान, और मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिससे अभिभावकों को भी जानकारी हो सके। बीडीओ ने सूर्य कुमार वर्मा व ग्राम प्रधान प्रतिमा वर्मा को स्कूल में अधूरे कायाकल्प के कार्यो को तत्काल पूरा कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वीडियो ने वार्षिक परीक्षा फल घोषित कर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को अंक पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए कहा जिन बच्चों को पुरस्कार नहीं मिले हैं उन्हें और मेहनत करने की जरूरत है वही नवीन सत्र के पहले दिन जिन बच्चों ने प्रवेश लिया उनको स्कूल बैग हिंदी ,गणित, अंग्रेजी, नोटबुक और पेंसिल बॉक्स देकर सम्मानित किया जिसे पाकर बच्चे बेहद खुश नजर आये इस अवसर पर नबाब सिंह वर्मा, सुधीर कुमार श्रीवास्तव, ओमप्रकाश नेगी,खेतल सिंह, पेशकार, जयवीर, कामिनी, सत्यवती, उमा, विद्या, आशा सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

संचारी रोगों के उत्पन्न होने में गंदगी एक महत्वपूर्ण हिस्सा: पवन

संवाददाता। फतेहपुर

एक से तीस अप्रैल तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दस से तीस अप्रैल तक चलने वाले दस्तक अभियान का सोमवार को नगर पालिका परिषद के प्रांगण में मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना ने गुब्बारे उड़ाकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान सीडीओ ने कहा कि हमारे आस-पास मौजूद गंदगी से ही संचारी रोग उत्पन्न होते हैं। इसलिए सफाई पर विशेष ध्यान दें। तभी रोगों से बचाव संभव है। उन्होने कहा कि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बाल विकास, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, शिक्षा, नगर निगम, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, दिव्यांग कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग को जो दायित्व सौंपे गए है आपस में समन्वय बनाते हुए टीम भावना के साथ जिम्मेदारी के साथ शत प्रतिशत अभियान को सफल बनाएं। प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डा. इश्तियाक अहमद ने बताया कि संचारी/संक्रामक रोग ऐसे रोग है जो एक रोगग्रस्त व्यक्ति से दूसरे स्वास्थ्य व्यक्ति में दूषित भोजन, जल के प्रयोग से तथा कीटों, जानवरों आदि के सम्पर्क में आने से फैलते है। अपर जिलाधिकारी धीरेन्द्र प्रताप, जिला मलेरिया अधिकारी डा. सुजाता ठाकुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब सिंह यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी उपेन्द्र राज सिंह, नगर पालिका परिषद सदर समीर कश्यप ने भी संचारी रोगों के बचाव के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी, आंगनबाड़ी, आशा कार्यकत्री उपस्थित रही।

आवंतीबाई नगर से शुरू कराया गया संचारी रोग नियंत्रण अभियान

गुरसहायगंज (कन्नौज)। शासन के निर्देशानुसार 01 अप्रैल से संचारी रोग नियंत्रण अभियान प्रारम्भ हो गया है जो कि 30 अप्रैल तक चलाया जायेगा। अभियान के दौरान पालिका के सभी वार्डों में माइक्रोप्लान के अनुसार सफाई अभियान, नालियों की सफाई, कचरा निस्तारण, एण्टीलार्वा एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, फॉगिंग तथा हैण्डपम्प मरम्मत सम्बन्धी कार्य कराये जायेंगे। यह जानकारी सोमवार को स्थानीय नगर पालिका परिषद कार्यालय में अधिशाषी अधिकारी अनिल पंडित ने दी। बताया कि इस सम्बन्ध में सभी जोनल सफाई प्रभारियों एवं सेक्टर सभाई प्रभारियों को पूर्व में ही बैठक कर निर्देशित किया जा चुका है। आज दिनांक 01 अप्रैल से आवंतीबाई नगर में प्रारम्भ हो गया है। बताया कि साउथ जोन के जोनल प्रभारी अशोक कुमार है जिनके अंडर तीन सेक्टर सफाई प्रभारी है प्रदीप, ओमकार तथा श्रवण कुमार वहीं नॉर्थ जोन के प्रभारी राजन बाबू है जिनके सेक्टर प्रभारी गणेश एवं अनिल कुमार है। इस दौरान प्रधान लिपिक आरपी सिंह, जिलेदार सिंह, अनिल प्रजापति, अशोक शर्मा, मनोज तिवारी, गौरव मिश्रा आदि मौजूद रहे। बताया कि उनके द्वारा प्रतिदिन जूम मॉनीटरिंग की जा रही है। उधर सफाई कर्मियों द्वारा मोहल्ला आजादनगर स्थित अम्बेडकर पार्क में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

अम्बेडकर पार्क में सफाई करते कर्मी।

● सभी बार्डों में माईक्रोप्लान के तहत होगा कार्यः ईओ

संचारी रोग नियंत्रण अभियान का हुआ आगाज, जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

● शहर से गुजरी जागरूकता रैली, वेक्टर कंट्रोल वाहन, किया जागरूक

लखीमपुर खीरी। सोमवार को कलेक्ट्रेट से संचारी रोग नियंत्रण अभियान का भव्य आगाज हुआ। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सीडीओ अनिल कुमार सिंहए सीएमओ के साथ अभियान का फीताकाटकर शुभारंभ किया। जन जागरूकता रैली, वेक्टर कंट्रोल वाहनों का फ्लैग ऑफकर रवाना किया। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मी अभियान के द्वारा आमजन को संचारी रोग के प्रति जागरूक करें। आपसी सामंजस्य बनाकर संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए शुरू हो रहे इस अभियान को सफल बनाएं। इस संदर्भ में जिन विभागों को जो भी जिम्मेदारियां दी गयी हैं। उसका पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन किया जाए। डीएम ने निर्देश दिया कि अभियान के दौरान आमजन में इस बात का व्यापक स्तर पर प्रचार.प्रसार किया जाए कि संचारी रोग से पीड़ित होने पर बिल्कुल भी झोलाझाप चिकित्सकों के चक्कर में न पड़ें। बल्कि सरकारी चिकित्सालयों से सम्पर्क कर उपचार कराएं।

सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए सामूहिक रूप से सहयोग जरूरी है। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने कहा कि घरए कार्यक्षेत्र तथा उसके आसपास पानी एकत्र न होने तथा मच्छरों के प्रजनन को रोकने हेतु आह्वान किया। बुखार होने पर बच्चों को बिना किसी देरी के उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लाये। कोई भी बुखार दिमागी बुखार हो सकता है। संचारी रोगों के बारे में अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नम्बर 1800.180.5145 कॉल करें। इस अवसर पर डीपीआरओ सौम्यशील सिंह, ईओ संजय कुमार, एसीएमओ डॉ अनिल कुमार गुप्ता, डीपीएम अनिल यादव सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024

आप कितने भी दल जुटा लो, आएंगे तो मोदी ही: शाह

भाषा। जोधपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब लोकतंत्र के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उनकी दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान लाखों लोगों को जेल में डाल दिया था और राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिया था। रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाओ रैली को लेकर इंडिया गठबंधन पर पलटवार करते हुए कहा, कितने भी दल इकट्ठा कर लो आएगा तो मोदी ही आएगा। प्रदेश के जोधपुर में गृह मंत्री जोधपुर में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जो भ्रष्टाचार करेगा वह सलाखों के पीछे जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है और उनके अगले कार्यकाल में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। शाह ने कहा, ए लोकतंत्र बचाने की बात करते हैं... राहुल बाबा आपकी दादी ने आपातकाल में लाखों लोगों को जेल में डाल दिया था...राजनीतिक पार्टियों पर प्रतिबंध लगाया था... आपको लोकतंत्र की बात करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने इंडिया गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा, ए जो कुनबा इकट्ठा हुआ है... कल उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाओ। क्यूं भई क्या हो गया है लोकतंत्र को। इस देश की जनता वोट डालने वाली है। तय करेगी। आप काहे को लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हो। कह रहे हैं हमारे नेता जेल में गए। भई मुझे बताओ 12 लाख करोड़ रुपए के घपले घोटाले करेंगे तो जेल में जाएंगे या नहीं जाएंगे। राहुल गांधी ने कल की रैली में आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस लोकसभा चुनाव में मैच फिक्सिंग की कोशिश कर रहे हैं, ताकि भारी बहुमत से चुनाव जीतकर संविधान खत्म किया जा सके। शाह ने इस पर कटाक्ष करते हुए आगे कहा, .. राहुल बाबा सुन लो क्यूं फरियाद कर रहे हो हमने 2014 में भी किया 2019 में भी किया। कहकर हम चुनाव लड़े थे कि जो भ्रष्टाचार करेगा वह जेल की सलाखों के पीछे चला जाएगा। शाह ने कहा, मित्रों ए लोग सरकार बनाने के सपने देख रहे हैं ... कितने भी दल इकट्ठा कर लो आएगा तो मोदी ही आएगा। केंद्र सरकार द्वारा किए काम गिनाते हुए शाह ने कहा कि हमने बुनियादी ढांचा के क्षेत्र में बहुत काम किए हैं। 10 साल में हर सप्ताह एक नई यूनिवर्सिटी खोलने का काम मोदी जी ने किया है। हर दिन 37 स्टार्टअप रजिस्टर्ड करने का काम मोदी जी ने किया है। भारत में हर दिन 16 हजार करोड़ रुपए के यूपीआई ट्रांजैक्शन होते हैं। भारत में हर दिन 14 किमी रोड बनती है। भारत में हर दिन गैस के 50 हजार कनेक्शन देने का काम मोदी जी ने किया है। हर सेकंड एक घर को नल

का कनेक्शन देने का काम भी मोदी जी और भाजपा ने किया है। उन्होंने कहा, हमने देश को मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध किया है, और इसके साथ-साथ हमने ढेर सारे वादे जो भाजपा की स्थापना से करे हैं उन सारे वादों को मोदी जी ने इन साल में पूरा करने का काम किया है। शाह ने कहा, मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दीजिए, भारत दुनिया में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

उन्होंने कहा, हमने डेढ़ सौ साल पुराने अंग्रेजों के कानून बदल दिए सौ साल पुरानी संसद बदली हमने नक्सलवाद व उग्रवाद को उखाड़ फेंकने का काम किया। शाह ने कहा, इसलिए 2014 में 55 फीसदी वोट के साथ 25 की 25 सीटें राजस्थान की जनता ने मोदी जी को दी थी। 2019 में वोट प्रतिशत बढ़कर 61 प्रतिशत हुआ और फिर सभी 25 सीटें भाजपा को मिली। अब मोदी जी फिर से आए हैं, इस बार 70 प्रतिशत वोट के साथ 25 की 25 सीटें जीतकर हैट्रिक लगानी है। उन्होंने कहा, इस लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे सामने 400 पार का लक्ष्य रखा है। 400 से ज्यादा सीटें राजग जीतेगा और 370 से ज्यादा सीटें भाजपा जीतेगी। उन्होंने कहा ए तुष्टिकरण करने वाले लोग हैं[8230].. पांच साल के अंदर राजस्थान में जगह जगह पर बहुमति समाज के धार्मिक स्थानों पर हमला हुआ[8230] कन्हैयालाल को मार दिया गया.. कई सारे लोगों को मार दिया गया .. ए तुष्टिकरण करने वाले लोग है हमारा मत है न्याय सबके साथ होगा तुष्टिकरण किसी का नहीं होगा। उन्होंने कहा राजस्थान इसी रास्ते पर चलने वाला है। गृह मंत्री ने कहा कि राजस्थान में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने पेपर लीक मामले के आरोपियों को भी जेल में डाल दिया है। उन्होंने कहा नरेन्द्र मोदी ने जो देश और दुनिया में भाजपा का और देश का झंडा बुलंद करने का काम किया है। इससे समग्र देश की जनता तैयार बैठी है मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए.. मगर वो जनता के पास जाकर उसको मतदान मथक तक ले जाने का काम आप सभी ने करना है।

मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संप्रग सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, दस साल पहले संप्रग की सरकार थी और देश के भविष्य को अंधकारमय करके सोनिया..मनमोहन ने रख दिया था 2014 में देश और राजस्थान की जनता ने मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का काम किया और दस साल में मोदी ने हर क्षेत्र में परिवर्तन लाने का काम किया है। उन्होंने कहा मोदी ने देश को सुरक्षित, समृद्ध करने का काम किया है। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद दस साल में 11वें नंबर से अर्थतंत्र को पांचवें नंबर पर लाने का काम नरेन्द्र मोदी ने किया। उन्होंने कहा मैं आज मोदी गारंटी बताने आपको आया हूं [8230]मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री कर दो भारत तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बन जाएगा। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को वापस ले लिया। उन्होंने राम मंदिर निर्माण पर भी प्रकाश डाला और कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी तुष्टीकरण की राजनीति के कारण ऐसा नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, हमने 150 साल पुराने कानून बदल दिए, 100 साल पुरानी संसद बदल दी।

पश्चिम बंगाल में आए तूफान में मृतक संख्या बढ़कर पांच

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के जलपाईगुड़ी जिले के कुछ हिस्सों में रविवार को आए तूफान के कारण मरने की वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। इस तूफान में 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जिला मुख्यालय शहर के अधिकतर हिस्सों और पड़ोसी मैनागुड़ी के कई इलाकों में ओलावृष्टि के साथ तेज हवाएं चलने से कई झोपड़ियां और मकान क्षतिग्रस्त हो गए, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए। ममता ने रविवार देर रात जिले का दौरा किया और लोगों को प्रशासन की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, अब तक, हमारे पास पांच लोगों की मौत होने की खबर है। घायलों की संख्या काफी अधिक है। मैंने घायलों और तूफान में मारे गए लोगों के परिजन से मुलाकात की। राज्य प्रशासन पीड़ित परिवारों की मदद के लिए हरसंभव कोशिश करेगा। मुआवजे के बारे में पूछे जाने पर ममता ने कहा, आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकती। आपको जिला प्रशासन से बात करनी होगी। तूफान के कारण राजारहाट, बार्निश, बकाली, जोरपाकड़ी, माधबडांगा और सप्तीबारी सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं एवं कई एकड़ क्षेत्र में लगी फसलों को नुकसान पहुंचा है। मुख्यमंत्री ने रविवार रात अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। उन्होंने तूफान में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों से भी बात की और उन्हें हर प्रकार की सहायता मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया। बनर्जी ने कहा, यह एक आपदा है, एक आपातकालीन स्थिति है। मैंने मृतकों के परिवारों और उन लोगों से मुलाकात की जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। मैं बचाव अभियान के तहत त्वरित कार्वाई करने के लिए प्रशासन को धन्यवाद दूंगी। हम लोगों के साथ हैं और उनके इलाज एवं मकानों के पुनर्निर्माण में मदद करेंगे। ममता तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के साथ जलपाईगुड़ी चिकित्सकीय महाविद्यालय एवं अस्पताल गईं और उन्होंने रास्ते में वीडियो कॉल के माध्यम से जिलों के अन्य हिस्सों के राहत शिविरों में मौजूद लोगों से भी बात की।

प्राथमिकियों को जोड़ने के लिए रिट क्षेत्राधिकार के तहत अनुरोध पर न्यायालय का उदयनिधि से सवाल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन से सोमवार को पूछा कि वह सनातन धर्म को खत्म करो वाली अपनी टिप्पणी को लेकर दर्ज कई प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की याचिका रिट क्षेत्राधिकार के तहत शीर्ष अदालत में कैसे दायर कर सकते हैं ? न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मंत्री से कहा कि वह आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 406 के तहत शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर सकते थे, जिसमें आपराधिक मामलों को हस्तांतरित करने का प्रावधान है, लेकिन रिट क्षेत्राधिकार से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसा नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, देखिए, कुछ मामलों में संज्ञान लिया गया है और समन जारी किए गए हैं। उच्चतम न्यायालय रिट क्षेत्राधिकार के तहत न्यायिक कार्यवाही नहीं कर सकता। न्यायालय ने उदयनिधि स्टालिन को कानूनी समस्याओं के मद्देनजर अपनी याचिका में संशोधन करने की अनुमति दी और छह मई से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई के लिए मामले को सूचीबद्ध किया। तमिलनाडु के मंत्री की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि यह टिप्पणी करने का मकसद राजनीतिक युद्धघोष करना नहीं था क्योंकि यह केवल 30 से 40 लोगों की सभा थी। न्यायमूर्ति दत्ता ने उन मामलों का जिक्र किया, जिनका प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने के लिए उदयनिधि स्टालिन ने हवाला दिया है। इनमें पत्रकार और राजनीतिक लोगों के मामले भी शामिल हैं।

न्यायालय ने प्रयागराज स्थित कृषि विवि के कुलपति को जमानत दी

धर्मांतरण मामला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश स्थित सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) के कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल को सोमवार को अंतरिम जमानत देने की पुष्टि की। अदालत ने यह राहत लाल को कथित धर्मांतरण सहित दो आपराधिक मामलों में दी है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा लाल की जमानत याचिका पर सुनवाई में देरी पर सवाल उठाते हुए पूछा, क्या हमें मामले में व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बारे में कुछ चिंता नहीं है। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी.पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने लाल की जमानत याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करते हुए प्रयागराज के नवाबगंज और नैनी पुलिस थानों में दर्ज दो प्राथमिकियों के संबंध में उन्हें चार मार्च को अंतरिम जमानत दे दी थी।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमारे द्वारा चार मार्च को पारित अंतरिम जमानत आदेश की हम पुष्टि करते हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि लाल को एक प्राथमिकी में लंबित जांच में पुलिस के साथ सहयोग करना होगा। प्रधान न्यायधीश ने मौखिक टिप्पणी की, हम महसूस करते हैं कि राज्य (पुलिस) इस मामले में अतिरिक्त रुचि ले रहा है। इसके साथ ही राज्य सरकार की एक अलग अर्जी को अनुमति देने से इनकार कर दिया जिसमें कुछ तथ्यों को छिपाने के आधार पर आरोपी को अंतरिम जमानत देने के चार मार्च के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया था।

शाहिद सिद्दीकी ने रालोद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी ने सोमवार को यह कहते हुए अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की कि संविधान और लोकतांत्रिक ढांचा खतरे में है तथा इस पर चुप रहना एक पाप है। सिद्दीकी ने यह कदम तब उठाया है जब रालोद कुछ दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल चुकी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कल, मैंने राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) की सदस्यता और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत सिंह को भेज दिया। आज, जब भारत का संविधान और लोकतांत्रिक ढांचा खतरे में है तो ऐसे में खामोश रहना एक पाप है।

दिलीप घोष और सुप्रिया श्रीनेत को लगी फटकार

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने महिलाओं की गरिमा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के लिए सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता दिलीप घोष और कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को फटकार लगाई है। घोष ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और श्रीनेत ने अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। आयोग ने कहा कि दोनों नेताओं ने निम्न स्तर का व्यक्तिगत हमला किया और यह आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन है।उन्हें आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। सोमवार से आयोग द्वारा इन दोनों नेताओं के चुनाव संबंधी संवाद पर विशेष और अतिरिक्त निगरानी रखी जाएगी। आयोग के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र में संवाद करते समय सावधानी बरतने और ऐसी किसी भी अपमानजनक टिप्पणी और आचार संहिता के दिशानिर्देशों के उल्लंघन से बचने के लिए अपने पदाधिकारियों को संवेदनशील बनाने के वास्ते चेतावनी नोटिस की एक प्रति उनके संबंधित पार्टी प्रमुखों को भी भेजी जा रही है। भाजपा और कांग्रेस के अध्यक्षों से आयोग ने कहा, आप कृपया चुनाव अभियान में शामिल सभी पार्टी पदाधिकारियों और सार्वजनिक क्षेत्र में बातचीत के लिए विशिष्ट सलाह जारी करें कि वे इस तरह

निर्वाचन आयोग ने अपमानजनक टिप्पणियों के लिए की कार्रवाई

का उल्लंघन न करें, आदर्श आचार संहिता का अक्षरश: पालन करें ताकि प्रतिक्रिया में इस तरह की टिप्पणियां नहीं हों। श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से सोशल मीडिया मंच पर बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ एक विवादास्पद टिप्पणी पोस्ट की गई थी। कंगना को भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है।

विवाद के बाद श्रीनेत ने अपने सभी सोशल अकाउंट्स से विवादास्पद टिप्पणियों को हटा दिया। उनका कहना था कि उनके अकाउंट तक कई लोगों की पहुंच है और यह टिप्पणी उनके द्वारा नहीं की गई। घोष एक वीडियो में तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पारिवारिक पृष्ठभूमि का मजाक बनाते हुए नजर आए थे। बाद में उन्होंने अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए माफी मांग ली। भाजपा ने श्रीनेत के खिलाफ चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया था, वहीं टीएमसी ने घोष के खिलाफ चुनाव आयोग से संपर्क किया था।

उच्चतम न्यायालय ने भोजशाला परिसर के वैज्ञानिक सर्वे पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश के धार जिले में मध्ययुगीन संरचना भोजशाला परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वेक्षण के नतीजे के आधार पर उसकी अनुमति के बिना कोई कार्वाई न की जाए। हिंदू और मुस्लिम दोनो एएसआई द्वारा संरक्षित 11वी सदी के इस परिसर पर अपना दावा जता रहे है। हिंदू भोजशाला को वागदेवी को समर्पित एक मंदिर मानते है जबकि मुस्लिम उसे कमाल मौला मस्जिद बताते है। एएसआई द्वारा सात अप्रैल 2003 को किए एक समझौते के तहत हिंदू मंगलवार को भोजशाला परिसर मे पूजा करते है जबकि मुस्लिम शुक्रवार को इसमे नमाज पढ़ते है। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा ने वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 11 मार्च के आदेश को चुनौती देने वाली मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की याचिका पर केंद्र, मध्य प्रदेश सरकार, एएसआई और अन्य को नोटिस जारी किए। पीठ ने कहा, चार सप्ताह मे नोटिस का जवाब दे। तब तक सर्वेक्षण के नतीजे पर इस अदालत की अनुमति के बगैर कोई कार्वाई न की जाए।

आदि कैलाश, ओम पर्वत के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले मे स्थित प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटक स्थलो आदि कैलाश तथा ओमपर्वत के लिए सोमवार को हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई। अधिकारियो ने यहां बताया कि इस हेलीकॉप्टर सेवा की शुरूआत पिथौरागढ़ के संयुक्त मजिस्ट्रेट आशीष मिश्रा ने नैनी सैणी हवाई अडडे से की। उन्होने बताया कि उत्तराखंड सरकार की हेली दर्शन योजना के तहत एमआई17 हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओ को हवाई अडडे से व्यास घाटी क्षेत्र मे आदि कैलाश और ओम पर्वत तक ले जाएगा और चोटियो के उपर कुछ देर चक्कर लगाने के बाद वापस हवाई अड्डे पहुंचाएगा। पिथौरागढ़ के जिला पर्यटन अधिकारी कीर्तिचंद्र आर्य ने बताया कि स्काई वन एयरवेज द्वारा संचालित दो घंटे के इस दौरे की लागत प्रति व्यक्ति 40 हजार रुपए होगी और इस पर जीएसटी अलग से देय होगा। उन्होने बताया कि आदि कैलाश और ओम पर्वत की इस उद्घाटन उड़ान मे 16 श्रद्धालुओ ने यात्रा की। फिलहाल इस योजना को प्रयोग के तौर पर चलाया जा रहा है। आर्य ने कहा, अगर यह प्रयोग सफल हुआ तो अगले माह से यह उड़ान श्रद्धालुओ को सप्ताह मे पांच दिन उपलब्ध रहेगी। मिश्रा ने बताया कि यह योजना राज्य के लिए एक उपलब्धि है और इससे आदि कैलाश क्षेत्र को बढ़ावा देने मे मदद मिलेगी। उन्होने बताया कि पिछले साल अक्टूबर मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश का दर्शन किए जाने से पर्यटको और श्रद्धालुओ मे इन धार्मिक पर्यटन स्थलो की लोकप्रियता मे जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई है।

पेज 1 का शेष

केजरीवाल ने...

जो वैसे भी दिल्ली के सीएम के काम के लिए है, न कि पार्टी के लिए। केजरीवाल जवाब देने से बचते रहे। यह सीएम कैंप कार्यालय में काम करने वाले व्यक्तियों की अनभिज्ञता का दावा करके किया गया है। याचिका में रेखांकित किया गया कि नायर पार्टी में कोई छोटे-मोटे स्वयंसेवक नहीं थे, बल्कि मीडिया और संचार के प्रमुख थे। गिरफ्तार व्यक्ति (केजरीवाल) ने उसे दिखाए गए डिजिटल सबूतों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाकर उससे पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया है। गिरफ्तार व्यक्ति ने अपने डिजिटल उपकरणों के पासवर्ड भी नहीं बताए हैं जो साक्ष्य संग्रह को बाधित करता है और उसके असहयोग को भी दर्शाता है। आवेदन में कहा गया है कि केजरीवाल को शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और यहां तक कि दिनेश अरोड़ा और अभिषेक बोइनपल्ली जैसे बिचौलियों सहित शराब व्यवसाय में शामिल अन्य सह-आरोपियों के साथ नायर की 10 से अधिक बैठकों के सबूत दिखाए गए थे। गिरफ्तार व्यक्ति को यह समझाने के लिए कहा गया था कि नायर किस अधिकार के साथ इन बैठकों में शामिल हुआ था, गिरफ्तार व्यक्ति ने इन व्यक्तियों के बारे में अनभिज्ञता का दावा करके सवाल को टाल दिया और यह स्पष्ट है कि नायर जैसा वरिष्ठ पदाधिकारी जिसने गिरफ्तार व्यक्ति के साथ मिलकर काम किया है, वह ऐसा नहीं कर पाएगा। रिमांड आवेदन में कहा गया, ऐसा इसलिए भी है क्योंकि इन साजिशों या बैठकों का अंतिम लाभ आप को गोवा चुनाव अभियान में मिला। इसमें कहा गया है कि केजरीवाल को लगभग 45 करोड़ रुपये के हवाला हस्तांतरण के सबूत दिखाए गए थे, जिसकी पुष्टि सीडीआर स्थानों, कॉल रिकॉर्ड, व्हाट्सएप चैट, गोवा में हवाला फर्म के जब्त किए गए डेटा और किए गए भुगतान के सबूत से हुई थी। याचिका में कहा गया है कि उन्हें उन गवाहों के कई बयान भी दिखाए गए, जिन्होंने गोवा में आप के अभियान पर काम किया था और जिन्होंने गोवा में आप के अभियान के लिए काम करने वाले चनप्रीत सिंह से नकद प्राप्त किया था। इसमें कहा गया है, उपरोक्त सभी सबूत दिखाने के बाद भी, गिरफ्तार व्यक्ति ने अनभिज्ञता का दावा किया, भले ही इन फंडों का लाभार्थी आप है, जिसका नेतृत्व वह कर रहा है। आवेदन में कहा गया है कि केजरीवाल ने आप के अन्य सदस्यों के बारे में गलत और विपरीत सबूत मुहैया कराए। इसमें कहा गया है कि आप के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एन डी गुप्ता ने कहा था कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने राज्य चुनाव प्रभारी या प्रभारी नियुक्त किया था, जो चुनाव अभियानों से संबंधित सभी मामलों का प्रबंधन करता था। दुर्गेश पाठक को गोवा चुनाव के लिए प्रभारी चुना गया। हालांकि, केजरीवाल ने कहा कि यह राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) है जिसने राज्य चुनाव प्रभारी का फैसला किया है। इसमें कहा गया, केजरीवाल पहले कहते हैं कि एनडी गुप्ता पार्टी के सक्रिय सदस्य हैं और पीएसी के सदस्य हैं और उन्हें पार्टी के कामकाज की जानकारी है, लेकिन जब गुप्ता के बयान से पता चलता है कि राष्ट्रीय संयोजक ऐसे निर्णय लेते हैं, तो श्री अरविंद केजरीवाल ने फोन किया राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष (गुप्ता) ने भ्रमित किया। याचिका में इस आधार पर केजरीवाल की 15 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की गई थी कि वह अत्यधिक प्रभावशाली हैं और अगर रिहा किया गया, तो इस बात की पूरी संभावना है कि मुख्यमंत्री गवाहों को प्रभावित करेंगे और सबूतों के साथ छेड़छाड़ करेंगे। इससे पहले, केजरीवाल के वकील ने उन्हें तीन किताबें - भगवद गीता, रामायण और नीरजा चौधरी की हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड - पढ़ने की अनुमति देने के लिए आवेदन दायर किया था। उन्होंने विशेष आहार और एक धार्मिक लॉकेट रखने की भी अनुमति मांगी थी। कोर्ट रूम में प्रवेश करते समय दिल्ली के सीएम ने पत्रकारों से कहा, पीएम मोदी जो कर रहे हैं वह देश के लिए अच्छा नहीं है। इसमें यह भी दावा किया गया था कि नायर ने अपने फोन पर फेसटाइम (आईफोन पर एक वीडियो कॉलिंग सुविधा) के माध्यम से समीर (महेंद्रू) और अरविंद केजरीवाल के लिए एक वीडियो कॉल की व्यवस्था की, जहां अरविंद केजरीवाल ने समीर से कहा कि, विजय उनका लड़का है और समीर को उस पर भरोसा करना चाहिए और उसके साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस मामले में शराब कारोबारी समीर महेंद्रू को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

भारतीयों..

एक राजदूत के लिए। हालाँकि, सामान्य प्रतीक्षा समय वास्तव में 200 दिनों से कम है। हमारे मौजूदा संसाधनों के साथ यह चुनौतीपूर्ण है।

लोस चुनाव...

अधिकार का प्रयोग करने के इच्छुक लोगों को चिलचिलाती गर्मी के दौरान अधिकांश राज्यों में कठिन समय का सामना करना पड़ सकता है, जहां उच्च लू चलने की भविष्यवाणी की गई है। चुनाव आयोग के अनुसार, पीडब्ल्यूडी श्रेणी के तहत लगभग 88.35 लाख मतदाता हैं। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, मतदाताओं को गर्मी का सामना करना पड़ेगा और उन्हें पहले से जारी विभिन्न सलाह के अनुसार सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी। हालांकि, रिजिजू ने विश्वास जताया, भारत में चुनाव के दौरान लोग चुनावी रैलियों, बैठकों के लिए निकलेंगे... पूरे देश में भारी गतिविधियां होंगी। आईएमडी प्रमुख के अनुसार, इस अवधि के दौरान भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान होने का अनुमान है, मध्य और पश्चिमी प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में सबसे गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना है। विभिन्न अध्ययनों ने पहले ही चिंता व्यक्त की है कि इस गर्मी में चुनावी प्रक्रिया के दौरान गर्मी की लहरें पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ने की संभावना है। भारत के चुनाव आयोग (ईसी) ने आगामी गर्मी के मौसम के दौरान मतदाताओं और मतदान कर्मियों की सुरक्षा के लिए सक्रिय उपाय के रूप में पहले से ही हीट वेव एडवाइजरी जारी कर दी है। इसने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को लू के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक उपाय लागू करने का निर्देश दिया है। आयोग ने अपनी सलाह में कथित तौर पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा प्रदान किए गए दिशानिर्देशों का पालन करने के महत्व को रेखांकित किया है। इन दिशानिर्देशों में चिलचिलाती धूप के संपर्क को कम करने के लिए, विशेष रूप से दोपहर 12.00 बजे से 3.00 बजे के बीच बाहरी गतिविधियों से परहेज करना शामिल है, जबकि लोगों से पर्याप्त पानी का सेवन करके हाइड्रेटेड रहने और निर्जलीकरण और संबंधित स्वास्थ्य समस्याएँ को रोकने के लिए बासी भोजन का सेवन करने से बचने का आग्रह किया जाता है। मतदाताओं और मतदान कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए, आयोग ने सीईओ को सभी मतदान केंद्रों पर पीने के पानी और पर्याप्त छाया जैसी बुनियादी सुविधाओं की गारंटी देने का निर्देश दिया है। यह कदम लंबे समय तक रहने वाले प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए आवश्यक समझा गया है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश जैसे क्षेत्र हीटवेव से काफी प्रभावित होने की आशंका है।

तमिलनाडु की..

का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने एक कदम आगे बढ़ते हुए कहा कि करुणानिधि, जो 2008 में मुख्यमंत्री थे, उनके नोटिस के संबंध में शीर्ष अदालत द्वारा जारी नोटिस के जवाब में सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दायर करने में अनिच्छुक थे। जयललिता ने कहा था, मुझे अधिकारियों ने बताया कि करुणानिधि ने उनसे केंद्र द्वारा हलफनामा दायर करने तक इंतजार करने और फिर केंद्र की बात मानते हुए हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा। करुणानिधि या द्रमुक को श्रीलंका से द्वीप वापस लेने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। जब एक द्रमुक सदस्य औचित्य का सवाल लेकर उठे, तो अम्मा ने उन्हें चेतावनी दी कि अगर द्रमुक कच्चातीवू के बारे में बहुत ज्यादा बोलेगी, तो उन्हें कुछ और खुलासे करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

लगातार बढ़ती ....

जैसा कि भारत चिलचिलाती गर्मी के तापमान और गर्म राजनीतिक अभियानों के लिए तैयार है, गमछा सिर्फ एक व्यावहारिक सहायक नहीं बल्कि अभियान पथ पर राजनीतिक पहचान और शैली का प्रतीक बना हुआ है।

देश को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की जरूरत: मोदी

रिजर्व बैंक के 90 साल पूरे होने के मौके पर पीएम ने अगले 10 साल महत्वपूर्ण

भाषा। मुंबई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत को अगले 10 वर्षों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है, ताकि राष्ट्र वैश्विक कारकों से ज्यादा प्रभावित न हो। रिजर्व बैंक के 90 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम प्रधानमंत्री ने कहा कि जून में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने पर हर किसी के लिए ढेर सारे काम सृजित होंगे। उन्होंने कहा, हमें भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ानी होगी। मोदी ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र फायदे में आ गया है और पिछले दशक में उनकी सरकार और आरबीआई द्वारा किए गए प्रयासों के कारण ऋण वृद्धि बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए), जो 2018 में लगभग 11.25 प्रतिशत थीं, सितंबर, 2023 तक घटकर तीन प्रतिशत से कम पर आ गईं। मोदी ने कहा कि ट्विन बैलेंस शीट (बैंकों और कंपनियों के बही-खाते के स्तर पर समस्या) की समस्या अब अतीत की बात हो गई है और बैंक अब ऋण में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरबीआई ने इन सभी उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में नियम-आधारित अनुशासन और राजकोषीय रूप से विवेकपूर्ण नीतियों को लागू करने में आरबीआई की उपलब्धि की सराहना की और बैंकों को सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया। मोदी ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के कदम उठाने के लिए आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ऐसे समय में नए रिकॉर्ड बना रही है, जब दुनिया के कई देश अब भी महामारी के आर्थिक झटके से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दुनियाभर में रुपए को अधिक सुलभ और स्वीकार्य बनाने के प्रयासों पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने आरबीआई के 90 साल पूरे होने पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। इस अवसर पर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैंस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त राज्यमंत्री भागवत किशनराव कराड और पंकज चौधरी उपस्थित थे।

अधिकारी नई सरकार के गठन के तुरंत बाद धमाधम काम के लिए तैयार रहें

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अधिकारियों से धमाधम काम के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होने कहा कि उनके लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के अगले ही दिन से भरपूर काम होने वाला है। प्रधानमंत्री ने आम चुनाव के बाद नई सरकार बनने का भरोसा जताते हुए कहा कि भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए और दृढ़ता तथा गंभीरता से काम शुरू होगा। आरबीआई के 90वे स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होने कहा, अभी 100 दिन चुनाव में व्यस्त हूं। आपके पास भरपूर समय है। आप सोच कर रखिए, क्योंकि शपथ लेने के दूसरे दिन ही धमाधम काम आने वाला है। सात चरण का लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से एक जून तक होगा। वोटों की गिनती चार जून को होगी। नई सरकार जून में शपथ लेगी। प्रधानमंत्री के रूप में 2019 में मोदी के दूसरे कार्यकाल में 100 दिन के भीतर जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ कई कदम उठाए गए थे। मोदी ने कहा कि कई नए क्षेत्र बन रहे हैं और उन क्षेत्रों के वित्तपोषण में विशेषज्ञता विकसित करने की आवश्यकता है

देशभर में लागू हो गया एक वाहन, एक फास्टैग मानदंड

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का एक वाहन, एक फास्टैग मानदंड सोमवार से लागू हो गया है। इसका उद्देश्य कई वाहनों के लिए एक फास्टैग के इस्तेमाल या एक वाहन से कई फास्टैग संबद्ध करने को हतोत्साहित करना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि अब एक वाहन पर एक से अधिक फास्टैग नहीं लगाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा, जिन लोगों के पास एक वाहन के लिए कई फास्टैग हैं, वे एक अप्रैल से उनका उपयोग नहीं कर पाएंगे। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई एनएचएआई ने पेटीएम फास्टैग का इस्तेमाल करने वाले वाहन मालिकों की समस्याओं को देखते हुए एक वाहन, एक फास्टैग पहल के अनुपालन की समयसीमा 31 मार्च तक बढ़ा दी थी। फास्टैग भारत में टोल संग्रह की इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था है और इसका संचालन एनएचएआई करता है। इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली की दक्षता बढ़ाने और टोल प्लाजा पर सुगम आवाजाही के लिए एनएचएआई ने एक वाहन, एक फास्टैग पहल शुरू की है। इसके जरिए प्राधिकरण कई वाहनों के लिए एक ही फास्टैग के इस्तेमाल पर लगाम लगाने के साथ कई फास्टैग को किसी खास वाहन से संबद्ध करने पर रोक लगाना चाहता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम की सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के ग्राहकों और कारोबारियों को 15 मार्च तक अपने खाते दूसरे बैंकों में स्थानांतरित करने की सलाह दी थी।

मार्च में जीएसटी संग्रह 1.78 लाख करोड़ पर

अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा आंकड़ा

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि घरेलू बिक्री बढ़ने से मार्च के महीने में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 11.5 प्रतिशत बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसके साथ ही समूचे वित्त वर्ष (अप्रैल 2023-मार्च 2024) में कुल जीएसटी संग्रह 20.18 लाख करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले की तुलना में 11.7 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय ने कहा, जीएसटी राजस्व मार्च, 2024 के लिए सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.78 लाख करोड़ रुपए के दूसरे उच्चतम स्तर पर रहा। यह उछाल घरेलू लेनदेन में 17.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि से प्रेरित था। अबतक का सर्वाधिक जीएसटी मासिक संग्रह अप्रैल, 2023 में 1.87 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया था।

पन्नू मामले की जांच में भारत के अपने सुरक्षा हित जुड़े हैं : जयशंकर

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में एक सरकारी अधिकारी की कथित संलिप्तता की जांच में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हित जुड़े हुए हैं। उन्होंने भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी के एक बयान के बारे में पूछे गए सवाल पर पत्रकारों से कहा, हम इसकी जांच कर रहे हैं क्योंकि हमारा मानना है कि इस जांच में हमारे खुद के राष्ट्रीय सुरक्षा हित जुड़े हुए हैं। गार्सेटी ने कहा था कि किसी दूसरे देश के नागरिक की हत्या के प्रयास में एक सरकारी अधिकारी की संलिप्तता अस्वीकार्य है।

रक्षा निर्यात पहली बार अभूतपूर्व बुलंदी पर पहुंचा: राजनाथ

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि देश का रक्षा निर्यात स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार 21,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करके अभूतपूर्व बुलंदी पर पहुंच गया है।उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारतीय रक्षा निर्यात अभूतपूर्व बुलंदी पर पहुंच गया है और यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार 21,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित उधारकर्ताओं ने बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा के मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है और ऋण को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत एक नोटिस जारी किया गया था। हालाँकि, इसकी तामील नहीं की गई और इसलिए उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता / सह-उधारकर्ता / गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों / संपत्ति का पता	नोटिस भेजने की तिथि / नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	अजय शर्मा, अनीता शर्मा, सी-3/206, जनकपुरी, दिल्ली - 110058 खाताः- LBDEL00002185998	विला नं. 4, द लीजेंड, जोकि सेक्टर-57, सुशांत लोक-।।। गुड़गांव-122001 में स्थित	06/02/2024 रु.3,07,79,605.3/-	03/11/2023
2.	मुकेश कुमार, अंजू सिंह, केपीएस क्लिनिकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, सी-510 प्रथम तल, बीटा-1, ग्रेटर नोएडा-201306 खाताः LBDEL00001916302	फ्लैट नं. के-208, टावर-के, दूसरी मंजिल, एवीजे हाइट्स, ग्रेटर नोएडा, नोएडा, उत्तर प्रदेश	14/02/2024 रु.13,69,463.66/-	14/11/2023
3.	पूरन सिंह बघेल, मोनिका सिंह बघेल, 26 जी, पॉकेट-ए-3, मयूर विहार फेज-।।।, दिल्ली - 110096 खाताः LBNOD00001361845	एमआईजी फ्लैट एस-2, द्वितीय तल (छत के अधिकार के साथ), फ्रंट एलएचएस, प्लॉट नं. बी-83, ब्लॉक-बी, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-2, गांव पसौंडा, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश- 201010	17/02/2024 रु. 4,55,559.22/-	09/12/2023
4.	गौतम गोंडवाल, सुनीता गोंडवाल, एमआईजी फ्लैट नं. 455, पॉकेट ए. सेक्टर-17, द्वारका, फेज-2, नई दिल्ली-110075, खाताः LBDEL00003035494	फ्लैट नं. डी-1302, 13वीं मंजिल, टॉवर डी, आलयास का आर, सेक्टर-102, गांव धनकोट, गुड़गांव, हरियाणा, 122001	17/02/2024 रु.18,95,912.81/-	03/11/2023
5.	प्रवीण प्रताप सिंह, शीतल, मकान नं. 529 दूसरी मंजिल, ऑर्किड IIand सेक्टर 51, गुड़गांव-122001 खाताः LBDEL00005375230	फ्लैट/अपार्टमेंट नं. ईएफ29-ए, भूतल और प्रथम तल, प्राइमंती, फेज ।।, जोकि सेक्टर 72 गुड़गांव-122001 में स्थित	19/02/2024 रु. 2,77,92,190.89/-	08/04/2023
6.	राजेंद्र प्रताप सिंह, स्वैता, 2031, संस्कृति, अपार्टमेंट, प्लॉट-35 सेक्टर-10, द्वारका, दिल्ली-110075 खाताः LBDEL00005044535	संपत्ति सं. ए-20, फ्रंट साइड/उत्तरी साइड, तीसरी मंजिल, पूर्ण छत के साथ, नारायणा विहार दिल्ली-110075	19/02/2024 रु. 4,00,79,290.58/-	06/12/2022
7.	अनिता शौकीन, आकाश शौकीन, बी 1 प्लॉट नं. 9, शमन विहार सीजीएचएस, सेक्टर 23 द्वारका, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110075, खाताः LBDEL00005331625/LBDEL00005164135	फ्लैट नं. बी-1, भूतल, प्लॉट नं. 9, सेक्टर 23, शमन विहार सीजीएचएस लिमिटेड, द्वारका दिल्ली-110075	22/02/2024/ रु.12,33,854/- रु.97,21,205/-	04/12/2023
8.	अनिता सिंह, तरूण तिलवार, हेला बजार, हाजीपुर, आईटीएचके, महाप्रभुजी बैठक के पास, बिहार, वैशाली-844101 खाताः- LBDEL00005182005	अपार्टमेंट नं. ए-302, तीसरी मंजिल, गोल्डन सैंड्स, ब्लॉक-ए, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़- 492001 (4 व्हीलर कार पार्किंग के साथ)	20/02/2024 रु. 45,95,915/-	28/12/2023
9.	हिंद एयरस्टार प्राइवेट लिमिटेड, समर कुरेशी, किरण कुरैशी, मैसर्स हिंद एयरस्टार प्राइवेट लिमिटेड, ए-1, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 1, दिल्ली-110020 खाताः LBDEL00002025600/ LBDEL00002025599/ LBDEL00002025598	यूनिट नं. आर 203 एन वेस्ट 3704, 37वीं मंजिल, टाइप-डुप्लेक्स, नोवा वेस्ट, जोकि सुपरनोवा, प्लॉट नं. 03, सेक्टर-94, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301	20/02/2024/ रु.29,22,169.39/- रु.1,91,88,079.77/- रु.29,56,831.22/-	09/12/2023
10.	अलका सिंह, चंद्र शेखर सिंह, ई-54ए, तीसरी मंजिल, विश्कर्मा कॉलोनी, पहलादपुर एम बी रोड, गौतम स्टोर, बदरपुर, दिल्ली-110044, खाताः LBDEL00004429479	फ्लैट नं. सी-1208, 12वीं मंजिल, टॉवर-सी, फ्लोरिडा सेक्टर-82, फरीदाबाद, हरियाणा-121001	23/02/2024 रु. 14,44,613/-	04/12/2023
11.	आशुतोष कुमार दुबे, रमेश तोशनीवाल, बी-996, दूसरी मंजिल, गेट नं. 4, ग्रीन फील्ड कॉलोनी, फरीदाबाद- 121003 खाताः LBDEL00005362596	प्लॉट नं. 124, सेक्टर-बी, खसरा नं. 68/10 और 11 का हिस्सा, पहली मंजिल (बिना छत के अधिकार के) आवासीय कॉलोनी, ग्राम सराय ख्वाजा, ग्रीनफील्ड्स कॉलोनी, हरियाणा, फरीदाबाद- 121001	23/02/2024 रु. 25,50,673/-	09/12/2023
12.	सुमंत बनर्जी, रखाहरि बनर्जी, बी/134-136, अंबेडकर कॉलोनी, स्ट्रीट नं. 1, छत्तरपुर, नई दिल्ली-110074, खाताः LBGUR00004679201	फ्लैट नं. जे-146, फ्लोर-14, सेक्टर-63ए, 63ए गोल्फ ड्राइव, अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी, टॉइप डी, टावर-जे, गांव उल्लाहवास, गुड़गांव, हरियाणा-122001	23/02/2024 रु. 19,15,391.59/-	14/12/2023
13.	मंतोष कुमार, सुसिप्त दास, ए-1 तीसरी मंजिल, कोहली विहार सेक्टर 49 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा- 201301 खाताः LBNOD00002372711/LBNOD00005375768	फ्लैट नं. टी13-2001, टॉवर नं. 13, 20वीं मंजिल, "एक्सोटिका ड्रीमविले", जोकि प्लॉट नं. जीएच-01/ए, सेक्टर-16सी, फेज-2, ग्रेटर नोएडा जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश नोएडा-201307 में स्थित	23/02/2024/ रु.22,11,045/- रु.88,289/-	09/12/2023
14.	तनु., नरेंद्र कुमार, एंजल मर्करी अपार्टमेंट, फ्लैट नं. बी-1603, माल रोड, अहिंसा खंड-2 इंदिरापुरम, गाजियाबाद- 201014 खाताः LBNOD00005176382	फ्लैट नं. ए-1711, 17वीं मंजिल, (बिना छत के), टॉवर ए, केडब्ल्यू सृष्टि, खसरा नंबर 1125/1, 1125/2 और 1125/3 जोकि नूर नगर, राजनगर एक्सटेंशन, एनएच-58, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001 में स्थित	29/02/2024 रु. 21,90,628.62/-	04/12/2023
15.	सुष्मिता भोवाल, शौमित्र कुमार भोवाल, निवासी बी-181 भूतल, डी.डी.ए मार्केट नं. 3 पार्क आली, साउथ वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली-110019 खाताः LBGUR00004910399	फ्लैट नं. ए-31, जोकि अमाया ग्रीन्स, सेक्टर-3, फर्रुख नगर, गुड़गांव, हरियाणा- 122001 में स्थित	29/02/2024 रु. 27,06,436/-	04/12/2023
16.	फ्यूचर यू इंडिया लिमिटेड, स्वीटी बंसल, विशाल कुमार बंसल, बबीता बंसल, फ्लैट नं. 202, ब्लॉक डी4, सोसाइटी-Ireo विक्ट्री वैली, सेक्टर 67, गुड़गांव-122101 खाताः TBDEL00006244315	प्लॉट नं. 634, ब्लॉक नं. 3, यूनिट नं. एनए, वार्ड नं. 13,14 गुड़ मंडी और लुहारोवाली धर्मशाला भादरा तहसील भादरा, हनुमानगढ़, गोरा देवी स्कूल, भादरा, हनुमानगढ़, भादरा, राजस्थान-335501	29/02/2024 रु. 10,21,078/-	15/11/2023
17.	मिन्हाज आलम, खतीजा, मकान नं. 641, टाइप 2 सेक्टर 6, पोस्टल एसबी सेक्टर-5 आर के पुरम, साउथ वेस्ट, नई दिल्ली-110022 खाताः LBDEL00005488227/LBGHZ00005871158	फ्लैट नं. बी-505, (बिना छत के) 5वीं मंजिल, टॉवर/ब्लॉक-बी, स्टार रामेश्वरम जोकि एनएच-58, राज नगर एक्सटेंशन, ग्राम नूर नगर, लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद-201001 में स्थित	29/02/2024 रु. 26,04,054/- रु. 76,139/-	07/12/2023
18	वाणी सिंग, मकान नं. 641, टाइप 2 सेक्टर 6, पोस्टल एसबी सेक्टर-5 आरके पुरम, साउथ वेस्ट, दिल्ली-110022, खाताः LBDEL00005957485/ LBGHZ00005981061	फ्लैट नं. ए-1204-ए, 12वीं मंजिल, टॉवर ए, महक जीवन, एनएच-58, राज नगर एक्सटेंशन, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001	29/02/2024/ रु.15,14,095/- रु.15,410/-	30/12/2023
19.	शिव विक्रम सिंह, भावना सिंह, 266/2 गली नं. 1, ब्लॉक-बी, बाबा कॉलोनी, बुराड़ी दिल्ली, स्वराज मंदिर के पास दिल्ली-110084 खाताः LBDEL00005638007	फ्लैट नं. 4, पहली मंजिल जोकि सेक्टर-36 "सिग्नेचर ग्लोबल पार्क ।।", गुड़गांव हरियाणा- 122001 में स्थित	04/03/2024 रु. 30,17,922.79/-	28/12/2023
20.	हरीश कुमार सैनी, सविता, प्लॉट नं. 106/ए खसरा नं. 73/3, पहली मंजिल, ब्लॉक-जे, कृष्णा नगर, लैंडमार्क गोयल वाटिका, दिल्ली-110086, खाताः LBDEL00004566695	फ्लैट और यूनिट नं. जे-1203ए, प्रोजेक्ट का नाम-माहिरा होम्स, 13वीं मंजिल, टॉवर जे जोकि सेक्टर-68, गांव बादशाहपुर, गुड़गांव हरियाणा-122018 में स्थित	04/03/2024 रु. 18,83,759/-	04/12/2023
21.	मीरा अग्रवाल, संतोष कुमार, मकान नं. 1081, सेक्टर-7, आरके पुरम नई दिल्ली-110022 खाताः LBDEL00002018500	फ्लैट और यूनिट नं. एलई/डी-1207 12वीं मंजिल पर, "लक्सुरिया एस्टेट", जोकि आदित्य वर्ल्ड सिटी, सेक्टर-6, ऑफ एनएच-24, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश-201001 में स्थित	04/03/2024 रु. 4,56,842/-	09/12/2023
22.	दीपक कुमार, राजेश कुमार, फ्लैट 2 एंट्रेंस 707, रोड 3917, 0339, मनामा/उम्माल हसाम कैपिटल, गवर्नरेट, बहरीन गवर्नरेट खाता LBNOD00002121396/LBNOD00002874984	फ्लैट नं. टी-3/सी 708, 8वीं मंजिल, टॉवर टी3, जोकि प्लॉट नं. एससी 01/डी-1, सेक्टर 79 "शुभ कामना लॉर्ड्स", नोएडा उत्तर प्रदेश-201301 में स्थित	04/03/2024/ रु.13,67,389/- रु.73,965/-	04/12/2023
23.	सौरव कुमार, अंजलि सहरावत, बी 502, हेरिटेज वन, सेक्टर 62, गुड़गांव-122001, खाताः LBGUR00003334697	अपार्टमेंट नं. के-1706, 16वीं मंजिल, टॉवर के, गोदरेज समिट, सेक्टर 104 गुड़गांव-122001 (2 कार पार्किंग स्पेस के साथ)	06/03/2024 रु. 1,31,56,563.37/-	30/04/2021
24.	ममता राजकुमार गुप्ता, राज कुमार गुप्ता, 91 एफएफ, ब्लॉक -7, सुभाष नगर, दिल्ली - 110018 खाताः LBDEL00002336412	यूनिट नं. 1603, 16वीं मंजिल टॉवर बी-6, इको विलेज-2 जोकि प्लॉट नंबर जीएच-01 सेक्टर -16 बी, ग्रेटर नोएडा 201303 में स्थित	06/03/2024 रु. 19,44,791/-	04/12/2023
25.	ममता राजकुमार गुप्ता, राज कुमार गुप्ता, 91 एफएफ, ब्लॉक -7, सुभाष नगर, दिल्ली - 110018 खाताः LBDEL00002336413	यूनिट नं. 1702, 17वीं मंजिल, टॉवर बी7, इको विलेज 2 जोकि प्लॉट नं. जीएच 01, सेक्टर 16 बी, ग्रेटर नोएडा 201303 में स्थित	06/03/2024 रु. 21,45,811/-	04/12/2023
26.	सचिन शर्मा, फ्लैट नं. 2042, ब्लॉक-ई, 20वीं मंजिल प्लॉट नंबर जीसी 3डी, गैलेक्सी नॉर्थ एवेन्यू 2, सेक्टर 16सी, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा-201308 खाताः LBGHZ00006052088/LBGHZ00006118477	रिहायशी अपार्टमेंट नं. 037, भूतल, टॉवर-9, ड्रीम होम्स, प्लॉट नं. जीएच-6ए पर निर्माणित, सेक्टर 05, वेव सिटी, गाजियाबाद-201010	02/03/2024/ रु. 20,43,664.91/- रु.1,10,957/-	06/10/2022
27.	मुकेश कुमार, मौसम कुमारी, मकान सं. 92 जी शक्ति खंडी-। मंगल बाजार चौक के पास, इंद्रापुरम, गाजियाबाद-201010, खाताः LBGHZ00002070276/LBGUR00002040618	फ्लैट नं. डी0608, टॉवर-डी, स्प्रिंगव्यू हाइट्स जोकि क्रिसेंट पार्क टाउनशिप एनएच 24 गाजियाबाद 201010 में स्थित	02/03/2024 रु. 21,79,326.05/- रु. 84,632/-	11/06/2021
28.	ईश कपूर, कोमल कपूर, वरदान कपूर, मकान नं. 40 पहली मंजिल, ब्लॉक-ईए-1, ग्रोवर नर्सिंग होम, दक्षिण पश्चिम दिल्ली-110012, खाताः TBDEL00006530677	संपत्ति नं. ईए-1/40, तीसरी मंजिल, छत के अधिकार के साथ, ब्लॉक-ईए, प्लॉट नं. 1/40 पर निर्मित, जोकि ग्राम नारायणा एक स्वीकृत कॉलोनी की आबादी जिसे अब इंद्रपुरी के नाम से जाना जाता है इंद्रपुरी, नारायणा, नई दिल्ली 110012 में स्थित (स्टिल्ट एरिया पर पार्किंग की जगह का 1/4 वाँ अविभाजित हिस्सा - भूतल के नीचे)	06/03/2024 रु. 2,33,16,300/-	03/01/2024
29.	संचित ठाकुर, नीलम ठाकुर, निवासी 1/42 गली नं. 3, तुगलकाबाद एक्स. तुगलकाबाद एक्सटेंशन, कालका जी अली, दिल्ली-110019, खाताः LBDEL00006034755	प्लॉट नं. 368 पर निर्माणित प्लॉट और भवन, दूसरी मंजिल (बिना छत के अधिकार के) सूर्य नगर फेज-।।, रिहायशी स्कीम, सेक्टर-91, तहसील और जिला फरीदाबाद हरियाणा- 121001	04/03/2024 रु. 49,20,916/-	14/12/2023
30.	निकहत शब्बा, मिंटू गिरी, ए-5 सेक्टर-3, रजनी गंधा के पास नोएडा, 201301, खाताः LBGHZ00005181782	रिहायशी अपार्टमेंट नं. ।-305, "प्रोव्यू लैबोनी" प्लॉट नं. 6 पर तृतीय तल (बिना छत के अधिकार के) ब्लॉक/टॉवर-।, टाउनशिप क्रॉसिंग रिपब्लिक में अविभाजित और निष्पक्ष भूमि, डूंडाहेड़ा, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश- 201001	04/03/2024 रु. 31,79,859.97/-	04/12/2023
31.	भावना शर्मा, सौरभ शर्मा, मकान नं. 8/71, ब्लॉक नं. 9, सैक्टर-3, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद, यू.पी., गाजियाबाद-201001 खाता : LBGUR00003112943	दुकान नं. एस-1210, 12वीं मंजिल, कृष औरा, टॉवर-सफायर, खसरा नं. 633/518, 519, 520, 521, 536, 649/537, 651/538, 653/542, 550 और 551, ग्राम सैदपुर तहसील तिजारा, जिला अलवर बाई पास भिवाड़ी, शहरी क्षेत्र भिवाड़ी राजस्थान- 301019	04/03/2024 रु. 14,99,957/-	04/12/2023
32.	शिशिर कुमार, रश्मी तोमर, मकान नं. 3 ब्लॉक-एफ, कृष्णा गार्डन, गोविंदपुरम, एनडीआरएफ कैंप के पास, उत्तर प्रदेश गाजियाबाद-201013, खाताः LBDEL00005131422	यूनिट नं. 126, खसरा नं. 252 मिन, आवास विकास कॉलोनी, परगना तहसील रूड़की, ग्राम मालापुर, लालपुर, जिला हरिद्वार उत्तराखंड-249401	04/03/2024 रु. 14,41,337.45/-	03/11/2023
33.	मुन्नी तिवारी, आनंद शंकर तिवारी, निवासी टी-265/डी, स्वामी नगर के पास, नई दिल्ली-110017 खाताः LBDEL00004081775	फ्लैट नं. ई-2002, 20वीं मंजिल, टावर-ई, सेठी ग्रुप- मैक्स रॉयल, जोकि प्लॉट नं. जीएच-02/बी, सेक्टर 76, नोएडा, उत्तर प्रदेश 201301 में स्थित	02/03/2024 रु. 50,40,407/-	06/12/2023
34.	कीर्ति, अंकित निगम, मजूमा मार्केटिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, निवासीः एक्सए/0 सहविकास अपार्टमेंट, आई पी एक्सटेंशन प्रतापगंज, मधू विहार चौक के पास, दिल्ली-110092, खाता : LBDEL00005137195	फ्लैट नं. ई-1606, 16वीं मंजिल, (बिना छत के अधिकार के), टॉवर-ई, क्लाउड-9 टॉवर ऑफ ऋषभ पैराडाइज, खसरा नं. 519, 530, 532, 541, 542 और 543, अहिंसा खंड-।। इंदिरापुरम जोकि माल रोड (डीपीएस स्कूल के पास), ग्राम मोहिउद्दीनपुर कनवानी, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001 में स्थित	02/03/2024 रु. 44,57,760 /-	04/12/2023
35.	प्रदीप कुमार, पिंकी शर्मा, प्रवीण कुमार शर्मा, गंगा टेक्नोमेक इंजीनियर्स, मकान नं. 305/318, गरौली खुरा, बसई 50, गुड़गांव-122006 खाताः LBGUR00004213866	फ्लैट नं. एफ-904, 9वीं मंजिल, टॉवर-एफ, रोफ आनंदा, सेक्टर-95, गांव ढोरका, तहसील और जिला गुड़गांव, हरियाणा 122001	02/03/2024 रु. 13,71,164.02/-	04/12/2023
36.	प्रवीण कुमार शर्मा, ज्योति देवी, प्रदीप कुमार, गंगा टेक्नोमेक इंजीनियर्स, मकान नं. 305/318, हनुमान मंदिर के पास, गैरोली खुर्द (106), गुड़गांव- 122006 खाताः LBGUR00004131587	फ्लैट नं. एफ-1004, 10वीं मंजिल, टॉवर-एफ, सैद अपार्टमेंट, रोफ आनंदा, सेक्टर-95, गुड़गांव, हरियाणा-122001	02/03/2024 रु. 13,43,464.77/-	04/12/2023
37.	कृष्ण कुमार, फ्लैट 29, तीसरी मंजिल, सनलाइट कॉलोनी नं. 1, दर्शन हाउस के पीछे, महारानी बाग, नई दिल्ली-110014 खाताः LBFDB00002892673	फ्लैट नं. बी-103, पहली मंजिल, फ्लोरिडा, सेक्टर-82, भटोला, फरीदाबाद, हरियाणा- 121001	02/03/2024 रु. 6,72,121.68/-	06/10/2023
38.	स्मृति गोयल, अंशुल गोयल, 50 सी, ब्लॉक 13, दूसरी मंजिल बेस्ट व्यू अपार्टमेंट, सेक्टर - आर-99, उत्तर प्रदेश, नोएडा- 201301, खाताः LBNOD00005432552	फ्लैट/यूनिट नं. 35, भूतल, जोकि कॉम्प्लेक्स में जिसे "धन्य अप रेजिडेंट्स एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी" के नाम से जाना जाता है, प्लॉट नं. ई-001 पर निर्मित, सेक्टर 42, नोएडा जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश- 201301 में स्थित	04/03/2024 रु. 29,01,185/-	04/12/2023
39.	गौरव उज्जैनवाल, शारदा, मकान नं. डी-547, वार्ड नं. 5, गली नं. 3, रेलवे लाइन के पास, नई बस्ती सल्लागढ़, पलवल हरियाणा पलवल-121102 खाताः LBPLW00005870271	फ्लैट नं. 601, 6वीं मंजिल, टॉवर बी(टी-9), हैप्पी होम्स जोकि गांव बुडेना, सेक्टर 86, तहसील और जिला फरीदाबाद, हरियाणा 121004 में स्थित	04/03/2024/ रु. 23,39,797/-	02/12/2023
40.	सौरव सिंह, अजय वीर सिंह, निवासी 2-3, महेंद्र एन्क्लेव, उत्तर प्रदेश गाजियाबाद-201001, खाताः LBNOD00004905082	फ्लैट नं. 879, पहली मंजिल, (बिना किसी छत/टैरेस अधिकार के), सेक्टर-5, ग्रीन वुड एन्क्लेव, वेव सिटी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001	04/03/2024/ रु. 21,19,944 /-	09/12/2023
41.	अंकित माथुर, आयुष माथुर, रेनू माथुर, फ्लैट नं. 8, प्लॉट नं. 74, विक्रम एन्क्लेव, शालीमार गार्डन साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश गाजियाबाद-201005 खाताः LBGHZ00003876233	फ्लैट नं. सन2-1103, 11वीं मंजिल, मिगसन रूफ, खसरा नं. 4,5 और 51 मिनजुमला जोकि राज नगर एक्सटेंशन, सिकरोड गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201002 में स्थित	04/03/2024/ रु. 21,97,724.46 /-	29/02/2020
42.	अजीत सिंह, गीता कुमारी, बी-2, सिविल लाइन, एसडीएम कोर्ट के पीछे, हरियाणा पलवल-121102 खाताः TBFDB00006259470/ LBFDB00006317395	फ्लैट नं. 305, तीसरी मंजिल, टावर नं. टी-12, टाइप-डी1, फेज-2 आगमन, सेक्टर-70, गांव मुजेरी, तहसील बल्लागबाढ़ जिला फरीदाबाद, हरियाणा 121003	05/03/2024/ रु. 20,16,620/- रु. 81,170/-	28/12/2023
43.	वीरेंद्र सिंह गुसाईं, शिवानी गुसाईं, मकान नं. 145 टॉप फ्लोर, सेक्टर 22, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा- 201301 खाताः LBGHZ00005871979/ LBGHZ00006083144/LBDEL00006383733/ LBGHZ00006052260	प्लॉट नं. 94, जोकि आवासीय कॉलोनी संयोग नगर, ग्राम सदरपुर, परगना डासना, तहसील और जिला, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201001 में स्थित	06/03/2024/ रु. 25,33,914/- रु. 7,75,558/- रु. 3,61,454/- रु. 2,32,846/-	28/12/2023
44.	दीपक कुमार बिंद, संगीता बिंद, अल-रिग्गा रोड, 4 सीजन्स रेस्टोरेंट के सामने, डेरा, यूएई दुबई-182845 खाताः LBDEL00001703567/ LBDEL00002876046	अपार्टमेंट नं. 544, 5वीं मंजिल, ब्लॉक-ई, सेमी बिल्ड के-होम टाइप, गौर होम्स, गोविंदपुरम स्कीम, गोविंदपुरम तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश- 201005	06/03/2024/ रु.11,12,723.45/- रु.1,03,639.46/-	04/12/2023
45.	अर्चना सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, फ्लैट नं. 1108, एसजी होम्स सोसायटी, सेक्टर 3, वसुंधरा, गाजियाबाद- 201012 खाताः LBDEL00002872265/ LBDEL00002872267	फ्लैट नं. 1108, टॉवर-बी, 11वीं मंजिल, (बिना छत के अधिकार के), वार्ड नं. 16/लोनी, रेजिडेंशियल ग्रुप हाउसिंग कॉम्प्लेक्स "एसजी होम्स" में, प्लॉट नं. जीएच-04, सेक्टर-3, वसुंधरा गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201001 में स्थित	06/03/2024 / रु.14,04,283.01/- रु.11,05,937/-	30/12/2023
46.	राजेश नंदल, सरिता, मकान नं. 7डी, डी.डी.ए पॉकेट-2, सेक्टर-6, द्वारका, दिल्ली-110075 खाताः LBDEL00001761453/ LBDEL00004848361	डीडीए एसएफएस एमआईजी फ्लैट नं. 7-डी, तीसरी मंजिल, जोकि पॉकेट-2, सेक्टर-6, द्वारका, नई दिल्ली-110075 में स्थित	06/03/2024/ रु. 9,22,136.46/- रु.7,54,306.46/-	04/12/2023
47.	दीपक कुमार बिंद, गिरिजा प्रसाद बिंद, 430, क्लेमेंटी एवेन्यू-3, #06-363, सिंगापुर-120430 खाताः LBGHZ00004791837	अपार्टमेंट नं. 544, 5वीं मंजिल, ब्लॉक-ई, सेमी बिल्ड के-होम टाइप, गौर होम्स, गोविंदपुरम योजना, गोविंदपुरम तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201005	06/03/2024/ रु.12,01,386.46/-	04/12/2023
48.	रेखा चौधरी, विकास कुमार सिंह, कृष्णा देवी, निवासी 802-सी, टॉवर-2, हिंडन एयर फोर्स स्टेशन, गुलमोहर ग्रीन, मोहन नगर साहिबाबाद, गाजियाबाद- 201007 खाताः LBGHZ00003859786	फ्लैट नं. 802-सी, 8वीं मंजिल, टॉवर-2, ओक वुड, गांव करहेड़ा, मोहल्ला गुलमोहर ग्रीन्स, मोहन नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001	06/03/2024/ रु.21,98,464/-	04/12/2023
49.	आनंद शेखर सिंह, शिवानी सिंह, निवासी ए-5/4, सेक्टर- 71 नोएडा-201301 खाताः L3NOD00001738021	फ्लैट नं. 21, दूसरी मंजिल, ब्लॉक-सी-2, सेक्टर- 71 नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 में स्थित	06/03/2024/ रु.7,81,132.88/-	09/12/2023
50.	बुलंद अख्तर, शाहनाज अंसुम, सी-478, सेक्टर-19, ग्राउंड फ्लोर, उत्तर प्रदेश, नोएडा-201301 खाताः LBDEL00001692983	एल.आई.जी (डीएस-।।), फ्लैट नं. 256-बी, पहली मंजिल, जोकि ब्लॉक-बी, सेक्टर-19, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 में स्थित	06/03/2024/ रु. 4,97,021.11/-	30/12/2023
51.	मुकेश तिवारी, पुनित तिवारी, डब्ल्यू-193-सी, दूसरी मंजिल, पीतमपुरा दिल्ली-110034, खाताः LBDEL00001900929	फ्लैट नं. डब्ल्यूपी-11-सी, दूसरी मंजिल, ब्लॉक-डब्ल्यूपी, कैटेगिरी - एलआईजी, पीतमपुरा रिहायशी स्कीम, दिल्ली 110034	06/03/2024/ रु. 6,90,249.23/-	09/12/2023
52.	ममता शिशोदिया, विनय प्रताप, अभय शिशोदिया, 9/22 चिरंजीव विहार, गाजियाबाद-201002 खाता- LBGHZ00002434488/ LBGHZ00002454876	यूनिट नं. 022, सेक्टर 9, अंसल चिरंजीव विहार, ग्राम महरौली, हरसौन, गाजियाबाद-201002	05/03/2024/ रु.15,33,065.55/- रु.1,26,447/-	31/07/2020
53.	अनिल कुमार पांडे, ग्राम दुगौली, सिकंदरपुर बलिया, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश नोएडा-201301 खाताः TBNOD00006239678	फ्लैट नं. जी-1601, 16वीं मंजिल (बिना छत के अधिकार के), टॉवर-जी, स्काईटेक मैट्रॉट, प्लॉट नं. जीएच-01/डी, सेक्टर-76, नोएडा, गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश 201301 में स्थित	09/03/2024/ रु. 41,33,493/-	27/01/2024

नोटिस की प्रतिस्थापित सर्विस हेतु कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ताओं और/या उनके गारंटरों (लागू अनुसार) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : अप्रैल 02, 2024
स्थानः दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड

चीन ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के लिए 30 नाम जारी किए

भाषा। बीजिंग

अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा पेश करने की चीन की हालिया कोशिशों के बीच बीजिंग ने भारतीय राज्य में विभिन्न स्थानों के 30 नए नामों की चौथी सूची जारी की है।

चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलने की कवायद को भारत खारिज करता रहा है। उसका कहना है कि यह राज्य देश का अभिन्न अंग है और काल्पनिक नाम रखने से इस वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आएगा।

सरकारी ग्लोबल टाइम्स ने रविवार को बताया कि चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने जंगनान में मानकीकृत भौगोलिक नामों की चौथी सूची जारी की। चीन अरुणाचल प्रदेश को जंगनान कहता है और दक्षिण तिब्बत के हिस्से के रूप में इस राज्य पर अपना दावा करता है।

मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर क्षेत्र के लिए 30 अतिरिक्त नाम पोस्ट किए गए। यह सूची एक मई से प्रभावी होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुच्छेद 13 के अनुसार, इस घोषणा के क्रियान्वयन में कहा गया है कि चीन के क्षेत्रीय दावों और संप्रभुता अधिकारों को नुकसान पहुंचा सकने वाले विदेशी भाषाओं में रखे गए, स्थानों के नामों को बिना प्राधिकार के सीधे उद्धृत या अनुवादित नहीं किया जाएगा।

चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने जंगनान में छह स्थानों के मानकीकृत नामों की पहली सूची 2017 में जारी की थी, जबकि 15 स्थानों की दूसरी सूची 2021 में जारी की गई थी। इसके बाद 2023 में 11 स्थानों के नामों के साथ एक और सूची जारी की गई थी।

अरुणाचल प्रदेश पर दावों को लेकर चीन की हालिया बयानबाजी उस समय शुरू हुई जब उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्य के दौरे को लेकर भारत के साथ राजनयिक विरोध दर्ज कराया था। इस दौरे में मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फुट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया था। चीनी विदेश और रक्षा मंत्रालयों ने क्षेत्र पर चीन का दावा पेश करते हुए कई बयान जारी किए थे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन द्वारा बार-बार किए जा रहे दावे को 23 मार्च को बेतुका करार देते हुए इसे खारिज कर दिया था और कहा था कि यह सीमांत राज्य भारत का स्वाभाविक हिस्सा है।

उन्होंने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) के साउथ एशियन स्टडीज इंस्टीट्यूट में एक व्याख्यान देने के बाद अरुणाचल मुद्दे पर एक सवाल के जवाब में कहा था, यह कोई नया मुद्दा नहीं है। मेरा मतलब है कि चीन ने दावा किया है, इसने अपने दावे को दोहराया है। ए दावे शुरू से बेतुके हैं और आज भी बेतुके ही हैं।

उन्होंने कहा था, मुझे लगता है कि हम इस पर बहुत स्पष्ट रहे हैं और हमारा एक समान रुख रहा है। मुझे लगता है कि आप जानते हैं कि यह ऐसी चीज है, जो वर्तमान में जारी सीमा वार्ता का हिस्सा है। चीन अरुणाचल प्रदेश को भारतीय क्षेत्र के हिस्से के रूप में मान्यता देने वाले अमेरिका के बयान से भी नाराज है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने नौ मार्च को कहा था, अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारतीय क्षेत्र के रूप में मान्यता देता है और हम वास्तविक नियंत्रण रेखा के पार सैन्य या असैन्य घुसपैठ या अतिक्रमण के जरिए क्षेत्रीय दावे करने के किसी भी एकतरफा प्रयास का दृढ़ता से विरोध करते हैं।

चीन के विदेश और रक्षा मंत्रालय ने अमेरिकी बयान की आलोचना करते हुए कहा था कि चीन-भारत सीमा मुद्दा दोनों देशों के बीच का मामला है और इसका अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है।

तोशाखाना मामले में इमरान, उनकी पत्नी की सजा निलंबित

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तब एक बड़ी राहत मिली जब एक उच्च न्यायालय ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को दी गई 14 साल की सजा सोमवार को निलंबित कर दी।

देश में आम चुनाव से कुछ दिन पहले तोशाखाना से मिले सरकारी उपहारों में कथित भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेही अदालत ने 31 जनवरी को दोनों को 14-14 साल जेल की सजा सुनाई थी। दोनों ने सजा को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी, जहां मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक के नेतृत्व वाली दो सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की।

सोमवार को, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मामले में दंपति की सजा को निलंबित करके और उन्हें जमानत देकर अस्थाई राहत दी। हालांकि अदालत ने घोषणा की कि दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई अगले महीने ईद की छुट्टियों के बाद की जाएगी।

हो सकता है कि खान को रिहा नहीं किया जाए क्योंकि उन्हें अन्य मामलों में दोषी ठहराया गया है और उनमें आरोपों से मुक्त होने तक उन्हें रिहा नहीं किया जा सकता। इसी तरह, बुशरा को भी एक अन्य मामले में दोषी ठहराया गया है और हो सकता है कि उनकी सजा निलंबित होने के बाद भी उन्हें रिहा नहीं किया जाए।

तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में, 71 वर्षीय खान पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान मिले महंगे सरकारी उपहारों को अपने पास रखने का आरोप है।

तोशाखाना संबंधी नियमों के तहत सरकारी अधिकारी कीमत चुकाकर उपहार रख सकते हैं लेकिन पहले उपहार तोशाखाना में जमा किया जाना चाहिए। खान और उनकी पत्नी या तो उपहार जमा करने में विफल रहे या कथित तौर पर अपने अधिकार का उपयोग करके इसे कम कीमत पर हासिल किया।

तीस जनवरी को सिफर मामले में 10 साल की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद तोशाखाना मामले में खान को दोषी ठहराया गया था। इससे पहले, उन्हें अगस्त 2023 में तोशाखाना के एक अलग मामले में भी दोषी ठहराया गया था, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

तुर्किए में स्थानीय चुनाव में एर्दोआन को झटका

एपी। अंकारा

तुर्किए की मुख्य विपक्ष पार्टी ने रविवार को हुए स्थानीय चुनावों में अहम शहरों में अपनी पकड़ कायम रखी तथा अन्य स्थानों पर बड़ी बढ़त हासिल की।

शुरुआती नतीजे राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के लिए झटका हैं जो इन शहरी इलाकों में फिर से नियंत्रण हासिल करने की कोशिश में थे।

सरकारी प्रसारणकर्ता टीआरटी के मुताबिक, अब तक करीब 60 फीसदी मतों की गणना की जा चुकी है और तुर्किए के सबसे बड़े शहर एवं आर्थिक केंद्र इस्तांबुल में रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के मौजूदा मेयर अकरम इमामोगलू बढ़त बनाए हुए हैं। वहीं, राजधानी अंकारा में मेयर मंसूर यावस बड़े अंतर से अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे। टीआरटी के मुताबिक, सीएचपी तुर्किए के 81 प्रांत में से 36 पर आगे है।

चुनाव को राष्ट्रपति एर्दोआन की लोकप्रियता के पैमाने के तौर पर देखा जा रहा था। वह इन अहम शहरी क्षेत्रों में अपनी जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी को जीत दिलाने कोशिश में थे। पांच साल पहले उनकी पार्टी विपक्षी दल से हार गई थी।

यह नतीजे विपक्ष के लिए संजीवनी हैं जो पिछले साल हुए राष्ट्रपति एवं संसदीय चुनाव में एर्दोआन के हाथों हार के बाद विभाजित हो गया था और उसका मनोबल टूट गया था।

सीएचपी नेता ओज़गुर ओज़ेल ने उत्साही समर्थकों की भीड़ से कहा, ''मतदाताओं ने तुर्किए में एक नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा, ''आज, मतदाताओं ने तुर्किए में 22 साल पुरानी तस्वीर को बदलने और हमारे देश में एक नए राजनीतिक माहौल का द्वार खोलने का फैसला किया।''

अंकारा में अपने पार्टी मुख्यालय में समर्थकों का अभिवादन करते हुए तुर्की के राष्ट्रपति और जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी के नेता रजब तैयब एर्दोआन और उनकी पत्नी एमीन एर्दोगन

अमेरिका में भाजपा समर्थकों ने 20 शहरों में निकाली रैली

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) ने देश के 20 अलग-अलग शहरों में कार रैलियां निकालकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के प्रति अपनी समर्थन जताया और भारत के लोगों से आगामी आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से ज्यादा सीट दिलाकर भारी बहुमत से विजई बनाने का आग्रह किया।

ओएफबीजेपी-यूएसए के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने कहा, भारतीय-अमेरिकी समुदाय मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और राजग को 400 सीट से अधिक सीट पर जीतता देखने के लिए बेहद उत्साहित है।

उन्होंने कहा कि भारतीय अमेरिकी चाहते हैं कि राजग लोकसभा चुनाव में अब की बार 400 पार का लक्ष्य हासिल करे।

उन्होंने कहा कि उन्होंने भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों में ऐसा उत्साह कभी नहीं देखा। ओएफबीजेपी-यूएसए के राष्ट्रीय महासचिव वासुदेव पटेल ने कहा, समुदाय ने ओएफबीजेपी द्वारा पूर्वी तट से पश्चिमी तट और उत्तर से दक्षिण तक लगभग 20 शहरों में समन्वित रूप से आयोजित कार रैलियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया है।

अमेरिका की राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में सिख समुदाय के लोगों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में एक कार रैली निकाली। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत न केवल भारत के लिए, बल्कि दुनिया में भी शांति एवं स्थिरता लाने के लिए समय की मांग है।

कार रैली वाशिंगटन डीसी के मैरीलैंड उपनगर में आयोजित की गई। रैली में भाग लेने वाले लोग पहले गुरुद्वारे गए और फिर रैली स्थल पर आए। कारों को भाजपा के झंडों और अमेरिकी झंडों से सजाया गया था।

गाजा के मुख्य अस्पताल से हटी इजराइली सेना

एपी। देर अल-बला (गाजा पट्टी)

इजराइली सेना ने दो हफ्तों तक किए गए हमलों के बाद गाजा के मुख्य अस्पताल से अपने सैनिकों को हटा लिया और अपने पीछे तबाही के बड़े निशान छोड़ दिए हैं। फलस्तीनी निवासियों ने यह जानकारी दी।

इजराइली सैनिकों को हटाए जाने के बाद सोमवार को सुबह सैकड़ों लोग शिफा अस्पताल और आसपास के इलाकों में लौटे जहां उन्हें अस्पताल के अंदर और बाहर शव पड़े मिले।

इजराइली सेना ने इस हमले को करीब छह महीने से चल रहे युद्ध के सबसे सफल अभियान में से एक बताया और कहा कि उसने सैकड़ों हमास और अन्य आतंकवादियों को मार गिराया तथा कुछ अहम खुफिया दस्तावेज भी जब्त किए।

इजराइली सेना हटाए जाने के बाद इलाके में लौटे मोहम्मद महदी ने घटनास्थल के दृश्य को पूरी तबाही बताया। उन्होंने कहा कि कई इमारतें जला दी गईं। उन्होंने इलाके में छह शवों की गिनती की। इनमें से दो शव अस्पताल परिसर में पड़े थे।

एक अन्य निवासी याहिया अबू औफ ने कहा कि अस्पताल में मरीज, चिकित्सा कर्मी तथा विस्थापित लोग मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि कई मरीजों को नजदीकी अहली हॉस्पिटल ले जाया गया है।

पाकिस्तान में मारे गए पांच चीनी नागरिकों के शव पाक सैन्य विमान से वुहान पहुंचाए गए

भाषा। बीजिंग

पाकिस्तान में आत्मघाती बम हमले में मारे गए चीन के पांच कर्मियों के शवों को सोमवार को एक विशेष पाकिस्तानी सैन्य विमान से वुहान लाया गया।

इस बीच बीजिंग ने आतंकियों के हमले बढ़ने के मद्देनजर सीपीईसी परियोजनाओं में कार्यरत अपने सैकड़ों श्रमिकों की सुरक्षा के लिए उपाय बढ़ाने की योजना बनाई है।

पाकिस्तान के अशांत पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर-पख्तूनख्वा में 26 मार्च को विस्फोटक से भरे एक वाहन ने एक बस को टक्कर मार दी थी, जिससे बस में सवार कम से कम पांच चीनी नागरिकों सहित छह व्यक्तियों की मौत हो गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

साठ अरब अमेरिकी डॉलर वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तत्वावधान में चल रही कई परियोजनाओं में हजारों चीनी कर्मी पाकिस्तान में काम कर रहे हैं।

चीन ने अपने नागरिकों की मौत के मामले में जांच के लिए गत शुक्रवार को अपने अधिकारियों को पाकिस्तान भेजा था और कई चीनी कंपनियों ने अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं पर काम रोक दिया है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां संवाददाताओं से कहा, पाकिस्तान में दासू परियोजना पर आतंकवादी हमले में मारे गए पांच चीनी नागरिकों के शव पाकिस्तानी सैन्य विमान से आज चीन वापस लाए गए।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीनी नागरिकों पर जानलेवा आतंकी हमले के मामले में संयुक्त जांच का आदेश दिया था।

बीजिंग ने इस्लामाबाद पर जोर दिया था कि हमलावरों की खोजबीन तेज की जाए और चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। वांग ने कहा कि जो कुछ हुआ, उसकी जांच करने, अपराधियों और हमले के पीछे के लोगों को न्याय के कठघरे में लाने और पाकिस्तान में चीनी कर्मियों की परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करने में चीन पूरी दृढ़ता और प्रयास के साथ पाकिस्तान का समर्थन करता है।

दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे चीनी श्रमिकों पर आत्मघाती बम हमले का यह दूसरा मामला है। पाकिस्तान की सरकारी एपीपी एजेंसी ने बताया कि विशेष विमान शवों को चीन के वुहान शहर लेकर आया।

पाकिस्तान के संघीय प्रवासी पाकिस्तानी और मानव संसाधन विकास मंत्री चौधरी सालिक हुसैन भी विमान में सवार थे।

खबर के अनुसार पांचों मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष समारोह आयोजित किया गया।

इससे पहले चीनी रक्षा प्रवक्ता सीनियर कर्नल वू कियान ने यहां मीडिया से कहा कि पीएलए विभिन्न सुरक्षा जोखिमों और चुनौतियों से निपटने की अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए, खासकर आतंकवादी हमलों का जवाब देने और संयुक्त रूप से क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता की क्षमता बढ़ाने के वास्ते पाकिस्तानी सेना के साथ काम करने की इच्छुक है।

विस्फोट मामले में 12 गिरफ्तार

एपी। इस्लामाबाद

पिछले सप्ताह पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आत्मघाती बम हमले में पांच चीनी नागरिकों और उनके पाकिस्तानी चालक की मौत के सिलसिले में कम से कम 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें हमले का मास्टरमाइंड शामिल है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने हमले के मामले में जांच शुरू कर दी है और इसके लिए प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान आतंकी समूह को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि किसी संगठन ने अभी तक आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हमला उस समय हुआ जब चीनी इंजीनियर इस्लामाबाद से दासू स्थित अपने शिविर लौट रहे थे।

सीटीडी की सोमवार को जमा की गई एक रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने इस संबंध में छापेमारी की और एक दर्जन से अधिक आतंकवादियों और हमले में मदद करने वालों को गिरफ्तार किया। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने हमले के मास्टरमाइंड हजरत बिलाल को भी गिरफ्तार कर लिया है जो अफगानिस्तान से आत्मघाती बम हमलावर को लाया था। बिलास चीनी नागरिकों पर पूर्व में हुए हमलों के मामले में भी वांछित है।

अधिकारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि हिरासत में लिए गए कुछ संदिग्धों ने विस्फोटक से भरी कार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले में पहुंचाया था, जहां एक आत्मघाती हमलावर ने इसे दूसरे वाहन से टकरा दिया, जिससे चीनी नागरिकों की मौत हो गई।

नेपाल के विकास के लिए चीन के साथ हुई चर्चा : उप प्रधानमंत्री नारायण

भाषा। काठमांडू

नेपाल के उप प्रधानमंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने सोमवार को यहां कहा कि उनके देश और चीन ने बीजिंग समर्थित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) परियोजनाओं के कार्यान्वयन योजना के साथ आगे बढ़ने में प्रगति की है।

श्रेष्ठ नेपाल के विदेश मंत्री भी हैं। वह 25 मार्च से एक अप्रैल तक चीन की आठ दिवसीय राजकीय यात्रा संपन्न कर सोमवार को स्वदेश लौटे। उन्होंने बीआरआई कार्यान्वयन को अंतिम रूप देने से जुड़े विषयों पर चीन के अधिकारियों के साथ चर्चा की।

श्रेष्ठ ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री की चीन यात्रा के दौरान बीआरआई कार्यान्वयन योजना के संबंध में बीजिंग के साथ पहले ही एक सहमति बन चुकी है और मेरी यात्रा

के दौरान बातचीत आगे बढ़ी।

उन्होंने कहा कि बीआरआई के तहत नेपाल अपनी पसंद के अनुसार विकास परियोजनाओं का चयन करने के लिए स्वतंत्र है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, हम बीआरआई के तहत अनुदान सहायता को प्राथमिकता देते हैं लेकिन अनुदान और ऋण सहित दोनों विकल्प खुले हैं और कार्यान्वयन योजना पर हस्ताक्षर करने के बाद इस विषय पर चर्चा की जाएगी। नेपाल और चीन ने बीआरआई समझौते पर सात साल पहले हस्ताक्षर किए थे।

अपनी यात्रा के दौरान, श्रेष्ठ ने चीनी अधिकारियों से नेपाल के रास्ते तिब्बत स्थित कैलाश-मानसरोवर जाने वाले विदेशी पर्यटकों पर बीजिंग द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों में ढील देने के लिए भी कहा। विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों ने काठमांडू और चीन के स्वायत्त क्षेत्र ल्हासा के बीच सीधी बस सेवा फिर से शुरू करने पर सकारात्मक रुख जाहिर किया है।

उन्होंने कहा, हमने नेपाल-तिब्बत-छोंगचिंग-सिचुआन के बीच विकास गलियारे के निर्माण से संबंधित विषयों पर सकारात्मक चर्चा की।

लाल सागर और यमन में हूती ड्रोन नष्ट किए: अमेरिकी सेना

एपी। काहिरा

अमेरिकी बलों ने युद्धग्रस्त यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्र में एक ड्रोन और लाल सागर में एक महत्वपूर्ण जलमार्ग के ऊपर एक अन्य ड्रोन को नष्ट कर दिया। ईरान समर्थित विद्रोहियों और अमेरिका के बीच कई महीनों से बढ़ रहे तनाव के बीच यह ताजा घटना हुई है। अमेरिका ने कहा कि नष्ट किए गए ड्रोन क्षेत्र में अमेरिकी एवं गठबंधन बलों और वाणिज्यिक पोत के लिए खतरा थे। एक ड्रोन को लाल सागर के ऊपर नष्ट किया गया, जबकि दूसरे ड्रोन को जमीन पर तब नष्ट कर दिया गया जब उसे उड़ाने की तैयारी की जा रही थी। हमारी सेनाओं की सुरक्षा एवं नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र को अमेरिका, गठबंधन और वाणिज्यिक पोतों के लिए अधिक सुरक्षित बनाने के लिए ए कार्रवाई आवश्यक हैं।

पाकिस्तानः साल की पहली तिमाही में आतंकी हमलों, आतंकवाद रोधी अभियान के 245 मामले सामने आए

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में 2024 की पहली तिमाही के दौरान आतंकवादी हमलों और आतंकवाद रोधी अभियानों के 245 मामले सामने आए। एक विचारक संस्था की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

इसमें कहा गया कि इसके परिणामस्वरूप असैन्य नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों और विद्रोहियों समेत कुल 432 लोगों की मौत हुई जबकि 370 लोग घायल हुए।

सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) द्वारा जारी सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि के दौरान कुल मौतों में से 92 प्रतिशत अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांत में हुईं जबकि 86 प्रतिशत हमले (आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं और सुरक्षा बलों के अभियान समेत) भी इस इलाके में हुए। अलग-अलग बात करें तो 2024 की पहली तिमाही में सभी मौतों में 51 प्रतिशत खैबर पख्तूनख्वा में और 41 प्रतिशत बलूचिस्तान में हुईं। आंकड़े बताते हैं कि शेष क्षेत्र अपेक्षाकृत शांत थे, जहां मौत के सभी मामलों में से

शेष आठ प्रतिशत लोगों की जान गई।

आतंकवादी संगठनों ने 2024 की पहली तिमाही में आतंकवाद के कारण हुई कुल मौत में से 20 प्रतिशत से भी कम की जिम्मेदारी ली है।

गुल बहादुर समूह से संबद्ध जबहत अंसार अल-महदी खुरासान (जेएएमके) नामक एक नया आतंकवादी समूह उभरा है।

आतंकवाद और आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान हताहतों की संख्या के अलावा, देश में सरकारी, राजनेताओं और निजी और सुरक्षा संपत्तियों को निशाना बनाकर तोड़फोड़ की 64 घटनाएं हुईं।

पहली तिमाही में बलूचिस्तान में हिंसा में 96 प्रतिशत की चौंकाने वाली वृद्धि दर्ज की गई जब 2023 की अंतिम तिमाही में जान गंवाने वाले 91 लोगों के मुकाबले 2024 की पहली तिमाही में यह आंकड़ा बढ़कर 178 हो गया।

सिंध में हिंसा में लगभग 47 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, हालांकि मरने वालों की संख्या बहुत कम थी। खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और गिलगित-बाल्टिस्तान के क्षेत्रों में हिंसा में क्रमशः 24 प्रतिशत, 85 प्रतिशत और 65 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान गिलगित-बाल्टिस्तान में हिंसा में उल्लेखनीय कमी के बावजूद, प्रांत के गृह मंत्री ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा हमलों की आशंका को लेकर 31 मार्च, 2024 को एक आतंकी खतरे की चेतावनी जारी की।

चालू वर्ष की पहली तिमाही में लगभग 200 आतंकवादी हमलों में 65 प्रतिशत (281) मौत नागरिकों और सुरक्षा बलों के जवानों की हुईं। वहीं 48 आतंकवाद विरोधी अभियानों में केवल 35 प्रतिशत (151) मौतें अपराधियों की हुईं। कुल 156 नागरिकों (36 प्रतिशत) को जान गंवानी पड़ी जो मृतकों की किसी भी अन्य श्रेणी से अधिक है।

रायल्स ने लगाई जीत की तिकड़ी, मुंबई की हार

राजस्थान ने इंडियंस को 6 विकेट से रौंदा

भाषा। मुंबई

राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां मुंबई इंडियन्स को छह विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की उम्दा गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां मुंबई इंडियन्स को नौ विकेट पर 125 रन के स्कोर पर रोक दिया।चहल ने 11 जबकि बोल्ट ने 22 रन देकर तीन-तीन विकेट चटकाए। तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर ने भी 32 रन देकर दो विकेट हासिल किए। कप्तान हार्दिक पंड्या (34) और तिलक वर्मा (32) को छोड़कर मुंबई का कोई बल्लेबाज क्रीज पर पर्याप्त समय नहीं बिता पाया। इन दोनों के अलावा टिम डेविड (17) और सलामी बल्लेबाज इशान किशन (16) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। रॉयल्स के गेंदबाजों के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि मुंबई के आउट होने वाले शुरुआती तीन बल्लेबाज पहली गेंद पर पवेलियन लौटे जबकि अंतिम चार ओवर में टीम 14 रन ही बना सकी। रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया और उनके गेंदबाजों विशेषकर तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने इस फैसले को सही साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।बोल्ट ने पहले ओवर की अंतिम दो गेंद पर रोहित शर्मा (00) और नमन धीर (00) को पवेलियन भेजा। रोहित ने विकेटकीपर सैमसन को कैच थमाया जबकि नमन अंदर आती गेंद पर पगबाधा हुए।

स्कोरबोर्ड

मुंबई इंडियन्सः किशन का सैमसन बो बर्गर 16,रोहित का सैमसन बो बोल्ट 00,धीर पगबधा बो बोल्ट 00, ब्रेविस का बर्गर बो बोल्ट 00,वर्मा का अश्विन बो चहल 32, पंड्या का स्थानापन्न बो चहल 34, चावला का हेटमायर बो आवेश 03,डेविड का बोल्ट बो बर्गर 17, कोएट्जी को हेटमायर बो चहल 04,बुमराह नाबाद 08,मधवाल 04,**अतिरिक्तः** 07,**कुल**:20 ओवर में नौ विकेट परः 125 रन,विकेट पतनः I-I, 2-I, 3-14, 4-20, 5-76, 6-83, 7-95, 8-111, 9-114,**गेंदबाजीः** बोल्ट 4-0-22-3,बर्गर 4-0-32-2,आवेश 4-0-30-I,चहल 4-0-11-3 ,अश्विन 4-0-27-0

सलामी बल्लेबाज इशान किशन (16) ने नांद्रे बर्गर का स्वागत छक्के और चौके के साथ किया।मुंबई को पहले ओवर के बाद ही नमन की जगह डेवाल्ड ब्रेविस (00) को इंपेक्ट प्लेयर के रूप में उतारना पड़ा लेकिन वह बोल्ट की पहली ही गेंद पर बर्गर को कैच दे बैठे।इशान ने बर्गर पर चौका जड़ा लेकिन इस तेज गेंदबाज की अगली गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जिससे स्कोर चार विकेट पर 20 रन हो गया। तिलक वर्मा ने आते ही बोल्ट पर छक्का जड़ा लेकिन एक बार फिर दर्शकों की हूटिंग का सामना करने वाले कप्तान हार्दिक पंड्या ने बर्गर पर तीन चौके मारे। पंड्या को वार्म और टॉस के दौरान भी हूटिंग का सामना करना पड़ा था।मुंबई ने पावर प्ले में चार विकेट पर 46 रन बनाए।वर्मा ने आवेश खान पर अपना दूसरा छक्का मारा जबकि पंड्या ने इस तेज गेंदबाज के अलावा ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर चौके मारे।हार्दिक हालांकि चहल पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लांग ऑन पर कैच थमा बैठे। उन्होंने 21 गेंद में छह चौकों की मदद से 34 रन बनाए। आवेश ने पीयूष चावला (03) को आउट किया जबकि वर्मा भी चहल की गेंद पर अश्विन को कैच दे बैठे मुंबई का स्कोर सात विकेट पर 95 रन हो गया।

वानखेड़े में रोहित...रोहित के नारे, पंड्या की फिर से हूटिंग हुई

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में सोमवार को यहां जब हार्दिक पंड्या टॉस के लिए उतरे तो प्रशंसकों ने मुंबई इंडियंस के कप्तान की जमकर हूटिंग की और वानखेड़े स्टेडियम पर रोहित...रोहित के नारे गूंजते रहे। टूर्नामेंट से पहले 29 वर्षीय पंड्या को रोहित की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया। हैदराबाद और अहमदाबाद में टीम के पिछले दो मैचों में भी पंड्या की हूटिंग हुई थी। टॉस से पहले जब पंड्या वार्म अप के लिए मैदान का चक्कर लगा रहे थे तो दर्शकों के एक वर्ग ने उनकी हूटिंग की। जब टॉस के समय उनके नाम की घोषणा की गई तो भी इस तेजतर्रार ऑलराउंडर की फिर से हूटिंग की गई जिसके जवाब में पंड्या केवल मुस्कुराए क्योंकि मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित के समर्थन में जोर-जोर नारे लग रहे थे। टॉस हारने के बाद जब पंड्या ने बोलना शुरू किया तो भी हूटिंग जारी रही

जिसके बाद प्रस्तोता संजय मांजरेकर को दर्शकों सही बर्ताव करने के लिए कहना पड़ा। ठीक उसी समय रोहित अपनी ट्रेनिंग किट में अपने पूर्व साथी हरभजन सिंह से मिल रहे थे जो मैच से पहले शो करने वाले कमेंटेटरों में से एक के रूप में मैदान पर थे। इसके बाद जब पंड्या चौथे ओवर में टीम के 20 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद मैदान पर उतरे तो उन्हें फिर हूटिंग शिकार होना पड़ा, खासकर सचिन तेंदुलकर स्टैंड से।

हार्दिक को दर्शकों का दिल जीतने के लिए जीत की राह पर लौटना होगा : ब्रॉड

नई दिल्ली। आईपीएल मे दर्शको के आक्रोश का सामना कर रहे मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को टीम को जीत की राह पर लाने की सलाह देते हुए इंग्लैड के महान तेज गेदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि पिछले दोनो मैचो मे बतौर कप्तान उन्होने कुछ गलत फैसले लिए। पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस को इस सत्र मे पहले दोनो मैचों मे पराजय झेलनी पड़ी है। गुजरात टाइटंस छोड़कर मुंबई टीम मे आए हार्दिक को रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया है जिसको लेकर दर्शक टीम से काफी नाराज है। मैदान पर और सोशल मीडिया पर हार्दिक को दर्शको का कोपभाजन बनना पड़ रहा है। आईपीएल मे बतौर कमेंटेटर पदार्पण कर रहे ब्रॉड ने स्टार स्पोटर्स के प्रेस रूम कार्यक्रम मे भाषा के सवाल के जवाब मे कहा , पहले दो मैचो मे हार्दिक पंड्या को अजीब हालात का सामना करना पड़ा है। लेकिन ए दोनो मैच मुंबई से बाहर हुए है।

राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप में महाराष्ट्र का दबदबा

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की पुरुष और महिला टीमों ने सोमवार को यहां 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप के फाइनल मे जीत दर्ज करते हुए अपना दबदबा कायम किया।इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम मे खेले गए पुरुष वर्ग के रोमांचक फाइनल मे महाराष्ट्र ने रेलवे को 52-50 से हराया। इससे पहले शुरुआती दो पाली के बाद दोनो टीमें 32-32 से बराबरी पर थी और मुकाबले का नतीजा तीसरी पाली मे निकला।महिला वर्ग मे भी महाराष्ट्र और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के बीच खिताबी मुकाबला काफी रोमांचक रहा। महाराष्ट्र की टीम ने कप्तान संपदा मौर्या के शानदार खेल से 18-16 से जीत दर्ज की।इससे पहले सेमीफाइनल मे महाराष्ट्र की महिला टीम ने ओडिशा को 24-20 से हराया जबकि एएआई ने दिल्ली को 32-10 से पराजित किया।

मैनचेस्टर सिटी और आर्सेनल का मैच ड्रॉ,

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी और आर्सेनल का मैच गोल रहित ड्रा छूटने से लिवरपूल इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता मे खिताब की दौड़ मे सबसे आगे हो गया है। लिवरपूल ने एक अन्य मैच मे शुरू मे पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके ब्राइटन को 2-I से हराया। इससे उसके 29 मैच मे 67 अंक हो गए है तथा वह दूसरे नंबर पर काबिज आर्सेनल से दो अंक और तीसरे नंबर की टीम मैनचेस्टर सिटी से तीन अंक आगे है।

नामधारी ने आइजोल को बराबरी पर रोका

श्री भैनी साहिब (पंजाब)। नामधारी एफसी ने आखिरी मिनटो मे गोल कर सोमवार को यहां आई-लीग फुटबॉल मैच मे आइजोल एफसी को I-I से बराबरी पर रोक दिया। सभी भारतीय खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरी आइजोल ने 40वें मिनट मे 21 वर्षीय आर रामदीनथारा के सत्र के तीसरे लीग गोल की बदौलत बढ़त बना ली। टीम लंबे समय तक यह बढ़त बनाए रखने मे सफल रही लेकिन स्पेन के स्ट्राइकर इवान गैरिडो ने मैच के 85वें मिनट मे गोल कर नामधारी एफसी की वापसी कराई। गैरिडो ने लगातार दूसरे मैच मे टीम के लिए गोल किया।

रियाल मैड्रिड ने बार्सिलोना पर आठ अंक की बढ़त बरकरार रखी

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर की अनुपस्थिति मे रोड्रिगो ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए दो गोल किए जिससे रियाल मैड्रिड ने एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा मे अपने कट्टर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना पर आठ अंक की बढ़त बरकरार रखी। वीनीसियस जूनियर पीले कार्ड मिलने के कारण एक मैच का निलंबन झेल रहे थे लेकिन रोड्रिगो ने उनकी कमी नही खलने दी। बार्सिलोना ने एक अन्य मैच मे लास पामास को I-0 से पराजित किया। रियाल मैड्रिड की यह लगातार तीसरी जीत है, जिससे उसके 30 मैच मे 75 अंक हो गए है।

घुड़सवारीः स्थवी बनीं राष्ट्रीय इवेंटिंग चैम्पियनशिप की विजेता

नई दिल्ली। स्थवी अस्थाना ने घुड़सवारी राष्ट्रीय इवेंटिग चैम्पियनशिप मे सोमवार को यहां व्यक्तिगत वर्ग मे शीर्ष स्थान हासिल किया। स्थवी का यह दो चरण वाले राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मे दूसरा पोडियम (शीर्ष तीन रहना) स्थान है। वह इसके शुरुआती चरण मे तीसरे स्थान पर रही थी। आशीष मलिक ने भी इस स्पर्धा मे दोहरी सफलता हासिल की। व्यक्तिगत वर्ग मे दूसरे स्थान पर रहने वाले इस घुड़सवार ने टीम स्पर्धा मे तीसरा स्थान हासिल किया।

लखनऊ की नजर दूसरी जीत पर

अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगा आरसीबी

भाषा। बेंगलुरु

अभी तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखने में नाकाम रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में बेहतर खेल दिखाकर अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। आरसीबी की टीम अभी तीन मैच में दो अंक लेकर अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों करारी हार के कारण उसका नेट रन रेट भी गड़बड़ा गया है। फाफ डु प्लेसी की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम को कम करके नहीं आंका जा सकता है लेकिन उसके खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। उसके पास कई स्टार बल्लेबाज हैं लेकिन विराट कोहली को छोड़कर कोई भी अन्य नहीं चल पा रहा है। आरसीबी को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो कोहली के अलावा डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार और कैमरन ग्रीन को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। शीर्ष और मध्यक्रम के इन बल्लेबाजों की असफलता के कारण आरसीबी को अभी तक निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों दिनेश कार्तिक, अनुज रावत और महिपाल लोमरोर पर निर्भर रहना पड़ा है। पाटीदार की खराब फॉर्म जारी है और आरसीबी उनको विश्राम देकर सुयस प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ियों को मौका दे सकता है। आरसीबी की चिंता केवल बल्लेबाजी को लेकर नहीं है क्योंकि उसके मुख्य गेंदबाज भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसका तेज गेंदबाजी विभाग मोहम्मद सिराज पर निर्भर है जिन्होंने अभी तक तीन मैच में दो विकेट लिए हैं। यही नहीं वह रनों पर अंकुश लगाने में भी नाकाम रहे हैं। सिराज ने अभी तक 10 रन प्रति ओवर की दर से रन लुटाए हैं। सिराज के साथ नई गेंद संभालने वाले अलजारी जोसेफ ने भी अभी तक केवल एक विकेट लिया है और 9.4 रन प्रति ओवर की दर से रन लुटाए हैं।

बल्लेबाजी और अभ्यास में भाग लेने के बाद भी राहुल की भूमिका पर संशय

बेंगलुरु लोकेश राहुल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच से पहले सोमवार को यहां नेट और फिटनेस अभ्यास मे भाग लिया लेकिन लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने मंगलवार को खेले जाने वाले मैच मे उनकी भूमिका का खुलासा नही किया। पंजाब किंग्स के खिलाफ लखनऊ की टीम ने राहुल का इस्तेमाल इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर किया था, जिसके बाद उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठे थे। टीम इस मैच मे निकोलस पूरन की अगुवाई मे मैदान मे उतरी थी और उसने मैच को 21 रन से अपने नाम किया था। पूरन ने सोमवार को कहा, हम देखेंगे कि वह नेट सत्र मे कैसा कर रहे है और फिर उसी आधार पर कोई फैसला करेंगे।

मुख्य कोच फ्लावर को शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने सोमवार को शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि वे जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगे। विराट कोहली को छोड़ कप्तान फाफ डु प्लेसिस, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन और रजत पाटीदार जैसे टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में विफल रहे है। कोहली ने तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाए हैं। फ्लावर ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेले जाने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हमारे शीर्ष पांच बल्लेबाज अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। चिन्नास्वामी (आरसीबी का घरेलू मैदान) में बड़ा स्कोर बनता है। ऐसे में जब हमारे दिग्गज बल्लेबाज रन बनाना शुरू कर देंगे, तो मुझे लगता है कि हम कुछ बड़े स्कोर देखेंगे। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है। कोच ने उम्मीद जताई कि पिच से गेंदबाजों को भी मदद मिलेगी। यहां खेले गए दोनों मैचों की पहली पारी में गेंदबाजों के लिए थोड़ी मदद दिखी है।

महिला हॉकी शिविर के लिए 60 सदस्ईय टीम में कई नए और पुराने चेहरे

बेंगलुरु गोलकीपर सविता पूनिया और फारवर्ड वंदना कटारिया जैसी अनुभवी खिलाड़ियों सहित 60 खिलाड़ी सोमवार से यहां शुरू हुए सात दिन के मूल्यांकन शिविर मे भाग ले रहे है। इस शिविर के बाद ट्रायल्स होंगे जिसके आधार पर राष्ट्रीय टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियो का चयन किया जाएगा। इस मूल्यांकन शिविर का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) परिसर मे किया जा रहा है। भविष्य के कोचिंग शिविर और अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए संभावित खिलाड़ियों की संख्या 33 करने के लिए 6 और 7 अप्रैल को ट्रायल्स का आयोजन किया जाएगा।हॉकी इंडिया ने बयान मे कहा, पुणे मे हाल मे संपन्न हुई सीनियर महिला राष्ट्रीय चैपियनशिप मे प्रदर्शन के आधार पर 60 खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

श्रीलंका लड़खड़ाने के बावजूद बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने की ओर बढ़ा

चटगांव (बांग्लादेश)। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचो की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन सोमवार को श्रीलंका अपनी दूसरी पारी मे 102 रन के अंदर छह विकेट गंवाने के बावजूद बेहद मजबूत स्थिति मे है। श्रीलंका ने बांग्लादेश की पहली पारी को 178 रन पर समेट कर 353 रन की बढ़त हासिल की थी। दिन का खेल खत्म होते समय अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज 39 जबकि प्रभात जयसूर्या तीन रन बनाकर नाबाद थे। श्रीलंका की कुल बढ़त 455 रन की हो गई है और दो दिन का खेल बचा हुआ है। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर एक विकेट पर 55 रन से आगे से की लेकिन तेज गेंदबाज असिता फर्नांडो ने 34 रन देकर चार विकेट झटके जिससे घरेलू टीम लगातार तीसरी बार 200 रन से कम के स्कोर पर आउट हो गई। श्रीलंका के लिए विश्वा फर्नांडो, लाहिरु कुमारा और प्रभात जयसूर्या ने दो-दो विकेट लिए।

भारतीयों का खिताब जीतना मुश्किलः आनंद

नई दिल्ली। युवा जोश के बजाय अनुभव को महत्व देते हुए पांच बार के विश्व चैपियन विश्वनाथन आनंद को लगता है कि तीन भारतीय प्रतिभागी कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट मे खिताब के दावेदार नही है और उनका मानना है कि उन्हे टूर्नामेंट मे खेलने का अनुभव हासिल करना चाहिए।अगली विश्व चैपियनशिप के चैलेंजर के निर्धारण के लिए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का आयोजन तीन से 22 अप्रैल तक टोरंटो मे किया जाएगा। बेहद प्रतिभाशाली आर प्रज्ञानानंदा, डी गुकेश और विदित गुजराती तीन भारतीय है जो इस प्रतियोगिता के ओपन वर्ग मे प्रतिस्पर्धा कर रहे है।आनंद ने एक लोकप्रिय शतरंज पोर्टल पर वेबकास्ट मे कहा, भारतीयो के सामने बड़ी चुनौती है।

नागल ने करियर की सर्वोच्च एटीपी रैंकिंग हासिल की

लंदन। शीर्ष भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने हाल के दिनो मे प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते सोमवार को जारी एटीपी एकल रैंकिंग मे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 95वीं रैंकिंग हासिल की। नागल की इससे पहले सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 97 थी। उन्होने यह रैंकिंग फरवरी मे एटीपी चैलेंजर स्तर की प्रतियोगिता चेन्नई ओपन जीतने के बाद हासिल की थी। नागल ने जनवरी मे ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ मे जगह बना कर सुर्खियां बटोरी थी। वह इस प्रतियोगिता मे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी (कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक) को हराने वाले पहले भारतीय भी बने, लेकिन दूसरे दौर मे चीन के शांग जुनचेंग से हारकर बाहर हो गए थे। चेन्नई ओपन जीत के बाद उन्होने एटीपी 500 प्रतियोगिता (दुबई चैम्पियनशिप) और एटीपी 1000 मास्टर्स (इंडियन वेल्स और मियामी) के अलावा दो अन्य चैलेंजर टूर्नामेंट भी खेले।

कौजियर को हराकर आडवाणी ने सीसीसी बिलियर्ड खिताब को बरकरार रखा

मुंबई। विश्व चैपियन पंकज आडवाणी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां एकतरफा फाइनल मे इंग्लैड के डेविड कौजियर को 1836-743 से हराकर अखिल भारतीय सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक खिताब का बचाव किया। सीसीआई के विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हॉल मे खेले गए चार घंटे के फाइनल मुकाबले मे शानदार लय मे चल रहे आडवाणी ने 10 बार के पूर्व विश्व चैपियन कौजियर के खिलाफ 801 और 460 के दो बड़े ब्रेक बनाए। मुकाबले के शुरुआती दो घंटे के सत्र के बाद आडवाणी के पास 593-570 की मामूली बढ़त थी। वह इस समय 204 के ब्रेक पर थे जिसे उन्होने 460 मे बदल कर अपनी बढ़त मजबूत की और फिर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को वापसी का मौका नही दिया।

गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया : पंत

विशाखापत्तनम। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर 20 रन की जीत से अंक तालिका में खाता खोलने के बाद कहा कि गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। पंत ने भी 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर लय हासिल की। उन्होंने कहा, गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। हमने गलतियों से सीखने की बात की। मुकेश कुमार ने अंतिम ओवर में कई चौके लगने के बाद वापसी की। दिल्ली कैपिटल्स ने डेविड वार्नर (52 रन) और पृथ्वी साव (43 रन) के बीच पहले विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी के बाद पंत के अर्धशतक से पांच विकेट पर 191 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। फिर सीएसके को छह विकेट पर 171 रन ही बनाने दिए। पृथ्वी साव को अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। उन्होंने बल्लेबाजों के बारे में बात करते हुए कहा, पृथ्वी साव कड़ी मेहनत कर रहा है, हमने उसे मौका देने का सोचा और उसने इसका फायदा उठाया।

पंत से प्रेरित नही, तो आप सच्चे इंसान नही हो : वाटसन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन का मानना है कि अगर ऋषभ पंत की भयावह सड़क दुर्घटना मे चोटिल होने से लेकर अब एक हाथ से छक्के जड़ने की 15 महीने की यात्रा किसी को प्रेरित नही करती है तो वह संभवतः सच्चा इंसान नही है। यह 26 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिसंबर 2022 मे कार दुर्घटना मे बुरी तरह घायल हो गया था और इस बार उन्होने आईपीएल मे शानदार वापसी की। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ रविवार को उन्होने इस सत्र का पहला अर्धशतक जमाया। अपनी इस पारी के दौरान पंत ने चार चौके और तीन छक्के लगाए। इनमे से एक छक्का उन्होने एक हाथ के सहारे लगाया।

पंत पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख का जुर्माना

विशाखापत्तनम। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली ने रविवार को खेले गए इस मैच मे मौजूदा चैपियन चेन्नई को 20 रन से हराया था। आईपीएल ने बयान मे कहा, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

जरूरत पड़ने पर ही ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करेंगे धोनीः क्लार्क

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आक्रामक पारी के बाद महेंद्र सिंह धोनी को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने की मांग उठ रही है लेकिन माइकल क्लार्क का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स का यह पूर्व कप्तान जरूरत पड़ने पर ही ऐसा करेगा। धोनी ने दिल्ली के खिलाफ आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंद पर नाबाद 37 रन बनाए लेकिन उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद धोनी के प्रशंसक उनसे ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए आने की अपील कर रहे हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान क्लार्क का मानना है कि यह दिग्गज भारतीय खिलाड़ी पहले की तरह फिनिशर की भूमिका निभाता रहेगा। मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करेंगे। मेरा मानना है कि वह मौजूदा क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए आएंगे। मैं जानता हूं कि महेंद्र सिंह धोनी का प्रत्एक प्रशंसक उन्हें जितना संभव हो उतने ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहता है। उनके पूरे करियर के दौरान हम सभी कहते रहे हैं कि उन्हें पारी का आगाज करना चाहिए।

धोनी की शानदार बल्लेबाजी मुश्किल दिन में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहीः फ्लेमिंग

विशाखापत्तनम। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि जब खेल के प्रति जागरूकता की बात आती है तो फिर महेद्र सिंह धोनी का कोई सानी नही, जिन्होने आईपीएल के इस सत्र मे पहली बार बल्लेबाजी करते हुए अपने बल्ले की चमक बिखेरी। भारत की तरफ से 2019 मे अपना आखिरी मैच खेलने वाले धोनी ने पिछले साल अपने घुटने का ऑपरेशन करवाया था। फ्लेमिंग ने मैच के बाद संवाददाताओ से कहा, यह खूबसूरत पारी थी। वह टूर्नामेंट शुरू होने से पहले अभ्यास सत्र से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होने गंभीर चोट से उबरकर वापसी की है।

मीराबाई ने पेरिस ओलंपिक में जगह सुनिश्चित की

भाषा। फुकेट (थाईलैंड)

तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने सोमवार को यहां आईडब्ल्यूएफ विश्व कप में महिलाओं के 49 किग्रा भार वर्ग के ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रहकर पेरिस ओलंपिक में अपनी जगह लगभग सुनिश्चित कर ली। चोटिल होने के कारण छह महीने बाद वापसी करने वाली मीराबाई ने कुल 184 किग्रा (81 किग्रा और 103 किग्रा) भार उठाया। यह पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम और अनिवार्य क्वालीफायर टूर्नामेंट है। मीराबाई ने कहा, चोट के बाद वापसी करना अविश्वसनीय लगता है। आज मैंने जो भी लिफ्ट की वह लगभग साफ, स्पष्ट और शक्तिशाली लगी और मैं इस प्रतियोगिता से मजबूत होकर और आत्मविश्वास के साथ जा रही हूं। रिहैबिलिटेशन कठिन था लेकिन इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों के समर्थन से मैं हर तरह की जटिलताओं से उबर गई। अपनी स्पर्धा पूरी होने के साथ ही मीराबाई ने पेरिस ओलंपिक के लिए तय मानदंड पूरे कर लिए हैं जिनमें दो अनिवार्य टूर्नामेंट और तीन अन्य क्वालीफायर में भाग लेना शामिल है। भारत की 2017 विश्व चैंपियन मीराबाई वर्तमान में महिलाओं की 49 किग्रा ओलंपिक क्वालिफिकेशन रैंकिंग (ओक्यूआर) में चीन की जियान हुईहुआ के बाद दूसरे स्थान पर है। क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों की आधिकारिक घोषणा विश्व कप के समापन के बाद होगी जब ओक्यूआर अपडेट किया जाएगा। प्रत्एक भार वर्ग से शीर्ष 10 भारोत्तोलक पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे।

बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी मालिकों को 16 अप्रैल को अहमदाबाद आने का न्योता दिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 16 अप्रैल को अहमदाबाद में अनौपचारिक बैठक के लिए 10 आईपीएल टीमों के मालिकों को आमंत्रित किया है जिसमें फ्रेंचाइजी के लिए नीलामी राशि में संभावित बढोतरी और खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखने पर चर्चा हो सकती है। यह बैठक नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच मैच से इतर होगी।

बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा, आईपीएल (टीम) मालिकों को अनौपचारिक बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है। इस बैठक का कोई निर्धारित एजेंडा नहीं है। आईपीएल अपने दूसरे महीने में होगा, इसलिए यह सभी हितधारकों के लिए एक साथ आने का अच्छा समय होगा। इस दौरान इस साल के अंत में होने वाली बड़ी नीलामी को लेकर संभावित चर्चा हो सकती है। इसमें खिलाड़ियों को अपनी टीम के साथ जोड़े रखने और नीलामी रकम में संभावित वृद्धि के मुद्दे पर बातचीत हो सकती है। फिलहाल टीमें खिलाड़ियों पर 100 करोड़ रुपए खर्च कर सकती हैं। बैठक में बीसीसीआई सचिव जय शाह, अध्यक्ष रोजर बिन्नी और आईपीएल चेयरमैन शामिल होंगे। मौजूदा समय में टीमों को प्रत्एक बड़ी नीलामी से पहले चार खिलाड़ियों को बनाए रखने की अनुमति है।

रामनवमी के कारण 17 अप्रैल को रॉयल्स के खिलाफ केकेआर के घरेलू मैच का बदल सकता है कार्यक्रम

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के 17 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ घरेलू आईपीएल मैच के कार्यक्रम मे बदलाव लगभग तय है क्योकि स्थानीय पुलिस ने उस दिन रामनवमी समारोह के कारण पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने मे असमर्थता जताई है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को यह जानकारी दी है। सात चरण के आम चुनाव के पहले चरण मे 19 अप्रैल को बंगाल मे भी मतदान होना है। कोलकाता मे मतदान एक जून को होगा। कोलकाता पुलिस ने कैब अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली को लिखे पत्र मे कहा, मैच रामनवमी के दिन पड़ रहा है और चुनाव के लिए भी सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इसलिए 17 अप्रैल को मैच के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करना हमारे लिए संभव नही होगा। कैब ने सुझाव दिया है कि मैच को या तो एक दिन पहले (16 अप्रैल) कर दिया जाए या 24 घंटे आगे बढ़ाकर 18 अप्रैल को किया जाए। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया, हां, कैब ने हमे सूचित किया है कि स्थानीय पुलिस ने तारीख को फिर से निर्धारित करने के लिए कहा है और मामले पर विचार किया जा रहा है।

J&K Bank
Serving To Empower

जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड
इम्पेयर्ड आस्ति पोर्टफोलियो प्रबंधन विभाग
आंचलिक कार्यालयः प्लॉट नं. 132-134 सेक्टर 44, गुड़गांव (हरियाणा) भारत
जीएसटी 06AAACT6167G1ZB
फ़ोन +91 (0) 0124 4715 800 फैक्स +91 (0) 0124 4715 800 | ई-मेलः iapmd.del@jkbmail.com वेबः www.jkbank.net

ई–नीलामी सूचना
(सरफैसी अधिनियम, 2002 के तहत बंधक रखी दृष्टिबंधक वाहन की बिक्री हेतु)
[नियम 8(6) के परंतुक देखें]

एतद्द्वारा जनसाधारण को एवं विशेष रूप से कर्जदारों एवं गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि श्री मुकेश बंसल पुत्र स्वर्गीय श्री वीरभान बंसल पताः बीएस–103–ए, शालीमार बाग, दिल्ली–110088 के पक्ष में विस्तारित क्रेडिट सुविधा के लिए सुरक्षा के रूप में नीचे उल्लिखित दृष्टिबंधक वाहन जम्मू और कश्मीर बैंक लिमिटेड, शाखा शालीमार बाग दिल्ली को बंधक रखा गया है, का कब्जा सरफैसी अधिनियम की धारा 13(4) के तहत बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, के प्रोपराईटरों, बंधककर्ताओं और गारंटरों अर्थातः–

1. श्री मुकेश बंसल पुत्र स्व. वीर भान बंसल निवासी बीएस–103–ए, शालीमार बाग, दिल्ली–110088 (उधारकर्ता)।
2. श्रीमती संगीता बंसल पत्नी श्री मुकेश बंसल निवासी बीएस–103–ए, शालीमार बाग, दिल्ली–110088 (गारंटर)

को दिए गए ऋण हेतु दिनांक 31.03.2024 तक रु. 3,94,111.22 (रु. तीन करोड़ चौरान्वे लाख एक सौ ग्यारह और पैसे बाईस मात्र) और भविष्य का ब्याज, लागत इत्यादि सहित की वसूली हेतु "जैसा है जहाँ है" "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक 04.05.2023 को बेचा जाएगा।

दृष्टिबंधक वाहन का विवरण
मारुति डिजायर ZXI AMT, पंजीकरण सं. DL1CX9662, Rigid (यात्री कार), पेट्रोल।
उपरोक्त संपत्ति के लिए न्यूनतम आरक्षित मूल्य रु. 4.25 लाख (रु. चार लाख पच्चीस हजार मात्र) और ईएमडी रुपये 0.45 लाख (रु. पैंतालीस हजार मात्र)।
बोली दस्तावेज/प्रारूप जिसमें संपत्ति का पूरा विवरण और सभी नियम और शर्तें शामिल हैं, वेबसाइट "http://sarfaesi.auctiontiger.net" से प्राप्त और जमा किया जा सकता है (संपर्क व्यक्ति राम शर्मा (एम) –9978591888, संपर्क नंबर 079–68136880/68136837 मोबाइलः +91 9265562821/18 ईमेलः support@auctiontiger.net) सभी प्रकार से पूर्ण बोलियाँ केवल 03.05.2024 तक या उससे पहले ऑनलाइन जमा की जा सकती हैं। ई–नीलामी का समय 04.05.2024 को दोपहर 3:00 बजे है। बैंक अधिकारियों के संपर्क विवरण हैं: श्री रजनीश महाजन (प्राधिकृत अधिकारी) मोबाइलः 9967753294 और सुश्री ईशा महाजन (शाखा प्रमुख शालीमार बाग) मोबाइल नंबरः 9818636369, ईमेलः smbag@jkbmail.com

हस्ता/:
(श्री रजनीश महाजन)
प्राधिकृत अधिकारी, जे एंड के बैंक लिमिटेड

यह प्रकाशन प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 6(2) के संदर्भ में उपर्युक्त ऋण खातों के उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों को ऋण की कुल बकाया राशि का भुगतान करने के लिए 30 दिनों की सूचना भी है। नीलामी की तारीख से पहले ब्याज और खर्च के साथ, ऐसा न करने पर सम्पत्ति नीलाम कर दी जायेगी तथा शेष राशि यदि कोई हो तो ब्याज एवं व्यय सहित उनसे वसूल की जायेगी।
दिनांकः 01.04.2024,
स्थान : गुरूग्राम, हरियाणा

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः011-69342500।